श्री शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 112 | गुवाहाटी | मंगलवार, 15 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्कूलों को दिए 109 करोड़ 97 लाख 378 हजार पेज 3
युद्ध की तैयारी के लिए त्वरित और पारदर्शी निर्णय लेना महत्वपूर्ण : रक्षा मंत्री पेज 4
मत करेंचिंता, हल होंगी सबकी समस्याएं : मुख्यमंत्री योगी पेज 5
पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात में भाजपा की लहर पेज 8

अल्फा और सेना के बीच भारी गोलीबारी

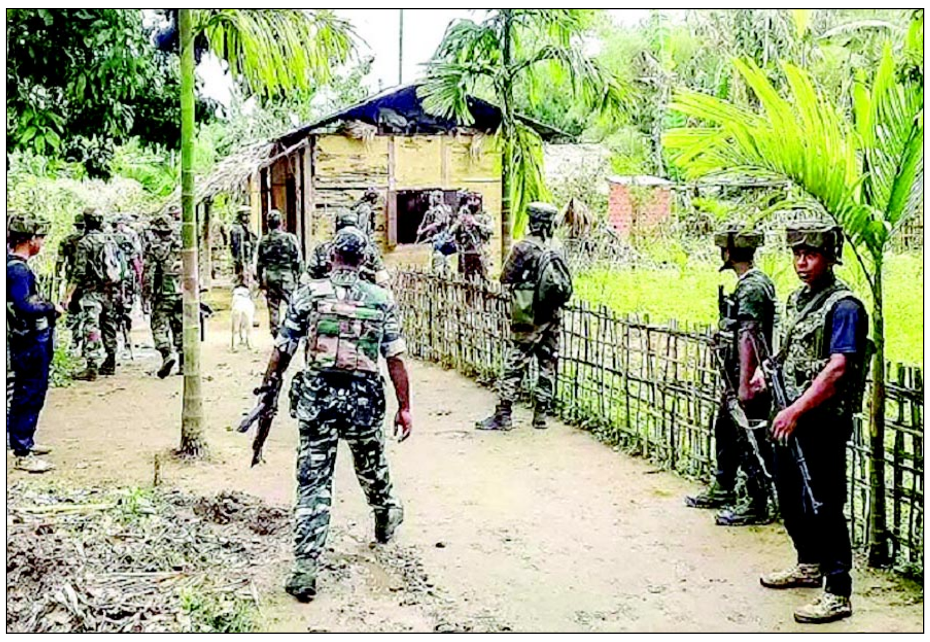

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के डिगबोई-पेंगेरी को जोड़ने वाले अपर दिहिंग वन क्षेत्र में प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्वा.) और सेना के बीच भारी गोलीबारी हुई है। गोलीबारी सोमवार सुबह करीब 9 बजे शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक अभिजीत गौरव और ऊपरी असम के डीआईजी जीतमल दलै पुलिस और अर्धसैनिक बलों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक सेना को सूचना मिली थी कि चरमपंथी संगठन अल्फा (स्वा.) के पांच सदस्यीय समूह ने अपरी दिहिंग वन क्षेत्र में एक शिविर में डेरा डाले हुए हैं। जिसके बाद सेना ने पुलिस के साथ मिलकर आज तड़के वन क्षेत्र में छापा मारा। चरमपंथियों ने पुलिस और सुरक्षाबलों को देखते ही पर फायरिंग शुरू कर दी। आसपास के लोगों ने बताया कि उन्होंने जंगल के अंदर से कई धमाकों की आवाज सुनी है। इस बीच पुलिस ने डिगबोई-पेंगेरी की व्यस्ततम सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। साथ ही पूरे इलाके की नाकाबंदी कर तलाशी अभियान को तेज कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने किया मिशन वसुंधरा 2.0 का शुभारंभ

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के लोगों के लिए आज का दिन एक ऐतिहासिक है। मिशन वसुंधरा के प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन के बाद सोमवार को पुनः मिशन वसुंधरा 2.0 का शुभारंभ हो गया है। यह बात सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य सरकार की ओर से गुवाहाटी के पांजाबाड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव के अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित एक समारोह में मिशन वसुंधरा 2.0 का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मिशन वसुंधरा 2.0 के तहत असम सरकार की प्रचलित भूमि नीति के -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में पत्थर की खदान ढहने से 15 श्रमिकों के दबने की आशंका

एजल (हि.स.)। मिजोरम के लुंगलेई जिला के हंथियाल गांव में पत्थर की खदान ढहने से कम से कम 15 मजदूरों के दबने की आशंका जताई गई है। हालांकि, पत्थर गिरने से कितने मजदूर फंसे हैं, इसकी सटीक जानकारी देने में प्रशासन ने असमर्थता जताई है। यह घटना लुंगलेई जिला के दूरदराज इलाके में स्थित हंथियाल गांव में पत्थर की खदान में आज दोपहर बाद करीब ढाई से तीन बजे के आसपास हुई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी जिला आपदा प्रबंधन के जवानों के साथ मौके पर -शेष पृष्ठ दो पर

हेमा मालिनी का सीएम ने किया स्वागत

गुवाहाटी (हि.स.)। पूरे राज्य में इन दिनों रास महोत्सव की धूम है। इस कड़ी में निचले असम के नलबाड़ी के प्रसिद्ध रास महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं लोकसभा -शेष पृष्ठ दो पर

आईआईएम बेंगलुरु और असम सरकार के बीच समझौता

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में सोमवार को जनता भवन (असम सचिवालय) में आईआईएम बेंगलुरु और असम सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने इस मौके पर कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में विकास की गति को तेज करने के लिए आईआईएम बेंगलुरु के साथ आज एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत पारंपरिक भर्ती प्रक्रिया से -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बच्चों, बड़े सपने देखो : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों से बड़े तथा नए और विकसित भारत के सपने देखने की सलाह देते हुए कहा कि यही सपने कल की हकीकत बन सकते हैं। राष्ट्रपति ने बाल दिवस के मौके पर सोमवार को राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए विभिन्न स्कूलों के छात्रों से कहा कि बड़े सपने तथा नए और विकसित भारत के सपने देखो। आज के सपने कल की हकीकत बन सकते हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे ऐसे भारत के बारे में सोचें जैसे भारत में वे बड़े होकर रहना चाहते हैं। उन्होंने बच्चों से परिणाम की परवाह किए बिना कर्तव्य के पथ पर चलने की अपील करते हुए कहा कि इससे अंतत वे सफलता हासिल कर ही लेंगे। उन्होंने कहा कि वे जो रास्ता आज अख्तियार -शेष पृष्ठ दो पर

नेहरू को लेकर भिड़े किरेन रिजिजू और जयराम रमेश

नई दिल्ली। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू और कांग्रेस नेता जयराम रमेश कश्मीर को लेकर आपस में भिड़ गए। एक न्यूज वेबसाइट के लिए रिजिजू ने *फाइव नेहरूवियन ब्लंडर्स ऑफ कश्मीर* टाइटल से एक लेख लिखा है। उनके इस लेख का जयराम रमेश सहित कांग्रेस नेताओं ने तीखी आलोचना की है। इस लेख पर कर्ण सिंह ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। एक ओपिनियन कॉलम में कांग्रेस नेता ने उन घटनाओं में अपने पिता की भूमिका को स्पष्ट किया जो जम्मू-कश्मीर को भारत में प्रवेश की ओर ले गईं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश द्वारा रिजिजू को *डिस्टोरियन* कहे जाने के बाद केंद्रीय मंत्री ने उसी वेबसाइट पर एक अन्य लेख में नए तर्कों के साथ कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने नेहरू पर भारत की जगह परिवार को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है। इसके बाद जयराम रमेश ने ट्विटर पर एक लेख साझा करते हुए लिखा कि उत्कृष्ट लेख जो किरेन रिजिजू और उनके झूठ को ध्वस्त करता है। रिजिजू ने 24 जुलाई 1952 को लोकसभा में नेहरू के भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने जुलाई 1947 में विलय के सवाल का जिक्र किया था। रिजिजू कहते हैं कि नेहरू ने कश्मीर को एक विशेष मामला कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि वहां चीजों को जल्दी ठीक करने की कोशिश करना सही या उचित नहीं होगा। रिजिजू ने 21 अक्तूबर 1947 को कश्मीर के तत्कालीन प्रधानमंत्री मेहर चंद महाजन को लिखे पत्र का जिक्र किया, जिसमें नेहरू ने कहा था कि इस स्तर पर भारतीय संघ के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

जीएसटी के दायरे में आएंगे पेट्रोल-डीजल!

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने के लिए तैयार है लेकिन इसपर राज्यों के सहमत होने की संभावना कम है। पुरी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए राज्यों की सहमति जरूरी है और अगर राज्य इस दिशा में पहल करते हैं तो केंद्र भी इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम पहले से ही इसके लिए तैयार रहे हैं। यह मेरी समझ है। हालांकि, दूसरा मुद्दा इसे लागू करने के तरीके का है। उस सवाल को वित्त मंत्री के समक्ष उठाया जाना चाहिए। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की लंबे -शेष पृष्ठ दो पर

Doorgraphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

ऑस्कर में नामित फिल्म *जॉयलैंड* पर पाक सरकार ने लगाई रोक

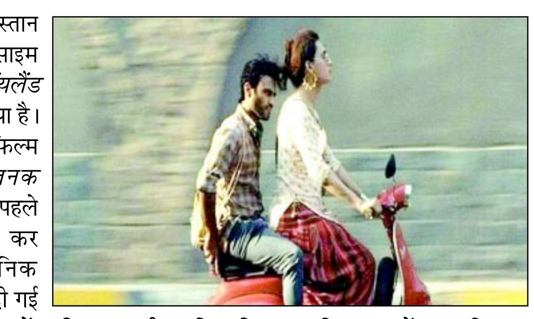

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अधिकारियों ने साइम सादिक की फिल्म *जॉयलैंड* को प्रतिबंधित कर दिया है। उनका आरोप है कि फिल्म में *बेहद आपत्तिजनक सामग्री* है। कुछ महीने पहले ही प्रमाण पत्र जारी कर फिल्म के सार्वजनिक प्रदर्शन की मंजूरी दे दी गई थी। जॉयलैंड ऑस्कर में पाकिस्तान की आधिकारिक प्रविष्टि है। इसे सरकार ने 17 अगस्त को प्रमाण पत्र दिया था। बहरहाल, इसकी सामग्री को लेकर हाल में ऐतराज जताया गया था। आपत्ति के बाद सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने देश के रुढ़िवादी तत्वों के साथ टकराव से बचने के लिए फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया। मंत्रालय ने 11 नवंबर को जारी अधिसूचना में कहा कि यह फिल्म देश के *सामाजिक मूल्यों और नैतिक मानकों* के अनुरूप -शेष पृष्ठ दो पर

वकील भी अवमानना का दोषी : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिकाकर्ता और उसकी ओर से याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता को यह कहते हुए नोटिस जारी किया है कि अगर याचिका में न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की गई है तो वादियों की ओर से याचिका दायर करने वाले वकील अदालती कार्यवाही की अवमानना के लिए जिम्मेदार होंगे। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने 11 नवंबर को पारित आदेश में याचिकाकर्ता -शेष पृष्ठ दो पर

जबरन धर्मांतरण एक गंभीर मसला : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जबरन धर्मांतरण को *बहुत गंभीर* मुद्दा करार देते हुए सोमवार को केंद्र से कहा कि वह इसे रोकने के लिए कदम उठाए और इस दिशा में गंभीर प्रयास करे। अदालत ने चेताया कि यदि जबरन धर्मांतरण को नहीं रोका गया तो एक *बहुत मुश्किल स्थिति* पैदा होगी। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि सरकार प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण पर अंकुश लगाने के लिये उठाए गए कदमों के बारे में बताए। पीठ ने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। केंद्र द्वारा जबरन धर्मांतरण को रोकने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

शत्रु की बुरी आदतों को सुनकर कानों को सुख मिलता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

श्रद्धा के 35 टुकड़े किए आफताब ने

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को दिल दहला देने वाले हत्याकांड का खुलासा किया। 18 मई यानी करीब 6 महीने पहले लिव इन पार्टनर आफताब ने अपनी 26 साल की प्रेमिका श्रद्धा की बेरहमी से हत्या कर दी। उसके शव को आरी से काटा। नया फ्रिज लाया ताकि टुकड़े उसमें रख सके और बदबू दबाने के लिए अगरबत्ती सुलगाता था। आफताब 18 दिन तक रोज रात 2 बजे उठता और शव के टुकड़े जंगल में फेंक आता था। पुलिस ने आफताब को शनिवार को अरेस्ट किया। इसके बाद उसने श्रद्धा की हत्या की सनसनीखेज कहानी बताई। इधर, कोर्ट ने आफताब को 5 दिन की पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

जी20 सम्मेलन में शी और बाइडेन की बैठक

नई दिल्ली। इंडोनेशिया में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को आमने-सामने बैठक की। यह बैठक दोनों महाशक्तियों के बीच बढ़ते आर्थिक और सुरक्षा तनाव के बीच हो रही है। इंडोनेशिया के एक लग्जरी रिसॉर्ट होटल में मुलाकात के दौरान शी और बाइडन ने एक दूसरे का अभिवादन किया और हाथ मिलाया। दोनों नेता यहां जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे हैं। तनाव के बीच दोनों नेताओं के बीच आर्थिक व सुरक्षा मुद्दों पर बैठक शुरू हुई। बैठक के दौरान बाइडेन ने कहा कि शी और उन पर यह दिखाने की *जिम्मेदारी* है कि अमेरिका और चीन अपने *मतभेदों पर काबू पा सकते* हैं, सहयोग के क्षेत्रों का पता लगा सकते हैं। जबकि शी ने कहा कि वह बाइडन के साथ विचारों के आदान-प्रदान के लिए तैयार हैं, जिसका उद्देश्य अमेरिका-चीन संबंध को सुधारना है। विश्व में कई मुद्दों पर व्याप्त तनाव के बीच इस मुलाकात के कई मायने हैं। बाइडन के अमेरिका के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के करीब दो साल बाद -शेष पृष्ठ दो पर

http://www.
देश-विदेश की छोटी-बड़ी खबरों के लिए देखें :
विकसित भारत समाचार
E-Paper : www.goodluckpublications.com
www.vbslive.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

यूपी में अब गर्मियों में नहीं जाएगी बिजली

24 घंटे विद्युत आपूर्ति की योगी सरकार ने बनाई ब्लू प्रिंट

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था के ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन करने जा रही है। केंद्र और राज्य सरकार की पुनरोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (रिवैंप), जिसमें प्रदेश सरकार की 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों को मिशन मोड में काम करने के लिए कह दिया गया है। उपभोक्ताओं को निर्बाध व सुरक्षित बिजली आपूर्ति देने के लिए प्रदेश सरकार ने सभी डिस्काम को जल्द से जल्द कार्ययोजना बनाकर काम शुरू करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से स्पष्ट निर्देश है कि काम में तेजी लाने और वर्तमान बिजली व्यवस्था के ढांचे में बदलाव का ब्लूप्रिंट शीघ्र तैयार कर लिया जाए। उत्तर प्रदेश में अभी तकरीबन 3 करोड़ बिजली उपभोक्ता हैं। सीएम योगी की ओर से कह दिया गया है कि हर हाल में अगली गर्मी से पहले प्रदेश के सभी बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए मजबूत स्ट्रक्चर खड़ा करने के लिए अभी से रणनीति बनाकर काम शुरू किया जाए, जिससे इस साल की गर्मियों जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े। इसके लिए, नए सब स्टेशन बनाने, ट्रांसमिशन एवं वितरण की सुचारू व्यवस्था विकसित करने तथा नई बिजली उत्पादन इकाइयों को सक्रिय करने पर युद्धस्तर पर काम किया जाए। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के चेयरमैन एम देवराज के अनुसार रिवैंप योजना के तहत प्रदेश के कई जिलों में टेंडरिंग की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। इस योजना से प्रदेश में बिजली के क्षेत्र में व्यापक बदलाव नजर आएगा। योजना को पूरी तरह से मूर्त रूप देने के लिए 2024-25 की डेडलाइन तय की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से इसके लिए पांच हजार करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था की गई है। सरकार की इस योजना को रिजल्ट ओरिएंटेड बताया गया है। इसमें एग्रीगेट टैक्निकल एंड कॉमर्शियल लॉस (एटी एंड सी) को 12-15 फीसद तक लाना भी शामिल है। इसके अलावा एवरेज कॉस्ट सप्लाई और एवरेज रेवेन्यू रिलाइजेशन को भी जीरो करना है। कुल मिलाकर बिजली के नुकसान को न्यूनतम स्तर पर लाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से बिजली विभाग के आला अधिकारियों को जल्द से जल्द फाइनल डीपीआर बनाने और टेंडरिंग प्रक्रिया को अमल में लाने के लिए कह दिया गया है। अबतक चली आ रही आइपीडीएस, सौभाग्य एवं दीनदयाल उपाध्याय योजना को भी रिवैंप में समाहित किया जाना है। इसके तहत 33-11 केवी के नए बिजलीघर बनाए जाने हैं। साथ ही पहले से निर्मित 33-11 केवी बिजली घरों की क्षमता में भी वृद्धि की जाएगी। इसके अलावा 33 केवी की ओवरलोडेड लाइन और उनमें से जिनपर एक से ज्यादा बिजलीघर जुड़े हैं, उन्हें अलग-अलग किया जाएगा। इसके लिए अलग से नई लाइनें बनेंगी। इसी प्रकार ओवरलोडेड बिजलीघरों की क्षमता में वृद्धि करना और नए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर लगाया जाना शामिल है। योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी मजरों, गांवों, नगरों और महानगरों को 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने का लक्ष्य है।

कांग्रेसियों ने अपने दफ्तर में जमकर किया हंगामा

अहमदाबाद। गुजरात की जमालपुर-खड़िया सीट से मौजूदा विधायक इमरान खेड़ावाला को टिकट देने के कांग्रेस नेतृत्व के फैसले से नाराज पार्टी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अहमदाबाद में कांग्रेस मुख्यालय पर धावा बोल दिया और वरिष्ठ नेता भरत सिंह सोलंकी के पोस्टर जला दिए। नाराज कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की गुजरात इकाई के पूर्व प्रमुख सोलंकी की नेमप्लेट को भी क्षतिग्रस्त कर दिया और स्प्रे पेंट से इमारत की दीवारों पर उनके खिलाफ अपमानजनक शब्द लिख दिए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सोलंकी ने टिकट के बदले खेड़ावाला से पैसे लिए और इस मुस्लिम बहुल सीट से युवा कांग्रेस नेता और पूर्व पार्षद शाहनवाज शेख की दावेदारी को जानबूझकर नजरअंदाज किया। खेड़ावाला की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग करते हुए एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि कांग्रेस के स्थानीय कार्यकर्ता और जमालपुर के लोग मौजूदा विधायक खेड़ावाला के खिलाफ थे, लेकिन पार्टी को अपनी खानदानी जागीर की तरह चला रहे कुछ तथाकथित नेताओं ने मनमाना फैसला लेते हुए उन्हें टिकट दे दिया। एक अन्य कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि हमारे नेताओं ने शेख जैसे प्रतिबद्ध पार्टी कार्यकर्ताओं को टिकट देने के बजाय पैसे लेकर खेड़ावाला को टिकट दिया। यह इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जीत दिलाने की साजिश है। कांग्रेस प्रवक्ता पार्थिवराज काठवाड़िया ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को शांति बनाए रखनी चाहिए और फैसले का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी नेतृत्व उनकी बात सुनेगा और समाधान ढूंढेगा। जमालपुर-खड़िया से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने पूर्व विधायक और उसकी प्रदेश इकाई के वर्तमान अध्यक्ष साबिर काबलीवाला को चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा ने अपने पूर्व विधायक भूषण भट्ट पर भरोसा जताया है, जिन्होंने 2012 में जीत दर्ज की थी, लेकिन 2017 में खेड़ावाला से हार गए थे।

रंगिया में समाजसेवा के लिए बिपुल कलिता की चर्चा

रंगिया (निसं)। रंगिया के बिपुल कलिता में नगर में इधर-उधर घूम रहे मानसिक रूप से विकारग्रस्त लोगों को साफ-सुथरा कर मानवता की एक मिसाल कायम की है। रंगिया नगर के पास उदियाना गांव के स्वर्गीय हरेन कालिता और लावण्य कलिता के इकलौते पुत्र बिपुल कलिता पत्रकार और समाज हितैषी व्यक्ति हैं जिन्होंने समाज में मानवता की एक सुंदर मिसाल कायम की है। कलिता लंबे समय से विकलांग लोगों की विभिन्न तरीकों से मदद कर रहे हैं। जो विकलांगता फॉर्म से वंचित हैं उनकी सहायता के साथ उन्होंने व्हीलचेयर और बैसाखी के लिए कई लोगों की मदद की है। उन्होंने समाज के सबसे गरीब परिवारों के लोगों को कपड़े भी उपलब्ध कराए हैं और छात्रों को किताबें, नोटबुक और पेन भी प्रदान की है। एक बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले बिपुल कलिता ने वह कर दिखाया है जिनके बारे में आम आदमी कोई नही सोचता। बिपुल कलिता की इस महनुभवता की लोगों द्वारा प्रसंशा की जा रही है।

बाल दिवस पर अभामामस मध्य गुवाहाटी ने बांटीं खुशियां

गुवाहाटी (नसं)। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों के साथ अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) मध्य गुवाहाटी शाखा की सदस्याओ ने बाल दिवस की खुशियां बाटी। अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने बताया कि जरूरतमंद बच्चों के साथ बाल दिवस मनाते हुए उनके पसंद के नित्य कराएं एवं गेम्स खिलाए। बच्चों के लिए कई तरह के मनोरंजन कार्यक्रम भी रखे गए। सभी बच्चों ने उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खूब आनंद के साथ खेल खेले। सदस्यों ने उनके साथ काफी समय बिताया और उनके चेहरों पर खुशी और उनकी आंखों में चमक देख कर बहुत खुशी महसूस हुई। सभी बच्चों को उनके मनपसंद उपहार एवं स्नेक्स बॉक्स, चॉकलेट्स आदि भी दिए गए। आयोजन को सफल बनाने में सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

एनएफआर-कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया के बीच रेल लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) में रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया के बीच रेल लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी देते हुए इसके त्वरित कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई है। इन लाइनों के दोहरीकरण को केंद्रीय बजट 2020-21 में शामिल किया गया था। 64.14 किमी लंबे इस दोहरीकरण परियोजना के लिए 942.64 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। कटिहार- कुमेदपुर तक का विस्तार 29.53 किमी और कटिहार-मुकुरिया तक का विस्तार 34.61 किमी है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने सोमवार को एक बयान में बताया है कि कटिहार/मालदा टाउन से डिब्रूगढ़ तक का रेल मार्ग पूसीरे प्रणाली का मुख्य कार्डिनल मार्ग है। यह महत्वपूर्ण रेल मार्ग सात राज्यों वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत के शेष राज्यों से जोड़ता है। कटिहार- कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया लाइनों के दोहरीकरण का कार्य पूरा होने पर कटिहार से पूर्वोत्तर राज्यों तक चार लाइनों की कनेक्टिविटी होगी, जिससे भारत के अन्य हिस्सों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के लिए रेल यातायात की बेहतर गतिशीलता में मदद मिलेगी। इससे भारत के पूर्वी बंदरगाह के साथ पड़ोसी देशों यानी नेपाल के लिए रेल यातायात की बेहतर आवाजाही में मदद मिलेगी, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, यह बिहार के कटिहार जिले और पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देगा। इस परियोजना को 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक्ट नॉर्थईस्ट पॉलिसी% के तहत, भारत सरकार कृषि सहित बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारी निवेश कर रही है, जिससे परिवहन की आवश्यकता बढ़ेगी, इस मार्ग पर ट्रैफिक लोड बहुत महत्वपूर्ण रूप से बढ़ने की संभावना है। इन दोहरीकरण लाइनों के पूरा होने के बाद कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया के बीच मौजूदा सिंगल लाइन खंड में यातायात की भीड़- भाड़ कम हो जाएगी और इससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों दोनों के अधिक परिचालन के लिए मार्ग प्रशस्त होगा। पूसीरे अपने अधिकार क्षेत्र के अधीन रेलवे बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ाने की खोज में निरंतर योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री ने किया मिशन ...

आधार पर स्थानीय भूमिहीन परिवारों को खेती और घर-बस्ती के लिए सामान्य सरकारी और सीलिंग सरकारी भूमि का पट्टा प्रदान कर भूमि अधिकारों की रक्षा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि यह कार्यक्रम इस दूसरे चरण में उतना ही सफल होगा जितना पहले चरण में सफल हुआ था। इस अवसर पर असम सरकार के मंत्री जोगेन महन, मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर, अपर मुख्य सचिव रविशंकर प्रसाद, प्रमुख सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग जीडी त्रिपाठी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव जेबी एक्का, समाज कल्याण विभा के प्रधान सचिव मुकेश साहू, वित्त विभाग के आयुक्त सचिव मनीष ठाकुर, भूमि लेखा और नापजोख अधिकारी शांतनु गोटमारे समेत जिला उपायुक्त के साथ ही कई शीर्ष अधिकारी और गणान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कुछ भूमिहीनों को भूमि पट्टा के कागज प्रदान कर मिशन वंसुधरा का योजना का शुभारंभ किया।

मिजोरम में पत्थर की ...

पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। वहीं जिला प्रशासन के आह्वान पर एजल से प्रथम बटालियन एनडीआरएफ की टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शाम करीब सात बजे ताजा जानकारी देते हुए बताया कि खदान श्रमिकों को बचाने के लिए पांच उत्खनन (जेसीबी) मशीनों से मलवा को हटाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पत्थर के मलबे में एक स्टोन क्रशर ड्रिलिंग मशीन भी फंस गई है। हालांकि, मलबे में फंसे लोगों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से अधिकारी ने कहा कि कम से कम 10 से 15 श्रमिकों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि लापता लोगों में अधिकतर गैर-मिजो हैं। वे एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के तहत काम कर रहे थे। एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि मलबा हटाने में समय लगेगा। उन्होंने कहा कि वे विस्तृत जानकारी का भी इंतजार कर रहे हैं।

हेमा मालिनी का ...

सांसद हेमा मालिनी भी गुवाहाटी पहुंचीं हैं। गुवाहाटी पहुंचने पर हेमा मालिनी का मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असमिया परंपरा के अनुसार स्वागत किया। मुख्यमंत्री इस संबंध में एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि प्रसिद्ध अभिनेत्री और लोकसभा सांसद हेमा मालिनी के गुवाहाटी पहुंचने पर स्वागत किया। उन्होंने कहा है कि नलबाड़ी में अपनी उपस्थिति से प्रसिद्ध रास महोत्सव की शोभा बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा है कि असम के लोगों के आध्यात्मिक जीवन में रास के महत्व के बारे में उन्हें बताते हुए मुझे बेहद खुशी हुई।

आईआईएम बेंगलुरु और ...

अलग गुणवत्तापूर्ण प्रतिभा की पहचान, उच्च कुशल लोगों को जमीनी स्तर पर राज्य की विकास यात्रा में योगदान करने के अवसर प्रदान करते हुए उनकी पहचान करते हुए स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में विकास के अवसर के तहत सहायता का लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा। इस समझौते पर संयोजक प्रोफेसर ऋषिकेश टी कृष्णन और मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव श्रीमिर कुमार सिन्हा ने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री ने इस समझौता के लिए प्रोफेसर कृष्णन को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव पवन कुमार बोरठाकुर सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बच्चों, बड़े सपने ...

करेंगे वह आने वाले दिनों में भारत की यात्रा को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने सलाह दी कि वे बड़े होने पर भी अपने अंदर के बच्चे को जीवित रखें। उन्होंने बच्चों से आग्र्रह किया कि वे देश की संस्कृति से जुड़े रहें तथा माता पिता का सम्मान करें और मातृभूमि से प्रेम करें। राष्ट्रपति ने कहा कि बचपन जीवन का सबसे सुंदर चरण है और बच्चों को हमेशा जैसे वे हैं वैसे ही स्वीकार किया जाता है। इसीलिए बच्चे इतने जीवंत और खुश रहते हैं। इस दिन हम उनकी मासूमियत और दिल की सच्चाई को मनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हर नई पीढी नई संभावना तथा नए सपने लेकर आती है। यह प्रौद्योगिकी और सूचना क्रांति का युग है। बच्चे अब विभिन्न घरेलू, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूक हैं।

नेहरू को लेकर ...

जुड़ाव की कोई घोषणा करना अवांछनीय होगा। यह पत्र आदिवासियों द्वारा समर्थित पाकिस्तानी सेना द्वारा कश्मीर पर आक्रमण करने के एक दिन बाद लिखा गया था। मोदी के मंत्री लिखते हैं कि डोगरा राजा हरि सिंह कश्मीर के बाहरी व्यक्ति नहीं थे। कश्मीर घाटी में उनके पास उतने ही अधिकार थे जितने किसी और के पास थे। रिजिजू ने लंदन में 1931 के गोलमेज सम्मेलन में हरि सिंह की घोषणा का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह पहले एक भारतीय थे और फिर एक महाराजा। उन्होंने कहा कि वही हरि सिंह 1947 में भारत में शामिल होने की गुहार लगा रहे थे, लेकिन नेहरू के एजेंडे के पूरा होने तक हर मौके पर उन्हें नाकाम कर दिया गया। अपने लेख में रिजिजू ने जून 1947 की कश्मीर यात्रा से पहले लॉर्ड माउंटबेटन को लिखे नेहरू के एक पत्र का जिक्र किया। रिजिजू ने कहा कि नेहरू को जून की शुरुआत में ही हरि सिंह की इच्छाओं के बारे में पता था, लेकिन सबसे बड़ी बाधा उनका एजेंडा था। रिजिजू ने मेहर चंद महाजन के संस्मरण के एक अंश का हवाला दिया, जिसमें लिखा था कि महाराजा भारत में शामिल होने और राज्य के प्रशासन में आवश्यक सुधार लाने के लिए तैयार थे। अपने कॉलम में मंत्री ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह 15 अगस्त, 1947 से पहले भी भारत में शामिल होना चाहते थे, लेकिन नेहरू ने इससे इनकार कर दिया था। रिजिजू ने दावा किया कि नेहरू एक व्यक्तिगत एजेंडे से प्रेरित थे और उन्होंने कश्मीर में एक शून्य पैदा किया जिसने पाकिस्तान को अपने मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी जिससे आदिवासियों द्वारा समर्थित आक्रमण हुआ। इसके अलावा रिजिजू ने दावा किया कि 1948 में संयुक्त राष्ट्र से संपर्क करने का निर्णय नेहरू द्वारा की गई तीसरी भूल थी। मंत्री ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री ने कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच के विवाद के रूप में स्वीकार कर पाकिस्तान को मौका दिया। रिजिजू ने अनुच्छेद 370 के निर्माण और उसे बनाए रखने को नेहरू की एक और भूल बताया है। मंत्री ने कहा कि संविधान में एक आर्टिकल बनाने का कोई औचित्य नहीं था क्योंकि विलय का साधन अन्य रियासतों के लिए समान था जिन्होंने इस पर हस्ताक्षर किए थे।

ऑस्कर में नामित फिल्म...

नहीं है। अधिसूचना में कहा गया है कि लिखित शिकायतें मिली हैं कि फिल्म में अत्यधिक आपत्तिजनक सामग्री है जो हमारे समाज के सामाजिक मूल्यों और नैतिक मानकों के अनुरूप नहीं है और स्पष्ट रूप से *शिष्टता और नैतिकता* के मानदंडों के प्रतिकूल है। सादिक के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 2023 अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर श्रेणी की अंतिम पांच में स्थान पाने की दौड़ में है। मंत्रालय ने अपने आदेश में देश में फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। फिल्म 18 नवंबर को पाकिस्तान के सिनेमाघरों रिलीज की जानी थी। जॉयलैंड में पितृसत्तात्मक परिवार की कहानी है जो चाहता है कि परिवार का वंश चलाने के लिए बेटा पैदा हो, जबकि उनका छोटा बेटा चुपके से कामुक नृत्य थियेटर में शामिल हो जाता है और ट्रांसजेंडर महिला के प्रेम में पड़ जाता है। पाकिस्तान की सीनेट में कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के एकमात्र सीनेटर मुश्ताक अहमद खान ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि फिल्म इस्लाम के खिलाफ है। उन्होंने ट्वीट किया कि पाकिस्तान एक इस्लामिक देश है और इसके खिलाफ किसी भी कानून, विचारधारा या गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती है। फिल्म को टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और बुसान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी दिखाया गया था। इसे शुक्रवार को *एशिया पैसिफिक स्क्रीन अवार्ड्स* का युवा सिनेमा पुरस्कार मिला है।

वकील भी अवमानना ...

मोहन चंद्र पी. के साथ अधिवक्ता विपिन कुमार जय को नोटिस जारी कर पूछा कि उनके खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। दोनों को सुनवाई की अगली तारीख 2 दिसंबर, 2022 को हाजिर रहने को भी कहा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिका में की गईं टिप्पणियां न केवल कर्नाटक हाईकोर्ट के लिए अपमानजनक हैं, बल्कि प्रकृति में अत्यधिक अवमाननापूर्ण भी हैं। शीर्ष अदालत कर्नाटक हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ दायर विशेष याचिका पर विचार कर रही थी, जिसमें हाईकोर्ट ने कर्नाटक में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के चयन को चुनौती देने वाली मोहन चंद्र पी की याचिका को खारिज कर दिया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विशेष अनुमति याचिका में याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश और खंडपीठ के आदेश को चुनौती देते हुए न्यायाधीशों के खिलाफ टिप्पणियां कीं और उन पर सस्ते प्रचार के लिए याचिका खारिज करने का आरोप लगाया।

जबरन धर्मांतरण एक ...

के लिए गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। अन्यथा बहुत मुश्किल स्थिति सामने आएगी। हमें बताएं कि आप क्या कार्रवाई करने का प्रस्ताव रखते हैं... आपको हस्तक्षेप करना होगा। अदालत ने कहा कि यह बेहद गंभीर मुद्दा है, जो राष्ट्र की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता को प्रभावित करता है। इसलिए, बेहतर होगा कि केंद्र सरकार अपना रुख स्पष्ट करे और इस तरह के जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए आगे क्या कदम उठाए जा सकते हैं, इस पर जवाबी हलफनामा दाखिल करे। सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें केंद्र और राज्यों को डरा-धमकाकर, प्रलोभन देकर और पैसे का लालच देकर धर्मांतरण पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

जीएसटी के दायरे में ...

समय से उठ रही मांग के बीच पेट्रोलियम मंत्री ने इस बात की आशंका जताई कि राज्यों के बीच इसपर सहमति बनने की संभावना कम ही है। उन्होंने कहा कि राज्यों के राजस्व का प्रमुख स्रोत शराब एवं पेट्रोलियम उत्पादों पर लगने वाला कर ही होता है। पुरी ने कहा कि यह समझना अधिक मुश्किल नहीं है कि राज्यों को इनसे राजस्व मिलता है। राजस्व पाने वाला आखिर उसे क्यों छोड़ना चाहेगा ? सिर्फ केंद्र सरकार ही मुद्रास्फीति और अन्य बातों को लेकर फिक्रमंद रहती है। उन्होंने केरल उच्च न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले को जीएसटी परिषद में उठाने का सुझाव दिया गया था, लेकिन राज्यों के वित्त मंत्री इस पर तैयार नहीं हुए। उन्होंने कहा कि जहां तक जीएसटी का सवाल है तो हमारी या आपकी इच्छाएं अपनी जगह हैं, हम एक सहकारी संघीय व्यवस्था का हिस्सा हैं। पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में गिरावट की संभावना के बारे में पूछे जाने पर पुरी ने कहा कि मैं आपके सवाल से अचंभित हूं। पिछले एक साल में इनकी कीमतों में सबसे कम बढ़ोतरी शायद भारत में ही हुई है। मॉर्गन स्टेनली भी कह रहा है कि भारत दुनियाभर में एक सबसे बेहतर स्थिति में रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कदम उठाकर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के असर से खुद को बचाये रखा है। उन्होंने कहा कि मैं काल्पनिक सवालों के जवाब नहीं देता लेकिन केंद्र सरकार की कोशिश यही होगी कि कीमतें स्थिर बनी रहें।

जी20 सम्मेलन में ...

दोनों नेता पहली बार भौतिक रूस से द्विपक्षीय बैठक की। इससे पहले कम्बोडिया के नोम पेन्ह में बाइडेन ने पत्रकारों से कहा था कि कि हमारे बीच बेहद थोड़ी सी गलतफहमी है। इंडोनेशिया के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि हमें अपनी सीमाएं (रेड लाइन) और अगले दो वर्षों के लिए अपनी प्राथमिकताएं तय करनी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके लिए चीजें बदली हैं... बाइडेन ने अपनी स्थिति पर कहा कि मुझे पता है मैं मजबूती से उभर रहा हूं। बता दें कि बाइडेन के शासनकाल में अमेरिका और चीन के रिश्ते काफी तनावपूर्ण रहे हैं। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी के अगस्त में ताइवान की यात्रा करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो गए थे। चीन ने इसे उकसाने वाला कदम करार दिया था और इसके जवाब में स्व-शासित द्वीप के आसपास कई सैन्य अभ्यास किए थे। शी के साथ बैठक के बाद बाइडन के सार्वजनिक तौर पर बयान जारी करने और पत्रकारों से बातचीत करने की भी योजना है।

श्रद्धा के 35 टुकड़े ...

कस्टडी में भेज दिया है। पूरे मामले पर सूत्रों ने पुलिस के हवाले से बताया कि आफताब ने वारदात से पहले अमेरिकी क्राइम शो डेक्स्टर समेत कई क्राइम मूवीज और शोज देखे थे। इसके बाद ही उसने श्रद्धा का मर्डर किया और आरी से काटकर उसकी बॉडी के 35 टुकड़े किए। उसने बॉडी पार्ट्स को सुरक्षित रखने के लिए बाजार से एक बड़ा फ्रिज भी खरीदा। वह रोज कुछ टुकड़े फ्रिज से निकालता और जंगल में ठिकाने लगाने निकल पड़ता। यह सिलसिला 18 दिन तक चलता रहा। इतना ही नहीं, आफताब ने सबूत मिटाने के लिए गूगल पर खून साफ करने का तरीका भी सर्च किया था। डेक्स्टर एक अमेरिकी क्राइम ड्रामा और साइकोलॉजिकल थ्रिलर शो है, जो 2006 से 2013 के बीच ऑनएयर हुआ। इसके 8 सीजन हैं। इस शो का मुख्य किरदार डेक्स्टर मॉर्गन दिन में पुलिस के लिए फोरेंसिक टेक्नीशियन के तौर पर काम करता है, जबकि रात को वह सीरियल किलर के तौर पर उन अपराधियों का मर्डर करता है, जिन्होंने बर्बर अपराध किए, लेकिन कानून ने उन्हें सही सजा नहीं दी। 26 साल की श्रद्धा मुंबई के मलाड की रहने वाली थी। यहां वह एक मल्टीनेशनल कंपनी के कॉल सेंटर में काम करती थी। आफताब अमीन फूड ब्लॉगर है। इंस्टाग्राम पर उसका पर्सनल अकाउंट द हंगरी छोकरो के नाम से है, जबकि उसका फूड ब्लॉग इंस्टाग्राम पर द हंगरी छोकरोट्टुएस्कैपेड्स नाम से है। अपने पर्सनल ब्लॉग पर उसने आखिरी फोटो 3 मार्च 2019 को पोस्ट किया था। अपने फूड ब्लॉग से उसने आखिरी फोटो 2 फरवरी को पोस्ट किया था। श्रद्धा और आफताब दोनों कॉल सेंटर में काम करते थे। 2019 में यहीं दोनों की मुलाकात हुई। दोनों प्यार करने लगे, लेकिन दोनों के रिश्ते से परिवार वाले नाखुश थे। इसके चलते दोनों मुंबई से दिल्ली शिफ्ट हो गए और महरौली के एक फ्लैट में लिव इन में रहने लगे। श्रद्धा अपने क्लासमेट लक्ष्मण से कॉन्टैक्ट में थी। लक्ष्मण ही श्रद्धा के पिता विकास मदान को जानकारी देता था। जब श्रद्धा ने कई दिन तक लक्ष्मण का फोन नहीं उठाया तो उसने श्रद्धा के पिता को जानकारी दी। इस पर पिता ने कहा कि सोशल मीडिया पर भी कोई अपडेट नहीं मिल रही है। विकास मदान बेटी का हालचाल जानने 8 नवंबर को दिल्ली पहुंचे। जब वे उसके घर पहुंचे तो ताला लगा था। उन्होंने महरौली पुलिस में शिकायत की और बेटी के अगवा होने का आरोप लगाया। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि श्रद्धा ने मां से फोन पर कहा था कि आफताब उसके साथ मारपीट करता है। श्रद्धा की मां की मौत के बाद वह अपने घर आई थी, तब उसने अपने पिता से भी मारपीट की बात कही थी। साउथ दिल्ली के एडिशनल डीसीपी अंकित चौहान ने बताया, 18 मई को झगड़े के बाद आफताब ने श्रद्धा की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने उसकी बॉडी के 35 टुकड़े किए और उन्हें फ्रिज में रख दिया। पुलिस ने बताया कि वह हर रोज रात को 2 बजे घर से निकलता और टुकड़ों को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में ठिकाने लगाता। पुलिस के मुताबिक आफताब ने शव के टुकड़े करने के लिए आरी का इस्तेमाल किया। उसने पहले उसके हाथों के तीन टुकड़े किए। इसके बाद पैर के भी तीन टुकड़े किए। इसके बाद रोज वह बैग में रखकर इन्हें फेंकने के लिए ले जाता। हत्या के बाद 300 लीटर का फ्रिज खरीदा, ताकि टुकड़े उसमें रख सके। अगरबत्ती जलाता था, ताकि बदबू को दबाया जा सके। पिता की शिकायत पर पुलिस ने आफताब को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। वह शादी के लिए दबाव बना रही थी।

स्वर्वेद भाष्य

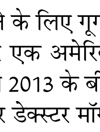

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

सर्व काम संसार का, ज्ञान के पीछे होय।
बिना ज्ञान धोखा रहे, व्यर्थ कर्म दुख होय॥ 13॥

शब्दार्थ : (ज्ञान) विवेक (पीछे) बाद, पश्चात।

भाष्य : संसार के सभी कार्य ज्ञान के बाद होते हैं। बिना ज्ञान का कर्म धोखे में होता है, जिससे व्यर्थ का दुःख आत्मा को होता है।

अर्थ धर्ममय काम जो, मोक्ष धाम निर्वान
सभी ज्ञा नगुरु मिलत है, दुख अलभ्य अज्ञान॥ 14॥

शब्दार्थ : (निर्वान) विदेहमुक्ति।

भाष्य : संसार के सभी अलभ्य पदार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष गुरु के ज्ञान के द्वारा प्राप्त होते हैं, जिससे जीवन को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और अज्ञान-विपरीत कर्म से दुःख एवं अशांति प्राप्त होती है। सभी पदार्थ गुरु के ज्ञान द्वारा प्राप्त होते हैं।

प्राथमिक-उच्च प्राथमिक विद्यालयों को 2022-23 के लिए वार्षिक अनुदान वितरित

स्कूलों को दिए 109 करोड़ 97 लाख 378 हजार

गुवाहाटी, 14 नवंबर (हि.स.)। गुवाहाटी के ज्योति चित्रबन के रुद्र बरुवा सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य शिक्षा क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से सोमवार को शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक स्कूल अनुदान वितरित किया। शिक्षा मंत्री द्वारा विद्यालय प्रबंधन समितियों की मौजूदगी में कुल 41,396 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को कुल 109 करोड़ 97 लाख 378 हजार रुपए जारी किए गए। इस मौके पर राज्य सरकार के शिक्षा सलाहकार डॉ. नानीगोपाल महंत, समग्र शिक्षा मिशन निदेशक डॉ. ओम प्रकाश सहित शिक्षा विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर स्कूल प्रशासन से संवाद करते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. पेगू ने कहा

कि बिना कठोर हुए आप अच्छा काम नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि असम आंदोलनों की भूमि है। बच्चा रोने पर ही मां दूध पिलाती है। हमें अपनी समस्याएं उठानी पड़ती हैं। सिर्फ सोच-समझकर बैठने से नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि मैं टीवी पर आने वाली सभी खबरों को देखता हूं। समस्याओं का समाधान करता हूं। इतना ही नहीं फेसबुक के जरिए उठाई जाने वाली समस्याओं का भी समाधान करता हूं। शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों से कहा कि आप बिना सख्त हुए अच्छा काम नहीं कर पाएंगे। नियमित नहीं होने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर शिक्षक स्कूल प्रबंधन के साथ मिल जाते हैं तो यह चोरों और पुलिस की तरह मिल जाने जैसा होगा। अभिभावकों की बैठक स्कूल में होनी चाहिए। विद्यार्थी को होमवर्क दिया जाना चाहिए। अभिभावकों को शिक्षक पर दबाव डालना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर स्कूलों में छुट्टी करना अनुचित है।

रंगिया में नकली सोने की नाव थमाकर लाखों रुपए ले उड़े ठगबाज

रंगिया (निसं)। रंगिया में प्रबंचको द्वारा सोने की नाव बताकर एक व्यक्ति से लाखों रुपये ठगकर फरार होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार के भोजपुर जिले के एक व्यक्ति को रंगिया में नकली सोने की नाव देकर प्रबंचक 10 लाखों रुपए नकदी ले उड़े। अब पीड़ित भोजपुर जिले के संतोष कुमार ने इस मामले में पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। संतोष कुमार पेशे में एक शिक्षक होने के साथ शारिरिक रूप से अपंग है। मिली जानकारी के अनुसार संतोष कुमार बिहार से तीर्थ भ्रमण के लिए असम आये थे वहीं उनसे एक व्यक्ति मिला जोकि पहले उनका फोन नम्बर लेकर वीडियो कॉल के जरिए उन्हें असली सोने का प्रलोभन देकर एक सोने की नाव जिसकी कीमत लाखों में बताकर उसे 10 लाख में बेचने की

बात कही। वो जालसाजों के झांसे में आ गए और नगदी 10 लाख रुपयों का जुगाड़ कर उन्हें दे दिए। वहीं पैसा लेकर आरोपी मौके से फरार हो गए, तभी संतोष कुमार को पता चला कि उनके साथ सोने की नाव के नाम पर ठगी हुई है और नाव तो नकली है। इसके पश्चात संतोष कुमार थाने में पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।

लायंस, उमंग ने मनाया बाल दिवस

गुवाहाटी (नसं)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से नारंगी के सातगांव रेलवे लाइन के समीप केएल इंडस्ट्रियल एरिया परिसर में बाल दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें इलाके के आसपास रहने वाले बच्चों के साथ क्लब की सदस्याओ ने समय बिताया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषि गर्ग सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के बीच दंत संबंधित जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. यशा अग्रवाल ने बच्चों को दांतों की सुरक्षा संबंधित कई अहम जानकारियां उपलब्ध कराई। इस दौरान बच्चों के बीच टूथ ब्रश टूथपेस्ट सहित खाद्य वस्तु चॉकलेट आदि का भी वितरण किया गया। क्लब की सचिव कंचन पोद्दार ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजिका संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन सहित सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

फैंसी बजार मे टीएमसी ने गण-हस्ताक्षर अभियान चलाया

गुवाहाटी (नसं)। असम तृणमूल कांग्रेस ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गुवाहाटी के 14 बड़े कमर्शियल कंपलेक्स में गण हस्ताक्षर अभियान चलाकर धरना प्रदर्शन दिया। इस अभियान का नेतृत्व रिपुन बोरा कर रहे थे। श्री बोरा ने बताया कि असम तृणमूल कांग्रेस ने कई दिन से गुवाहाटी के बड़े-बड़े 14 कमर्शियल कंपलेक्स में गण हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। इसके साथ धरना प्रदर्शन भी दिया है। आज तीन कमर्शियल कंपलेक्स में हस्ताक्षर अभियान के लिए गए। जिनमें गणेशगुड़ी, बेलतला और पलटन बाजार के बाद अब फैंसी बाजार में यह अभियान शुरू हुआ है। बाकी कॉम्प्लेक्स मे उपलक्ष्य में दो दिसंबर तक यह अभियान पूरा हो जाएगा। श्री बोरा ने गण हस्ताक्षर के उद्देश्य के बारे में बोलते हुए कहा कि गण हस्ताक्षर अभियान का मुख्य उद्देश्य महंगाई और जीएसटी के विरोध में है। इसके अलावा गुवाहाटी

सिटी में संपत्ति कर की वृद्धि, पीने के पानी की कठिनाई भी मूल समस्या के रूप में हमने अपनी मांगों में शामिल कर रखा है। सरकार बार-बार अपने सरकारी वादे के पश्चात भी वादाखिलाफी करती हुई पीने के पानी की कोई इंतजाम नहीं कर पाई है। यह सारी समस्याओं को लेकर यह प्रतिवाद धरना चल रहा है।

साधना योग कॉलेज में मनाया गया शिशु दिवस

रंगिया (निसं)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती को सोमवार को देशभर में बाल दिवस के रूप में मनाया गया। इसी कड़ी में रंगिया की अग्रणी स्वेच्छा सेवी

संस्था साधना द्वारा तथा साधना योग महाविद्यालय, रंगिया के सौजन्य से बच्चों के बीच विभिन्न गीत, नृत्य, कविता पाठ, योग प्रदर्शन, खेल और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रंगिया के ऐतिहासिक कृषक शहीद भवन प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन संगठन साधना के सचिव तथा योग चिकित्सक योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा किया गया जिसमें साधना के सदस्यों के साथ साधना योग महाविद्यालय के योग प्रशिक्षकों सहित बच्चों और स्थानीय लोगों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विशिष्ठ शिक्षक भूपेन दास उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने बताया कि बाल दिवस बच्चों के मानसिक और शैक्षिक विकास को बढ़ावा देता था। उन्होंने देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं.जवाहर लाल नेहरू के व्यक्तित्व व कृतित्व और बच्चों के प्रति उनके प्रेम का भी गुणगान किया। वहीं बच्चों ने इस अवसर पर नृत्य, कविता पाठ, योग प्रदर्शन, गायन आदि की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा इसमें भाग लेने वाले बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

नगांव के विद्यालयों में बाल दिवस मना

नगांव (निसं)। समग्र देश के साथ ही नगांव के सभी विद्यालयों में बाल दिवस मनाया गया। नगांव मोरीकलंग बांसबारी स्थित हिंदुस्तानी हिंदी मध्य अंग्रेजी विद्यालय में भी आज चाचा नेहरु के जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बाल दिवस मनाया गया। दीप प्रज्वलित से आरंभ हुई इस सभा की अध्यक्षता शिक्षा विभाग के डीओ लाभ्जा जारामबुसा ने किया। वहीं शिक्षक राम अवतार पासी ने सभा का उद्देश्य व्याख्या करते हुए विद्यालय के आम समस्याओं को सभा के मानसपटल पर रखते हुए विद्यालय के उत्थान के लिए सभी को सहभागिता निभाने के लिए आह्वान किया। शिक्षक छोटेलाल गुप्ता ने भी अपने भाषण में बाल दिवस के महत्व के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। सिद्दीकुर रहमान के मंच संचालना में शिक्षिका हेवाली बरठाकुर ने सभा के शुरुआती दौर में एक भक्तिमुलक गीत की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।सभा में अतिथि के रूप में आए पत्रकार अजय महतो ने बाल दिवस सभा को संबोधित करते हुए चाचा नेहरु के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चाचा नेहरू ने बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। इसलिए उनका संदेश था कि सभी बच्चे मेहनत करते हुए सफलता के मुकाम को हासिल करें और बच्चे धैर्यवान, मजबूत और विनम्र बने। विद्यालय के प्रधानाचार्य उमाशंकर चौहान ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा के बाद छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक नवनित कुमार, पिंकी कुमारी सहित सभी शिक्षकों और समाज का सराहनीय योगदान रहा।

बीटीआर में 16 नवंबर को स्थानीय अवकाश की घोषणा

गुवाहाटी। अपोलो हॉस्पिटल्स ने बाल दिवस मनाया। उसने अपने इवेंट में बच्चों के स्वास्थ्य के अधिकार पर फोकस किया। यह जानकारी उसने जारी एक प्रेस-सूचना में दी है। प्राप्त प्रेस-सूचना के अनुसार अपोलो हॉस्पिटल्स ने अपने कार्यक्रम में बच्चों की उनकी शिक्षा और कल्याण की जागरूकता को आगे बढ़ाया। अपोलो हॉस्पिटल्स, गुवाहाटी की चिकित्सा सेवाओं के निदेशक डॉ. सुरजीत बरुवा ने कहा कि हमारे बच्चे हमारे भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। यह हमारा उत्तरादायित्व है कि हम उसे सुनिश्चित करें।

सड़क दुर्घटना में एक युवती की मौत, पांच घायल

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। ग्वालपाड़ा जिला के दुधनै के डावली इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक युवती की मौत हो गई। जबकि, पांच लोगों को गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि बीती रात दुधनै में रास महोत्सव देखने के लिए जाते समय अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग-17 के किनारे ई-रिक्शा पलट गया। जिसकी वजह से ई-रिक्शा में सवार सिल्पश्री दास, पूर्ण चंद्र दास, विकास दास, दिप्सिता दास, ललिता भौमिक और ई-रिक्शा का चालक प्रणब ज्योति राभा घायल हो गये। घायलों में सिल्पश्री दास की हालत काफी गंभीर थी। जिसे इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया। हालांकि, बीच रास्ते में ही मौत हो गई। अन्य घायलों को इलाज के लिए ग्वालपाड़ा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल सभी लोग एक ही परिवार के बताए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं पुलिस मृत युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

बोको में ई-पत्रिका ज्ञानम के तृतीय वर्ष के प्रथम संस्करण का विमोचन

रंगिया/बोको (निसं)। शैक्षिक समूह ज्ञानम द्वारा प्रकाशित ई-पत्रिका ज्ञानम के तीसरे वर्ष के प्रथम अंक का लोकार्पण कल हाहिम हाई स्कूल में आयोजित एक समारोह में किया गया। इसका विमोचन अवसर प्राप्त शिक्षक रामधन राभा ने किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्ञानम शैक्षिक ग्रुप की अध्यक्ष सरस्वती दत्ता ने की। समारोह में बोलते हुए ज्ञानम शैक्षिक ग्रुप के मुख्य सलाहकार तथा कामरूप जिला स्कूलों के निरीक्षक अपूर्वा ठाकुरिया ने कहा कि ज्ञानम सकारात्मक दिशा में अपनी यात्रा जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि ज्ञानम का कार्यक्षेत्र क्षेत्र और भी अधिक शिक्षा केंद्रित और बौद्धिक होना पड़ेगा। विशेष रूप से उन्होंने सभी को सीमावर्ती क्षेत्रों में शैक्षिक वातावरण में सुधार के लिए यथार्थवादी कार्यक्रम लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में ज्ञानम शैक्षिक ग्रुप के शुभचिंतक और प्रख्यात शिक्षाविद् परेश वैश्य ने शैक्षिक ग्रुप ज्ञानम के लिए उनके द्वारा लिखित पुस्तकों का एक पैकेट प्राप्त करते हुए जिला के विद्यालय परिदर्शक ने कहा कि शिक्षाविद् परेश वैश्य अब तक 300 से अधिक पुस्तकें लिख चुके हैं और हम सभी के लिए एक आदर्श बन गए हैं। जिस प्रकार विज्ञान लेखक आइजाक एसिमोवे ने अपने जीवनकाल में पांच सौ से अधिक पुस्तकें लिखीं, उसी तरह वैश्य ने तीन सौ से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। विद्यालय निरीक्षक ने परेश वैश्य को कामरूप के आइजाक एसिमोव के रूप में आख्या दी। बैठक में हेकेरा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य तथा शिक्षाविद् डॉ. गणेश्वर सहरिया और शिक्षाविद् परेश वैश्य ने ज्ञानम द्वारा किए जाने वाले कार्य के विषय पर परामर्श दिया। इस कार्यक्रम में ई-पत्रिका ज्ञानम के पर्यवेक्षक फूलपाही नाथ ने भाषण देते हुए ज्ञानम को अधिक गतिशील बनाने का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनता हाई स्कूल के छात्रों द्वारा राभा नृत्य, हाहिम हाई स्कूल के छात्रों द्वारा गारो नृत्य और दिलिंगा गांव के कलाकारों द्वारा कोच नृत्य का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में बेकलिन जी सांगमा, शरत बोड़ो, डोरिउस सांगमा, संजय माराक, निशिकांत दास, हेप्लिन आर माराक, विक्टो सांगमा, पूर्णकांत कलिता, शिवराम छेत्री आदि ने ज्ञानम शैक्षिक ग्रुप के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के शुरुआत में ज्ञानम के शीर्ष गीत की प्रस्तुति दी गई।

होजाई में भी मना चाचा नेहरू का जन्मदिन

होजाई (निसं)। मारवाड़ी हिंदी प्राथमिक विद्यालय व सिड्यूल कास्ट प्राथमिक विद्यालय ने आज मिलकर बाल दिवस का पालन मारवाड़ी हिंदी प्राथमिक विद्यालय परिसर में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ चाचा नेहरू की तस्वीर पर माल्यापर्ण पुष्प अर्पित करते हुये उन्हें नमन किया। इसके बाद दोनों स्कूल के बच्चों में आपस में एक दूसरे से मिलकर अपना अपना परिचय दिया। तत्पश्चात बच्चों का उत्साहवर्धन करने हेतु स्कूल की शिक्षिका किरण सिंह ने अपने पुत्र सूरज सिंह के साथ स्कूल के बारह बच्चों को स्वेटर प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया। जिन बारह बच्चों को स्वेटर दिया गया उनमें मेहरून खातून, सुमन कुमारी, मुबारक रेम, सूरज मंडल, प्रीति कुमारी, चांदनी कुमारी, रुखसार खातून, मिठू राय, खुशी गुप्ता, प्रिया चौहान, विद्वराय व प्राची सिंह है। वहीं स्कूल की शिक्षिका पूजा गुप्ता ने पेंसिल, पेन, प्रधानाचार्य रमेश हरिजन ने मिठाई व शिक्षक शुभम गुप्ता, कलावती चौहान ,रूवई दत्ता, मनीष गुप्ता, सतीश सिंह, जवाहर चौहान ने अपनी तरफ से बच्चों के भोजन की व्यवस्था कि। बाल दिवस के इस मौके पर दोनों स्कूल के छात्र-छात्राओं की खुशी देखते ही बनती थी।

कुंए से बच्ची का सड़ा-गला शव बरामद

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिला के बकुलियाघाट के नाम बकुलिया इलाके से एक बच्ची का कुंए से सड़ा-गला शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि नाम बकुलिया इलाके में एक बच्ची का शव कुंए में देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मृत बच्ची के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृत बच्ची की पहचान सुनीता सिंह के रूप में की गई है। दावा किया जा रहा है कि लगभग 10 दिन पहले बच्ची के पिता महेंद्र सिंह ने घर के कुंआ में बच्ची को दफन कर दिया था। घटना के बाद से ही बच्ची का पूरा परिवार फरार है। मृत बच्ची 9वीं कक्षा में पढ़ती थी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपितों की तलाश कर रही है।

भाजपा महिला मोर्चा ने डॉ. मामोनी रॉयसम गोस्वामी को किया याद

असम कन्या मामोनी रॉयसोम दुनिया में एक योग्य संतान थीं : डॉ. पटगिरी

गुवाहाटी,14 नवंबर (हि.स.)। डॉ. मामोनी रॉयसम गोस्वामी न केवल असम और भारत में बल्कि पूरी दुनिया में एक सुयोग्य संतान थीं। लोगों के अधिकारों के लिए अपने लेखन के माध्यम से डॉ. गोस्वामी ने लोगों को जगाने का काम किया। उनका बाल सुलभ मन और मातृत्व जीवन शैली ने लोगों को एक विशाल दुनिया से परिचित कराया। यह बातें सोमवार को डॉ. दीप्ति फूकन पटगिरी ने कही। असम प्रदेश भाजपा की महिला मोर्चा ने सोमवार को डॉ. मामोनी रॉयसम गोस्वामी की जयंती पर स्मरण कार्यक्रम में आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व गौहाटी विश्वविद्यालय की असमिया विभाग की सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. पटगिरी हिस्सा लेते हुए डॉ. गोस्वामी के जीवनवृतांत पर प्रकाश डाला। डॉ. पटगिरी के अनुसार, स्वर्गीय नलिनीबाला देवी ने निर्मलप्रभा बोरदलै और डॉ. मॉमोनि रायसम गोस्वामी ने असमिया साहित्य को एक नया रास्ता दिखाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सरलता के साथ भाषा को स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाई थी। उल्लेखनीय है कि असम सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास

मंत्री रंजीत कुमार दास द्वारा डॉ. गोस्वामी के स्मरण के उद्घाटन कार्यक्रम के साथ ही महिला मोर्चा ने राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया था। आज के उद्घाटन समारोह में पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में महिला मोर्चा के विभिन्न जिलों की कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। गुवाहाटी स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रतियोगिता में महिला मोर्चा की 50 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। इन 50 प्रतियोगियों में डिब्रूगढ़ की शिखामणि गोगोई प्रथम, बरपेटा की देवजानी गायन द्वितिय और शोणितपुर की रूपांजली तालुकदार तथा डिमा हसाउ की चंद्रा छेत्री ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता के समय पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा, मीडिया पैनलिस्ट कंकना गोस्वामी भारद्वाज और विशिष्ट निबंधकार मंजीरा डेका ने प्रशिक्षक के रूप में हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि अध्यक्ष भाषण प्रतियोगिता समाप्त होते ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता की उपस्थिति में समापन समारोह में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। महिला मोर्चा की अध्यक्ष अंगुरलता डेका की अध्यक्षता में आयोजित समापन समारोह में गुवाहाटी की सांसद क्वीन ओझा और पार्टी के प्रदेश महासचिव पुलक गोहाई भी मौजूद थे। आज के समापन समारोह का संचालन महिला मोर्चा की प्रदेश महासचिव हिमाश्री देवी और पूर्बी राय ने किया।

युद्ध की तैयारी के लिए त्वरित और पारदर्शी निर्णय लेना महत्वपूर्णः रक्षा मंत्री

- राजनाथ सिंह बोले- ऑडिटर्स का मुख्य काम वित्तीय व्यवस्था में चौकीदारी करने जैसा
- इस वर्ष रक्षा बजट के लिए आवंटित 5.25 लाख करोड़ उचित ढंग से खर्च किए जाएं

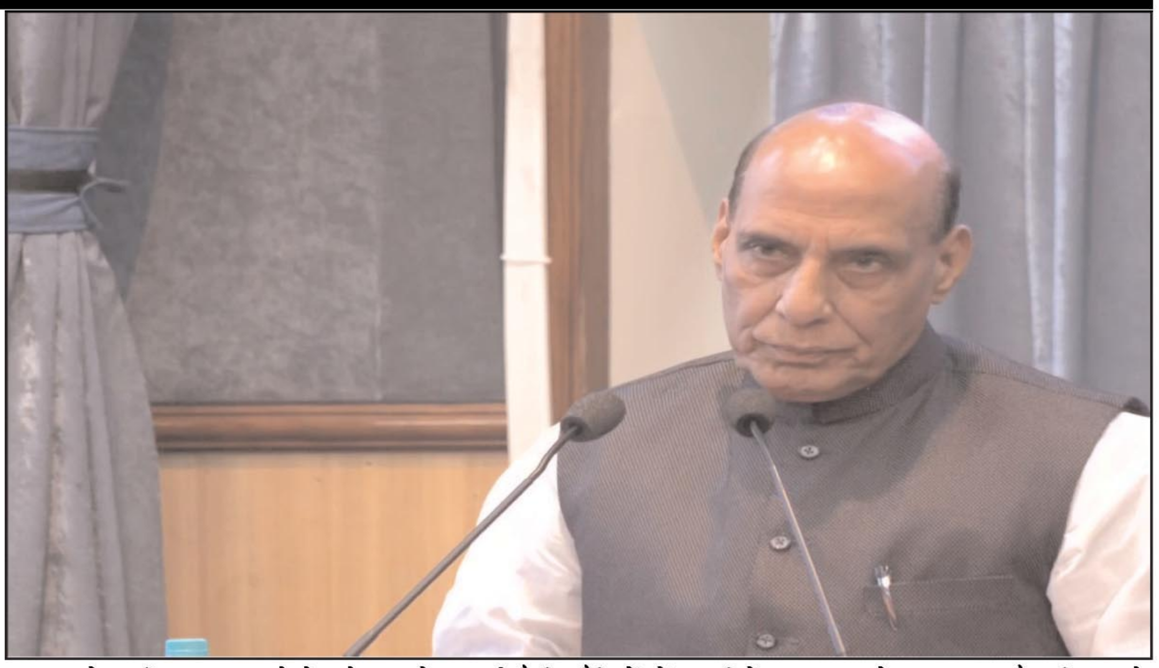

नई दिल्ली, 14 नवंबर (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि युद्ध की तैयारी के लिए न केवल पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की जरूरत होती है, बल्कि इसके लिए त्वरित और पारदर्शी निर्णय लेना भी महत्वपूर्ण है। निर्णय लेने में देरी से समय के साथ-साथ धन की भी हानि होती है। इसके अलावा देरी से लिए गए निर्णयों का देश की युद्ध तैयारी पर भी प्रतिकूल प्रभाव होता है। इसे सुनिश्चित करने में रक्षा लेखा विभाग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रक्षा मंत्री सोमवार को नई दिल्ली में रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की ओर से आयोजित वित्त नियंत्रकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। रक्षा लेखा विभाग से समय पर निर्णय लेने का आह्वान करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि इस वर्ष रक्षा बजट के लिए 5.25 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिसका उचित खर्च सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी रक्षा लेखा विभाग की है। उन्होंने कहा कि रक्षा लेखा विभाग को अपने अंदर सुधारों की एक प्रक्रिया चलाने की भी जरूरत है। अपनी आईटी क्षमताओं को विकसित करने के साथ ही वित्तीय जानकारी बढ़ानी चाहिए, ताकि हम और अधिक क्षमता के साथ ऑडिट इत्यादि का काम कर सकें। रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि रक्षा लेखा विभाग अपनी वित्तीय सलाह से सरकारी खर्च में बचत करने का प्रयास करे, ताकि उस धन को देश के स्वास्थ्य, शिक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर या अन्य विकास कार्यों में लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि ऑडिटर्स का काम वित्तीय व्यवस्था में एक प्रहरी जैसा है, लेकिन कुछ ऑडिटर्स इसके विपरीत कार्य करने लगते हैं। हमारे अंदर कहीं ऐसी मानसिकता न पनपने लगे, इसका हमें पूरा खयाल रखना है। उन्होंने कहा कि विभाग से मेरी यह अपेक्षा रहती है कि सैनिकों, पेंशनधारियों या अन्य हितधारकों को सही समय पर सही भुगतान मिले। साथ ही इस प्रक्रिया में कहीं कोई समस्या आए तो उसका भी त्वरित और निष्पक्ष समाधान हो। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग का प्रमुख कार्य रक्षा मंत्रालय के संगठनों को वित्तीय सलाह प्रदान करना है। देश की युद्ध तत्परता के लिए न केवल समुचित वित्तीय संसाधन का उपलब्ध होना आवश्यक है, बल्कि इसके लिए त्वरित और पारदर्शी निर्णय लेने की भी आवश्यकता होती है। निर्णय लेने में की गई देरी से समय और धन दोनों की हानि तो होती ही है, साथ ही इससे देश की युद्ध तत्परता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसे सुनिश्चित करने की दिशा में रक्षा लेखा विभाग की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

राष्ट्रपति पर अखिल गिरी के बयान के लिए ममता बनर्जी ने मांगी माफी

कोलकाता, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर बंगाल सरकार के मंत्री अखिल गिरी के बयान का देशभर में चौतरफा विरोध होने के बाद आखिरकार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने माफी मांगी। ममता ने मंत्री गिरी को ऐसी टिप्पणी करने से बचने की सलाह दी। सोमवार को राज्य सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ मंत्री गिरी की आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगी। ममता ने कहा कि राष्ट्रपति बहुत ही सुंदर महिला हैं। अखिल गिरी ने बयान देकर बहुत बड़ा अन्याय किया है। मैं उनकी निंदा करती हूं। उनकी ओर से मैं खुद माफी मांगती हूं। मुझे बेहद अफसोस है। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने अखिल को भी सचेत किया है और साफ कर दिया है कि अगर भविष्य में इस तरह की बयानबाजी होगी तो पार्टी उनके खिलाफ कठोर कदम उठाएगी। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस की विधायक बीरबाहा हांसदा को लेकर भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के बयान के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीरबाहा भी आदिवासी परिवार की महिला हैं। वह भी एक ऐसे परिवार से आती हैं, जहां सभ्यता संस्कृति का पोषण होता रहा है। अधिकारी ने उनके लिए अमर्यादित टिप्पणी की, अखिल गिरी को शुभेंदु ने कौवा तक कहा था, यह सब भी ठीक नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति बाहर से देखने में कैसा दिखता है, यह मायने नहीं रखता बल्कि वह इंसान कैसा है, यह मायने रखता है। कोई अगर हमारी पार्टी में इस तरह की बयानबाजी करता है या अन्याय करता है तो निश्चिततौर पर उसे पार्टी का साथ नहीं मिलेगा। भाजपा जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रही है, उसी राह पर सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं का चलना शोभनीय नहीं है।

देश का पहला सहकारिता विश्वविद्यालय दिल्ली में : बी.एल. वर्मा

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश का पहला सहकारिता विश्वविद्यालय दिल्ली में खोला जाएगा। केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में इस बात की पुष्टि की। वर्मा ने कहा कि सहकारिता विश्वविद्यालय खोलने को लेकर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। केन्द्र सरकार दिल्ली में देश का पहला सहकारिता विश्वविद्यालय खोलने को लेकर विचार कर रही है। वर्मा ने कहा कि सहकारिता से देश के लगभग 29 करोड़ लोग जुड़े हैं। इस क्षेत्र को प्रभावी और मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी नीति का मसौदा तैयार किया जा रहा है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश प्रभु की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर की समिति का गठन किया गया है। वर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) को मजबूत बनाने और इसके दायरे को बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर काम कर रही है। केन्द्र की योजना है कि देश के सभी गांवों तक पैक्स को मजबूत किया जाए। इस कार्य में केन्द्र को लगभग सभी राज्य सरकारें सहयोग कर रही हैं।

दिल्ली में आज से प्रगति मैदान में 41वें ट्रेड फेयर की होगी शुरूआत, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के प्रगति मैदान में आज से ट्रेड फेयर का आगाज शुरू हो गया है। शाम चार बजे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल 41वें ट्रेड फेयर का उद्घाटन करेंगे। यह मेला आज से लेकर 27 नवंबर तक चलेगा।

इंडिया ट्रेड प्रोमोशन आर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) के तत्वावधान में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर का आयोजन किया गया है। इस बार ट्रेड फेयर की थीम ह्यवोकल फॉर लोकलह्ल, ह्यलोकल टू ग्लोबल हैह्ल। शुरू के चार दिन बिजनेस क्लास के लिए होंगे और इसके बाद आम जनता के लिए यह मेला खोला जाएगा। इस बार ट्रेड फेयर का आयोजन 73 हजार वर्ग मीटर में किया जा रहा है। जिसमें करीब 2500 प्रतिभागी भाग लेंगे। ट्रेड फेयर में करीब 29 राज्य व सभी 8 केंद्रशासित प्रदेश भाग लेंगे। वहीं इस मेले में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, बहरीन, बेलारूस, ईरान, नेपाल, थाईलैंड, टर्की, यूएई व यूके भाग लेंगे। ट्रेड फेयर में इस वर्ष फोकस स्टेट यूपी व केरल को बनाया गया है। जबकि साथी राज्य इस वर्ष तीन होंगे। जिनमें बिहार, झारखंड व महाराष्ट्र को शामिल किया गया है। इसके अलावा एक थीम पवेलियन भी बनाया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री के सपनों को साकार होते संभावनाओं को दशार्या जाएगा।उल्लेखनीय है कि इस बार ट्रेड फेयर की टिकट के लिए दो मेट्रो स्टेशन की संख्या में इजाफा किया गया है, जिसमें ग्रे लाइन पर ढांसा बस स्टैंड व एयरपोर्ट लाइन पर द्वारका सेक्टर 21 शामिल हैं।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दर्ज हो एफआईआरः भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सोमवार को प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली जल बोर्ड के 20 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह घोटाला 20 करोड़ रुपये का नहीं बल्कि 200 करोड़ रुपये तक का हो सकता है। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली के उपराज्यपाल से मामले को संज्ञान में लेते हुए अरविंद केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड में साल 2015-16 से लेकर आज तक न ही बैलेंस शीट बनाई गई है न ही ऑडिट रिपोर्ट सबमिट की गई है। साथ ही कैग द्वारा 22 पत्र लिखे जाने के बावजूद इस पूरे मामले को लेकर कोई जवाब नहीं दिया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि दिल्ली जल बोर्ड में बड़े स्तर पर घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली जल बोर्ड 57 हजार करोड़ रुपये के घाटे में है, लेकिन जब अरविंद केजरीवाल दिल्ली की सत्ता आए थे उस समय जल बोर्ड 700 करोड़ रुपये के मुनाफे में था। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने अपनी बात रखते हुए आगे कहा कि दिल्ली जल बोर्ड में हुए 20 करोड़ रुपये के घोटाले के सामने आने के बाद इस पर दिल्ली सरकार की चुप्पी दिखाती है कि इस पूरे घोटाले को आम आदमी पार्टी शामिल थी और तो और इसे खुद मुख्यमंत्री का संरक्षण प्राप्त था। इस घोटाले के लिए पूर्ण रूप से मुख्यमंत्री दोषी हैं और उनके खिलाफ इस पूरे घोटाले को लेकर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हैरान करने वाली बात है कि घोटाला पकड़े जाने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा अरविंद केजरीवाल 2019 में निजी कंपनी को दिए जाने वाले कमीशन को भी और बढ़ा दिया। जबकि उन्हें पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करानी चाहिए थी।

डीसीडब्ल्यू ने महरौली में लड़की की निर्मम हत्या पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के महरौली इलाके में एक लड़की की निर्मम हत्या की रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। बताया गया है कि युवती अपने पुरुष साथी के साथ एक फ्लैट में रह रही थी। करीब छह महीने पहले लड़के ने कथित तौर पर लड़की की हत्या कर दी और उसके शरीर को 35 से अधिक टुकड़ों में काट दिया। फिर उसने उसे फ्रिज में रख दिया और टुकड़ों को एक-एक करके दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में फेंक दिया। डीसीडब्ल्यू को बताया गया है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपित को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले दर्ज एफआईआर की कॉपी के साथ मुख्य आरोपित के साथ किसी अन्य व्यक्ति के शामिल होने के बारे में भी जानकारी मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने लड़की द्वारा अभियुक्त के खिलाफ दर्ज किसी उत्पीड़न/घरेलू हिंसा/यौन शोषण/आरोपित व्यक्ति द्वारा उसके खिलाफ किए जा रहे किसी अन्य अपराध के संबंध में दर्ज किसी भी शिकायत और उस पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी है। इसके अलावा, आयोग ने लड़की की गुमशुदगी की कोई भी शिकायत और दिल्ली पुलिस द्वारा उस पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस को 18.11.2022 तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट देने को कहा गया है। मालीवाल ने कहा, लड़के ने लड़की की हत्या कर उसके 35 टुकड़े कर दिए। यह सबसे भयानक और क्रूर अपराधों में से एक है। पुलिस को मामले की गहनता से जांच करनी चाहिए। आरोपित को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। मुझे यह जानकर हैरानी हुई कि लड़की 6 महीने से गायब थी और एक भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। 6 महीने तक आरोपित व्यक्ति साक्ष्य मिटाने और सामान्य जीवन जीने में कामयाब रहा। डीसीडब्ल्यू द्वारा भेजे नोटिस में हमने पुलिस से जानकारी मांगी है कि क्या पहले कोई गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी या क्या लड़की ने खुद पहले आरोपित के खिलाफ कोई घरेलू हिंसा / यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज की थी। मैं समझना चाहती हूं कि क्या लड़की को बचाने के लिए कोई कदम उठाया जा सकता था।"

रोहिणी वॉर्ड से भाजपा नेता पंकज गुप्ता और सोनिया बंसल 'आप पार्टी' में शामिल

नई दिल्ली (हि.स.)। रोहिणी वॉर्ड एस3(ई) से भाजपा के पूर्व वॉर्ड अध्यक्ष पंकज गुप्ता और पूर्व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष सोनिया बंसल समेत कई भाजपा कार्यकताओं ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। ह्यआपह्ल विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने टोपी-पटका पहनाकर सभी का पार्टी में स्वागत किया। पाठक ने कहा कि 2015 और 2020 में जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की लहर थी, उस वक्त हम रोहिणी नहीं जीत पाए थे। इसका कारण यह था कि कुछ हमारे साथी जो आज इस प्रेसवार्ता में मौजूद हैं, उन्होंने वहां इतना काम किया, इतनी मेहनत की है कि कहीं ना कहीं यह लोग उन वॉर्ड में हमें जीतने नहीं देते थे। मुझे बहुत खुशी है कि रोहिणी भाजपा की पूरी टीम आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो रही है। उन्होंने पूछा कि आप लोगों ने आम आदमी पार्टी में शामिल होने का कैसे निर्णय लिया? उन्होंने जवाब दिया है कि हम पिछले 15 सालों से भाजपा के लिए जीतोड़ काम कर रहे हैं लेकिन जब भी किसी पार्षद को जिताते हैं और पार्षद को फोन कर कहते हैं कि एक गली साफ करवा दो तो वह मना कर देते हैं। उनका कहना है कि जनता से वोट मांगने हम जाते हैं इसलिए जनता हमें गालियां देती है क्योंकि उनके घर मोहल्ले की गलियां साफ नहीं होती हैं। ऐसे में रोहिणी वॉर्ड एस3(ई) से पूर्व भाजपा वॉर्ड अध्यक्ष पंकज गुप्ता और पूर्व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष सोनिया बंसल आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो रही हैं।

दक्षिण भारत के राज्यों में हो रही जमकर बारिश

नई दिल्ली (ईएमएस)। आजकल दक्षिण भारत के राज्यों में जमकर बारिश हो रही है तो वहीं उत्तर भारत में मौसम पूरी तरह शुष्क हो चुका है। इन दिनों मौसम में खास बदलाव देखने को मिल रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू हो गई है। पूवार्नुमान के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ सकती है। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में सुबह के समय प्रदूषण और कोहरा देखा जा रहा है। आइये जानते हैं देशभर के मौसम का हाल। स्काईमेट वेदर के मुताबिक तमिलनाडु केरल तथा दक्षिणी आंध्र प्रदेश में मूसलाधार बारिश जारी रहेगी।

मैथिली को रोजी-रोटी की भाषा बनाने के लिए करेंगे हरसंभव प्रयासः संजय मयूख

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित मिथिला महोत्सव- 6 और मैथिली लिटरेचर फेस्टिवल -3 में विभिन्न दलों के नेताओं ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मैथिली को रोजी-रोटी की भाषा बनाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और बिहार विधान परिषद सदस्य संजय मयूख तथा दिल्ली विधानसभा के विधायक संजीव झा के साथ ही कांग्रेस के सचिव प्रणव झा ने कहा कि मैथिली भारत की पुरातन भाषाओं में शामिल है । यह संविधान की आठवीं अनुसूची में भी शामिल है ।इसे रोजी रोटी की भाषा बनाने के लिए वह अपना समस्त योगदान देंगे। संजय मयूख ने कहा कि वह इस मामले को लेकर बिहार विधान परिषद में अपनी बात रखेंगे। वहां पर भी इस तरह का आयोजन वृहद स्तर पर हो। इसके लिए वह प्रयास करेंगे। विधायक संजीव झा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के प्राथमिक विद्यालय से लेकर दिल्ली सरकार के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में मैथिली भाषा की पढ़ाई एक विषय के रूप में हो। इसके लिए वह अपनी ओर से सभी प्रयास करेंगे ।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के प्रांगण में आयोजित मिथिला महोत्सव-6 और मैथिली लिटरेचर फेस्टिवल - 3 के आयोजन की शुरूआत मैथिली लिटरेचर फेस्टिवल 3 से हुई. इसमें दो सत्रों में दो विषयों ' हवाई जहाज के दरभंगा पहुंचने से मिथिला के विकास में कितने पंख लगे' और ' प्रवासी मैथिल राजनीतिक रूप से समृद्ध क्यों नहीं ' पर चर्चा हुई । इसमें वरिष्ठ पत्रकार मदन झा, प्रतिभा ज्योति, विनीता ठाकुर, आलोक कुमार, हेमेंद्र मिश्र , नरेंद्र नाथ, उदय मिश्र, गीताश्री, बीएन झा, विनोद मिश्र और उमाशंकर सिंह ने अपने विचार रखे । उमाशंकर सिंह ने कहा कि मैथिली एक भाषा नहीं विचार है। वहीं, गीताश्री ने कहा कि मैथिली को जाति- भाषा- वर्ग में बांटने की जगह एक समग्रता के रूप में अपनाने की जरूरत है। नरेंद्र नाथ ने कहा कि इन दिनों परिवर्तन को ऐसे युवा लाने का कार्य कर रहे हैं. जिनकी चर्चा कभी नहीं होती थी. सोशल मीडिया के इस दौर में अपनी बात रखना ज्यादा सुलभ है. ऐसे में हमें अपने कार्यों आंदोलन और परिवर्तन के लिए तकनीक को भी अपनाने की जरूरत है। वही, प्रतिभा ज्योति विनीता ठाकुर और मदन झा ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट के शुरू होने से मिथिला और समस्त उत्तर बिहार का विकास हो रहा है। लेकिन टिकट के दाम में कमी और अन्य सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत है। कार्यक्रम का आयोजन मैथिल पत्रकार ग्रुप ने प्रेस एसोसिएशन, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया और ओखला प्रेस क्लब के सहयोग से किया । कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार और एनडीटीवी के मैनेजिंग एडिटर मनोरंजन भारती, पीटीआई के नेशनल एडिटर वरुण झा, ओखला प्रेस क्लब के चेयरमैन और वरिष्ठ पत्रकार मुन्ने भारती, हिंदू के पूर्व ब्यूरो चीफ और प्रेस क्लब के महासचिव विनय कुमार, द एशियन एज के ब्यूरो चीफ संजय बसाक, वरिष्ठ पत्रकार नीरज ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार शिशिर सोनी सहित कई वरिष्ठ पत्रकारों को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया । एनडीटीवी के मैनेजिंग एडिटर और वरिष्ठ पत्रकार मनोरंजन भारती ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत से आने वाली पीढ़ी को परिचित कराने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन होता रहना चाहिए। प्रेस क्लब के महासचिव विनय कुमार ने कहा कि प्रेस क्लब ऑफ इंडिया इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन में अपना सहयोग देता रहेगा। इस अवसर पर मैथिल पत्रकार ग्रुप के अध्यक्ष संतोष ठाकुर ने मैथिल पत्रकार ग्रुप के कार्यों की जानकारी देते हुए इसकी स्थापना से जुड़े संदर्भ को लेकर भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि मैथिल पत्रकार ग्रुप अगले वर्ष सभी समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ मिलकर विश्व मैथिली सम्मेलन आयोजित करने को लेकर भी कार्य करना चाहता है। उन्होंने कहा कि मिथिलांचल के लोग पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के प्रति ऋणी हैं,क्योंकि उन्होंने मैथिली भाषा को संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल किया था।

भारत की तर्ज पर रूस से तेल खरीदने के लिए वित्त मंत्री के बयान को प्रमुखता

नई दिल्ली, (हि.स.)। पाकिस्तान से सोमवार को प्रकाशित अधिकांश समाचार पत्रों ने वित्त मंत्री इसहाक डार के उस बयान को प्रमुखता से प्रकाशित किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि हमें रूसी तेल खरीदने से नहीं रोका जा सकता है। यह बात हमने अमेरिका से कह दी है। भारत के साथ जिन शर्तों पर रूस तेल दे रहा है, उन्हीं शर्तों पर पाकिस्तान को भी तेल दिए जाने की बात की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आर्थिक सुधार कर रहे हैं। आईएमएफ प्रोग्राम पूरा करेंगे। पेट्रोल की कीमतें कंट्रोल में हैं। जनता को राहत देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉलर को आजाद छोड़कर अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क किया गया है। अखबारों ने खबर दी है कि सऊदी अरब के क्रॉउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पाकिस्तान की अपनी संभावित यात्रा यात्रा को रद्द कर दिया है। पीटीआई के लांग मार्च के कारण उन्होंने अपनी यात्रा को रद्द करने का फैसला लिया है। अखबारों ने बताया है कि सत्ताधारी दलों के जरिए इमरान खान पर दौरा रद्द होने का आरोप मढ़ा जा रहा हैं। पीटीआई नेता शीरीन मजारी का कहना है कि क्रॉउन प्रिंस का दौरा लांग मार्च की वजह से रद्द नहीं किया गया है बल्कि देश के अंदरूनी हालात की वजह से रद्द किया गया है। अखबारों ने पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी का भी एक बयान छापा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि सऊदी प्रिंस का दौरा रद्द होना देश के लिए अच्छा नहीं है। अखबारों ने इस्तांबुल में आत्मघाती बम धमाका होने की खबरें देते हुए बताया है कि इसमें 6 लोग मारे गए हैं और 53 लोग जख्मी हुए हैं। अखबारों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के चमन बॉर्डर पर अफगानिस्तान की तरफ से फायरिंग किए जाने से एक सैन्य कर्मी के मारे जाने और दो के जख्मी होने की खबरें भी दी हैं। अखबारों ने बताया है कि फायरिंग की वजह से बाब-ए-दोस्ती के पास आम नागरिकों में भगदड़ मच गई और दोनों तरफ के ट्रक फंस गए हैं। फिलहाल बाब-ए-दोस्ती बंद कर दिया गया है।

मत करें चिंता, हल होंगी सबकी समस्याएं : मुख्यमंत्री योगी

- जनता दर्शन में मुख्यमंत्री का फरियादियों को भरोसा
- चार सौ लोगों की समस्या सुनीं, अधिकारियों को निर्देश

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए फरियादियों को आश्वस्त किया कि किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। सबकी पीड़ा का निवारण होगा। यह सरकार की प्राथमिकता है। हर मामले में प्रभावी कार्रवाई होगी। जरूरत के मुताबिक मुकम्मल इलाज की व्यवस्था होगी। इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आएगी। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण न्याय परक कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार सुबह गोरखनाथ के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के सामने कुर्सियों पर बैठे फरियादियों से मिले और उनकी पीड़ा को सुना। बड़े इत्मीनान से एक-एक कर उन्होंने सभी लोगों की समस्याएं सुनीं, उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया। लोगों को परेशान न होने और समस्या समाधान के त्वरित व प्रभावी कार्रवाई के प्रति आश्वस्त किया। इस दौरान इलाज के लिए मदद की गुहार करने आई एक महिला से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। इलाज के लिए इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन में भेजने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस महिला समेत सभी जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बनवाने की नसीहत भी दी। पुलिस व राजस्व से संबंधित मामलों में समाधान जल्दी करने को कदम उठाने के प्रति आगाह किया। फरियादी को दोबारा परेशान न होने की हिदायत भी दी। इस दौरान महिला फरियादियों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार कर आशीर्वाद दिया। बच्चों को चॉकलेट देने के साथ ही उनकी माताओं को समझाया कि बच्चों को स्कूल जरूर भेजें। सरकार ने बच्चों की पढ़ाई से लेकर उनके बैग, कॉपी-किताब, यूनिफॉर्म, जूता-मोजा आदि की निःशुल्क व्यवस्था कर रखी है।

मोदी सरकार में ऊंचाई पर जा रहा है भारत, यह सपना भी किसी ने नहीं देखा था : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला भारत, पूरी दुनिया को अमन चैन का रास्ता दिखाने वाला भारत बन गया है। नरेन्द्र मोदी कीर्तिमान स्थापित करने वाले प्रधानमंत्री हैं। सोमवार को बरौनी रिफाइनरी गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि भारत सरकार हर सूचीबद्ध लोगों को घर देने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार के विकास में भारत सरकार निरंतर सहयोग कर रही है, केंद्र ने कभी कोई कटौती नहीं किया है। बिहार और बेगूसराय के हर सड़क का पक्कीकरण और सबको आवास देने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। बेगूसराय में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक लाख 53 हजार आवास बनाने का लक्ष्य दिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि सूची वाले जो लोग भी बच गए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत आवास दिलाएं। बिहार के विभागीय सचिव को निर्देश दिया गया है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के मापदंड के तहत आने वाले सभी सड़कों का निर्माण हो। 2014 से 2023 तक 23 हजार करोड़ दिए गए हैं, आगे जो भी सड़क पीएमजीएसवाई के मापदंड के तहत आएगा उसे बनाया जाएगा।

मनरेगा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायत मिल रही है। ग्रामीण विकास विभाग सभी मामले का जांच कराएगा, जो दोषी हैं उन्हें किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर जिला प्रशासन, पंचायत और रोजगार सेवक पर ही कार्यवाही नहीं करे, बल्कि जिला से निचले स्तर तक की जांच हो, लोकपाल द्वारा उठा गए मामले पर संज्ञान ले, जॉब कार्ड को सार्वजनिक किया जाए। मनरेगा में हो रही गड़बड़ी पर रोक लगाने के लिए पांच सितम्बर को आदेश दिया गया था कि सभी पंचायत में एक व्हाट्सएप ग्रुप बने। जिसमें पंचायत के विनर और रनर दोनों प्रतिनिधि हों, एमएलए, एमपी, एमएलसी, जिला पार्षद सहित 40 लोग रहें उस ग्रुप में। जॉब कार्ड होल्डर और काम का उल्लेख रहे, ताकि लोग देखकर लोकपाल से शिकायत करें, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा रहा है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के इंडस्ट्रियल हब बेगूसराय को 50 हजार करोड़ से अधिक दिया, निवेश कराया। बेगूसराय पुनर्जीवित हो रहा है, आईओसीएल, एनटीपीसी, हर्ल, एनएचएआई लगातार विकास कर रही है। लेकिन बिहार में बढ़ रहे अपराध से निवेश रुक जाएगा, औद्योगिक हब नहीं बनेगा। नए गठबंधन की सरकार बनने के बाद से बिहार में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति काफी खराब है। बेगूसराय का तो हाल यह है की हर दिन कोई ना कोई घटना होते रहता है। जनता असुरक्षित है, यही हाल रहा तो कहा जाएगा कि नीतीश सरकार का जंगल राज आ गया है। गिरिराज सिंह ने कहा की बेगूसराय खाद कारखाना, रिफाइनरी और एनटीपीसी पारदर्शी तरीके से स्थानीय लोगों को काम दे। वह बताए की कितने बाहरी को काम पर रखा गया है।

गाजीपुर सिटी- माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस में लगेंगे अतिरिक्त कोच

लखनऊ, (हि.स.)। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की भीड़ को देखते हुए लखनऊ होकर अप-डाउन में चलने वाली 14611/14612 गाजीपुर सिटी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस में 17 से 25 नवम्बर तक और 14310/14309 देहरादून-उज्जैन-देहरादून एक्सप्रेस में 15 से 01 दिसम्बर के बीच अतिरिक्त कोच लगाएगा। इससे यात्रियों को वेटिंग से राहत मिलेगी। रेलवे प्रशासन के मुताबिक, यात्रियों की भीड़ को देखते हुए लखनऊ होकर चलने वाली 14612 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस में 17 से 24 नवम्बर तक और 14611 गाजीपुर सिटी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस में 18 से 25 नवम्बर तक दो अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे। लखनऊ होकर अप-डाउन में चलने वाली वाराणसी-जम्मूतवी-वाराणसी एक्सप्रेस (12237-38) में एक-एक अतिरिक्त एसी और स्लीपर कोच 01 दिसम्बर तक लगाए जाएंगे। इसी तरह से लखनऊ होकर अप-डाउन में चलने वाली गाजीपुर सिटी-आनंद विहार-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस (22419-20) में अब 30 नवम्बर तक एक-एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे। 14310 देहरादून-उज्जैन एक्सप्रेस में 15 से 30 नवम्बर तक और 14309 उज्जैन-देहरादून एक्सप्रेस में 16 नवम्बर से 01 दिसम्बर तक एक-एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे। 14318 देहरादून-इंदौर एक्सप्रेस में 26 नवम्बर तक और 14317 इंदौर-देहरादून एक्सप्रेस में 27 नवम्बर तक एक-एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे। इससे यात्रियों को वेटिंग से राहत मिलेगी।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने झारखंड साहिबगंज के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पहुंचे भागलपुर

भागलपुर, (हि.स.)। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए झारखंड कज साहिबगंज जिले से पैदल यात्रा कर सोमवार को साहिबगंज जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनुकूल चंद्र मिश्रा भागलपुर पहुंचे। वो पैदल यात्रा कार्यक्रम के संयोजक भी हैं। इस दौरान उन्होंने बताया की हम लोग साहिबगंज से पैदल यात्रा पर निकले हैं। हमलोग यूपी के बुलंदशहर तक जाएंगे। इस पैदल यात्रा का मुख्य उद्देश्य राहुल गांधी के कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3570 किलोमीटर के पैदल यात्रा में जुड़ सकें। मुख्य रूप से कह सकते हैं राहुल गांधी को समर्थन देने के लिए हम लोग यहां से पैदल मार्च कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने सही कदम उठाया है। उन्हीं से प्रेरित होकर हम कांग्रेस के दर्जनों लोग इस भारत जोड़ो पैदल यात्रा में शामिल होने के लिए निकल पड़े हैं।

पटना में लगा बिहार का सबसे बड़ा एचएलए मैच कैम्प

पटना, (हि.स.)। मां वैष्णो देवी सेवा समिति एवं मां ब्लड सेंटर पटना के तत्वावधान में सोमवार को पटना के महाराणा प्रताप भवन में एचएलए मैच कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में पूरे बिहार से लगभग 680 बच्चों की जांच की जा रही है। जिन बच्चों का मैच पूरी तरह हो जाएगा उनका बोनमेरो ट्रांसप्लांट होना संभव हो सकेगा। कैम्प में बिहार सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट मुम्बई के डॉक्टर्स, पंकज उदास की संस्था पेरेंट्स एसोसिएशन थेलेसेमिक यूनिट ट्रस्ट मुम्बई के प्रतिनिधि, बेंगलुरू की डीकेएमएसबी एमएसटी टीम की प्रतिनिधि पद्मश्री विमल जैन साथ दे रही हैं। जयमंगला वाहिनी परिवार के रक्तवीर सुमित ने बताया कि पूरे भारत में ये पहला ऐसा गैर सरकारी आयोजन हुआ है। 300 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ था और 680 बच्चों का एचएलए मैच पूरा हुआ। 4 थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों का केक काट कर जन्मदिन भी मनाया गया। कैम्प में बच्चों के लिए खेलने का सामान, गर्म केसरिया दूध, मैजिक शो, हवा मिठाई, गोलगप्पे, पॉपकॉर्न, इडली, चाय, कॉफी और खाने की पूरी व्यवस्था की गई है।

डीसी ने अस्पताल और आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

रामगढ़, (हि.स.)। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने रविवार देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातू का औचक निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने चिकित्सक व जीएनएम, एएनएम रोस्टर, आकस्मिक सेवा, उपलब्ध दवाइयों, प्रसव कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, कोल्ड चेन आदि का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित चिकित्सकों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों से केंद्र के माध्यम से आम जनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। वहीं उन्होंने एंबुलेंस एवं ममता वाहन के चालकों के फोन नंबर से संबंधित जानकारी केंद्र के विभिन्न स्थानों व सूचना पट पर लगाने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत आए आवेदनों की जानकारी लेते हुए केंद्र पर आने वाली महिलाओं को सरकार की योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित करने का निर्देश दिया। केंद्र के फायर सेफ्टी सिस्टम का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने नियमित रूप से सेफ्टी सिस्टम की जांच करने एवं आवश्यकता अनुसार उन्हें चेंज व रिफिल करने का निर्देश दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उपरांत उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पतरातू का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने वार्डन से विद्यालय में उपलब्ध सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। विद्यालय में पढ़ रही बच्चियों से बात करते हुए उपायुक्त ने सभी से विद्यालय के माध्यम से उन्हें मिल रही सुविधाओं की भी जानकारी ली।

झारखंड स्थापना दिवस पर रांची डीआईजी सहित 36 पुलिसकर्मियों को मिलेगा पदक

रांची, (हि.स.)। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को राज्य के पुलिस अफसरों और कर्मियों को वीरता के लिए मुख्यमंत्री पदक, विशिष्ट सेवा के लिए राज्यपाल पदक और सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय की स्क्रीनिंग कमेटी ने राज्य सरकार से इसके लिए 36 नामों के प्रस्ताव की अनुशंसा की है। इनमें सीआईडी के आईजी असीम विक्रांत मिंज, रांची के डीआईजी अनीश गुप्ता, डीआईजी नरेंद्र कुमार सिंह, कमांडेंट इन्द्रजीत महथा, एसपी सुरेन्द्र कुमार झा, एसपी नौशाद आलम अंसारी, डीएसपी राजकुमार मेहता, डीएसपी दीपक कुमार शर्मा, डीएसपी मुकेश कुमार, डीएसपी दीपक कुमार पांडेय, अवर निरीक्षक मो अरशद खां, एसआई सुदामा सिंह, एसआई सुखराम उरांव, एसआई मुकुन्द बानरा, एसआई अन्सलेम फ्रॉसिस सोय, एसआई बिहारी उरांव, एसआई बिहारी मरांडी, एसआई ईश्वरी सिंह, एएसआई सुबोध कुमार, एएसआई विनय कुमार पांडेय, एएसआई बंदना उरांव, एएसआई राम प्रवेश कुमार, हवलदार इसहाक डोडराय, हवलदार प्रशान्त कुमार महतो, रामाशंकर कुमार, अमित गुरुंग, एमानुएल टुडू, हवलदार जारका कोरवा, हवलदार धर्मेन्द्र कुमार, दुर्गा उरांव और कुंवर मुण्डा, अजय कुमार सिंह, हवलदार भूषण शर्मा, हवलदार अंजुला कुजूर, अनुपा कुमारी, सूर्य बहादूर धर्ती के नाम शामिल हैं।

साइबर ठगों पर एक्शन ले भाजपा सरकार : सपा

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराध को लेकर योगी सरकार को घेरा है। पार्टी के आधिकारिक ट्वीटर से पोस्ट कर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में साइबर ठगों द्वारा लोगों के साथ होने वाली घटनाओं को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। साथ ही संरक्षित अपराधियों को लेकर भी तंज कसा है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने ट्वीट के साथ एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर को पोस्ट करते हुए कहा कि साइबर ठगों के आगे प्रदेश की सरकार लाचार है। राजधानी लखनऊ में हर माह सैकड़ों लोग साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं और हुक्मरान हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। सपा ने भाजपा सरकार से साइबर ठगों पर कार्रवाई की बात को तंज भरे अंदाज में कहा है कि ह्यइनके खिलाफ सख्त एक्शन कब लेगी सरकार? सपा ने अपने दूसरे ट्वीट में प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ते अपराधों की घटनाओं का हवाला दिया है। कहा है कि प्रदेश में संरक्षित अपराधियों से बहन, बेटियां और महिलाएं क्षत-विक्षत हो रही हैं! इसमें प्रदेश के कई जनपदों में महिलाओं के साथ लूट, हत्या, दुष्कर्म व छेड़छाड़ की घटनाओं से जुड़े समाचारों में प्रकाशित खबरों को पोस्ट के साथ दर्शाया गया है।

मायावती ने रायबरेली की घटना को लेकर सरकार को घेरा

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रायबरेली जिले में दलित समाज के लोगों को बेरहमी से पीटने के मामले में सरकार को घेरा है। मायावती ने अपने अधिकारिक ट्वीटर से ट्वीट करते हुए कहा कि, यूपी के रायबरेली में दबंगों ने कई दलितों को मार-मार कर अधमरा कर दिया। इसी प्रकार प्रदेश में आए दिन दलितों पर अत्याचार व हत्या आदि की घटनाएं आम हो गई हैं, जो अति-दुःखद, शर्मनाक व निन्दनीय हैं। सरकार इनके मामले में पूरी तत्परता व गंभीरता दिखाए तथा सख्त कदम उठाए, इसकी बसपा सरकार मांग करती है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आज बिहार में करेंगे कई परियोजना का शिलान्यास

पटना, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आज बिहार आ रहे हैं। वह यहां 210 करोड़ की लागत से बनने वाले परियोजना का शिलान्यास करेंगे। नितिन गडकरी आज कोईलवर से भोजपुर के बीच बनी फोर लेन रोड और भोजपुर से बक्सर के बीच बनी फोर लेन रोड का भी लोकार्पण करेंगे। इस सड़क के निर्माण के बाद पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से बिहार के बीच संपर्क होगा। साथ ही लखनऊ के रास्ते दिल्ली पहुंचने का समय भी घट जाएगा। लोग केवल 10 घंटे में ही दिल्ली पहुंच सकेंगे। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी अवधेश कुमार सिंह के अनुसार सोन पर पंडुका के पास पुल बनाने की तैयारी है, जिसका निर्माण 210 करोड़ की लागत से होगा। इसके बनने से पंडुका से झारखंड के गढ़वा जाने की दूरी 63 किमी हो जाएगी जो पहले 200 किलोमीटर थी। सासाराम, डेहरी ऑन सोन और औरंगाबाद के लोग जाम की परेशानी से राहत की सांस लेंगे। इससे बिहार और झारखंड के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लोगों को भी आराम होगा।

बाल दिवस पर बाल कलाकारों का "जागो" देखकर जागरूक हुए बच्चे

बेगूसराय, (हि.स.)। बाल दिवस के अवसर पर सोमवार को बीहट नगर परिषद के मध्य विद्यालय राजवाड़ा एवं बीएसएस उच्च विद्यालय राजवाड़ा के परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। बाल रंगमंच आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी के द्वारा नाटक "जागो" का प्रदर्शन बाल रंगमंच के कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा इसने उपस्थित छात्र-छात्रा ही नहीं, बल्कि शिक्षकों को भी प्रेरित कर दिया। नाटक का लेखन, परिकल्पना एवं निर्देशन युवा रंगकर्मी ऋषिकेश कुमार ने किया। नाटक को देख बच्चों ने खूब मनोरंजन किया तो कलाकारों ने हंसाते-गुदगुदाते हुए बच्चों को स्वच्छता के फायदे भी बताए। रंगकर्मी ऋषिकेश कुमार ने बाल कलाकारों के साथ अभिनय से बच्चों को मनमोहित कर दिया। नाटक के माध्यम से स्वच्छता के प्रति बच्चों को जागरूक किया गया। बताया गया कि हमें अपने आस-पास कूड़े-कचड़े को नहीं फेंकना चाहिए। उसे कूड़ेदान में ही डालें, जिससे हम और आप स्वस्थ रह सकें, इससे कई बीमारियों से भी बच सकेंगे। डेंगू से बचाव के लिए कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से समझाया कि कभी भी एक जगह पानी को जमने नहीं देना है, तभी हम डेंगू से सुरक्षित रहेंगे। इसके साथ ही गंगा को स्वच्छ और सुंदर रखने के लिए किसी भी सामान को गंगा में नहीं प्रवाहित करे। गंगा में नहाते समय शैंपू और साबुन का उपयोग नहीं करें। बाल रंगमंच के निदेशक ऋषिकेश कुमार, कलाकार पूर्णिमा कुमारी, आंचल कुमारी, कुणाल कुमार, ऋषि कुमार, आकाश कुमार, विशाल कुमार, रोहित कुमार, राजेश कुमार, ऋषि कुमार एवं प्रीति कुमारी ने अपने अभिनय से बच्चों को मनोरंजन के साथ स्वछता के फायदे भी बताए।

हिंदूवादी नेता कमल देवगिरी की हत्या के विरोध में दूसरे दिन भी चाईबासा बंद

पश्चिमी सिंहभूम, (हि.स.)। चक्रधरपुर के युवाओं में लोकप्रिय एवं गिरिराज सेना के संरक्षक हिंदूवादी युवा नेता कमल देव गिरि की हत्या के विरोध में हिंदूवादी संगठनों ने सोमवार को भी पश्चिम सिंहभूम जिला बंद का आह्वान किया है। सोमवार की सुबह विभिन्न संगठनों के लोगों ने चाईबासा बस स्टैंड पर टायर जलाकर बंद का समर्थन किया। पश्चिमी सिंहभूम जिला बंद का असर पोड़ाहाट अनुमंडल में देखने को मिला। सोनुआ गोइलकेरा, मनोहरपुर, बंदगांव कराईकेला में दुकान, बाजार और यातायात आदि बंद रहे। यही स्थिति पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा, जगन्नाथपुर मझगांव, हाट गम्हरिया में देखने को मिली। प्रदर्शन करने वाले की मांग है कि अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। हत्या के विरोध में रविवार को भी चक्रधरपुर बाजार को दुकानदारों ने स्वेच्छा से बंद रखा था। कमलदेव गिरि की हत्या के विरोध में सोमवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला बंद का असर चक्रधरपुर में देखने को मिला। स्वेच्छा से लोग दूसरे दिन भी दुकानें बंद रखें। सड़क यातायात भी पूरी तरह बंद रहा। हालांकि बंद कराने अब तक सड़क पर कोई नहीं निकला था लेकिन हत्या का विरोध में दूसरे दिन भी बंद पूरी तरह सफल रहा। बंद का असर आयरन ओर की ढुलाई पर भी देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि शनिवार को किसी व्यक्ति ने कमलदेव गिरि को स्टेशन बुलाया था।

संपादकीय

गरीबी से लड़ाई कामयाब

संयुक्त राष्ट्र की ओर से आई एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2005-06 से लेकर 2019-21 तक की 15 वर्षों की अवधि में 41.5 करोड़ लोगों को गरीबी से उबार लिया गया है। किसी भी पैमाने पर यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जैसा कि सोमवार को जारी इस मल्टी डाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (एमपीआई) रिपोर्ट में भी कहा गया है कि इस उपलब्धि का वैश्विक स्तर पर तत्काल यह फायदा हुआ है कि इसने सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सार्थकता बढ़ा दी है। हाल के वर्षों में कोरोना, युद्ध, जलवायु परिवर्तन जैसे तमाम कारकों से उपजे हालात को देखते हुए इन लक्ष्यों को हासिल करना नामुमकिन नहीं तो बेहद मुश्किल जरूर लगने लगा था। ऐसे में इस उपलब्धि ने अचानक जैसे सबके मन में आशा का संचार कर दिया है। अब कहा जा रहा है कि ज्यादा नहीं तो गरीबी में रह रहे लोगों की संख्या 2030 तक आधा करने का लक्ष्य तो हासिल किया ही जा सकता है। भारत इस लिहाज से पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी था। लेकिन वैश्विक संदेश से अलग राष्ट्रीय स्तर पर भी इस रिपोर्ट से उजागर हुए तथ्य बेहद महत्वपूर्ण हैं और इनमें आगे के लिए कई उपयोगी सबक निहित हैं। हालांकि इस तरह की स्टडी राजनीतिक नजरिए से नहीं की जाती और यही इसकी खासियत भी है, लेकिन फिर भी मौजूदा संदर्भ में यह देखना उपयोगी हो सकता है कि करीब डेढ़ दशकों की इस अवधि में यूपीए और एनडीए दोनों की सरकारें रही हैं। आपसी विवादों और कार्यशैली के अंतर के बावजूद दोनों ही सरकारों के कार्यकाल में गरीबी उन्मूलन के प्रयास अलग-अलग स्तरों पर जारी रहे और उनके प्रभाव भी नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक 2005-06 से 2015-16 के बीच करीब 27.5 करोड़ लोग गरीबी से निकले तो 2015-16 से 2019-21 की महामारी पूर्व की अवधि में 14 करोड़ लोग इससे बाहर आए। सबसे चमत्कारिक स्थिति तो बिहार जैसे गरीब माने जाने वाले राज्य की है। वहां 2005-06 में गरीबी का जो प्रतिशत 77.4 था वह 2015-16 में घटकर 52.4 फीसदी पर आया और 2019-21 में 34.7 फीसदी पर आ गया। खास बात यह कि इस स्टडी में दुनिया भर में गरीबी को अभावों के संदर्भ में समझने की कोशिश हुई और पाया गया कि ज्यादातर मामलों में चार कमियां सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। वे हैं - भोजन, रसोई ईंधन, शौचालय और आवास। इस लिहाज से सरकार की बहुचर्चित योजनाओं पर एक नजर डालने से भी स्पष्ट हो जाता है कि हमारी नीतियों की दिशा सही है। लेकिन फिर भी आगे की चुनौतियां आसान नहीं हैं। करीब 23 करोड़ लोग अभी भी गरीबी में पड़े हैं। ऐसे बच्चों की संख्या 9.7 करोड़ है, जो इस स्टडी में शामिल 111 देशों में से किसी भी दूसरे देश की कुल गरीब आबादी से भी ज्यादा है।

भारत इस लिहाज से पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी था। लेकिन वैश्विक संदेश से अलग राष्ट्रीय स्तर पर भी इस रिपोर्ट से उजागर हुए तथ्य बेहद महत्वपूर्ण हैं और इनमें आगे के लिए कई उपयोगी सबक निहित हैं। हालांकि इस तरह की स्टडी राजनीतिक नजरिए से नहीं की जाती और यही इसकी खासियत भी है, लेकिन फिर भी मौजूदा संदर्भ में यह देखना उपयोगी हो सकता है कि करीब डेढ़ दशकों की इस अवधि में यूपीए और एनडीए दोनों की सरकारें रही हैं।

राज्य सरकारें समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में कदम उठा रही

समान नागरिक संहिता टुकड़ों में क्यों देना चाहती है भाजपा, राज्यों की तरह केंद्र क्यों नहीं उठाता कदम?

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के दोबारा सत्ता में आने के बाद प्रदेश में समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढ़ाये जा रहे हैं। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कहते हैं कि देश को अब इसकी जरूरत है। पूरे देश में एक कानून लागू किया जाए। उनका कहना है कि पहले की सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस पर ध्यान नहीं दिया। समान नागरिक संहिता कानून बनाने के मामले में उत्तराखंड सरकार की तेजी भी देखने लायक है। वह कहती कुछ है और करती कुछ है।

देश जब समान रूप से प्रगति और विचारों के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है तो इसका असर समान रूप से समाज पर भी दिखना चाहिए। सबको एक जैसे अधिकार मिलें तो उनकी जिम्मेदारी भी एक जैसी हो। सरकार का यह कर्तव्य है कि वह देश के सभी नागरिकों को एक ही 'चश्मे' से देखे। इसके लिए जरूरी है कि सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून बने, इसके लिए समान नागरिक संहिता से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी जिसकी केन्द्र से लेकर कई राज्यों में सरकारें हैं, वह स्वयं और उसके मेंटर समझा जाने वाला राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यानि आरएसएस भी समान नागरिक संहिता की वकालत लम्बे समय से करता चला आ रहा है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि बीजेपी की राज्य सरकारें तो समान नागरिक संहिता के मामले में आगे आ रही हैं, लेकिन केन्द्र की मोदी सरकार इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है। इसको लेकर सर्वोच्च अदालत भी खुश नहीं है। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के लिए जारी घोषणा पत्र में फिर से सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया है। कुछ इसी तरह की पहल चुनाव का सामना करने जा रही गुजरात सरकार ने भी की है। उसने एक समिति गठित कर राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भी समान नागरिक संहिता के पक्ष में खड़ी है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी के दोबारा सत्ता में आने के बाद प्रदेश में समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढ़ाये जा रहे हैं। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कहते हैं कि देश को अब इसकी जरूरत है। पूरे देश में एक कानून लागू किया जाए। उनका कहना है कि पहले की सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस पर ध्यान नहीं दिया। समान नागरिक संहिता कानून बनाने के मामले में उत्तराखंड सरकार की तेजी भी देखने लायक है। वह कहती कुछ है और करती कुछ है। कायदे से अब उत्तराखंड सरकार को इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। उसे कम से कम इतना तो करना ही चाहिए था कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता का कोई प्रारूप सामने लाए, जिससे उस पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया तेज हो सके। बहरहाल, कुछ लोगों को लगता है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करना जरूरी हो तो इसके लिए केन्द्र को आगे आकर कानून बनाना चाहिए। क्योंकि समान नागरिक संहिता तो सारे देश में लागू करने की आवश्यकता है। यह आवश्यकता इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि विवाह, संबंध विच्छेद, उत्तराधिकार आदि के मामले में एक देश-विभिन्न विधान वाली स्थिति है। इस विसंगति का निवारण तभी हो सकता है, जब पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू हो, लेकिन यह इतना आसान नहीं लग रहा है। सब जानते हैं कि बीजेपी की राज्य सरकारों को छोड़कर अन्य राज्यों की गैर बीजेपी सरकारें राजनैतिक फायदे के लिए समान नागरिक संहिता का विरोध करती रहती हैं। यह भी तय है कि मोदी सरकार यदि ऐसा कोई कानून लाती है तो पश्चिम बंगाल, बिहार, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश की गैर बीजेपी/गैर कांग्रेसी सरकारें तो इसका विरोध करेंगी ही राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़ की कांग्रेस गठबंधन वाली सरकारें भी इस कानून में रोड़ा फंसाने से बाज नहीं आयेंगी, इसीलिए मोदी सरकार समान नागरिक संहिता कानून को लेकर बैकफुट पर नजर आ रही है। कई मुस्लिम संगठन भी ऐसे किसी कानून की मुखालफत किए जाने की बात कर रहे हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम बोर्ड के महासचिव हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी कहते हैं कि भारत के संविधान के तहत देश के प्रत्येक नागरिक को उसके धर्म के अनुसार जीवन व्यतीत करने की अनुमति है। इसे मौलिक अधिकारों में शामिल रखा गया है। इसी अधिकारों के अंतर्गत अल्पसंख्यकों और आदिवासी वर्गों के लिए उनकी इच्छा और परंपराओं के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ रखे गए हैं, जिससे देश को कोई क्षति नहीं होती है, बल्कि यह आपसी एकता एवं बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक के बीच आपसी विश्वास बनाए रखने में मदद करता है। कुछ माह पूर्व बोर्ड द्वारा जारी पत्र में भी कहा गया था कि उत्तराखंड, यूपी या केंद्र सरकार की ओर से समान नागरिक संहिता का राग अलापना असामयिक बयानबाजी के अतिरिक्त कुछ नहीं है। पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव ने इसे बढ़ती महंगाई, गिरती अर्थव्यवस्था और बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने और घृणा के एजेंडे को बढ़ावा देने का प्रयास बताया था। पत्र के जरिए बोर्ड ने कहा कि यह अल्पसंख्यक विरोधी और संविधान विरोधी कदम है और मुसलमानों के लिए यह बिल्कुल स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि बोर्ड इसकी कड़ी निंदा करता है साथ ही सरकार से ऐसे कार्यों से परहेज करने की अपील करता है। खैर, इस प्रश्न का उत्तर सामने आना ही चाहिए कि जब भाजपा शासित राज्य सरकारें समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम उठा रही हैं, तब केंद्र सरकार खुल कर अपना पक्ष क्यों नहीं रख रही है? तो इसका जवाब भी केन्द्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दिए गए एक हलफनामे से मिल गया है। केंद्र ने 18 अक्टूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह संसद को देश में समान नागरिक संहिता कानून बनाने या उसे लागू करने का निर्देश नहीं दे सकता है। कानून और न्याय मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा कि नीति का मामला जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को तय करना है। हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था जिसमें उत्तराधिकार, विरासत, गोद लेने, विवाह, तलाक, रखरखाव और गुजारा भत्ता को विनियमित करने वाले व्यक्तिगत कानूनों में एकरूपता की मांग की गई थी। केंद्र ने याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए कहा के यह कानून की तय स्थिति है जैसा कि इस अदालत द्वारा निर्णयों की श्रेणी में रखा गया है कि हमारी संवैधानिक योजना के तहत, संसद कानून बनाने के लिए संप्रभु शक्ति का प्रयोग करती है और इसमें कोई बाहरी शक्ति या प्राधिकरण हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। मंत्रालय ने आगे कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 एक निर्देशक सिद्धांत है जिसमें राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रश्न यह भी है कि केवल चुनाव के समय ही समान नागरिक संहिता को लागू करने का वादा क्यों किया जा रहा है? क्या कारण है कि अन्य भाजपा शासित राज्य सरकारें इस दिशा में कोई पहल नहीं कर रही हैं? क्या वे भी उत्तराखंड, गुजरात और हिमाचल की तरह चुनाव के अवसर पर ही समान नागरिक संहिता को लेकर सक्रियता दिखाएंगी? जो भी हो, यह स्वागतयोग्य है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने हिमाचल भाजपा के घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता का उल्लेख होने पर यह कहा कि कांग्रेस भी इस संहिता के पक्ष में है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को इस विषय पर राजनीति करने के बजाय आम सहमति बनानी चाहिए।

कुछ अलग

जीएम फसलों पर दूरगामी नीति बने

बीस वर्षों तक चले वाद-विवाद और विरोधों के बीच पहली जीएम फसल सरसों की व्यावसायिक खेती की मंजूरी दे दी गयी है। बायोटेक नियामक जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रेजल कमेटी के इस निर्णय का विरोध कई हरित समूहों एवं किसान संगठनों द्वारा हो रहा है। सबसे मुखर स्वर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन भारतीय किसान संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच का है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी आंदोलन की धमकी दी है, पर सबसे चकित करने वाला बयान सीपीएम के किसान संगठन से आया कि वे इस तकनीक की सराहना करते हैं। स्वदेशी जागरण मंच का आरोप है कि जीईएसी गैर जिम्मेदाराना तरीके से काम कर रही है तथा जीएम सरसों के समर्थन में किये जा रहे दावे पूरी तरह गलत हैं। जीईएसी ने एक अनुमति पत्र में कहा है कि समर्थन में प्राप्त सभी जानकारी विदेश से लायी गयी थी। हमारे देश में अध्ययन होना बाकी है। इन संगठनों का आरोप है कि यदि भारत में कोई अध्ययन नहीं किया गया, तो जीईएसी गैर जिम्मेदार और अवैधानिक निर्णय कैसे ले सकती है। इससे पूर्व जीएम बीटी कॉटन को लेकर भी भ्रामक प्रचार किये गये थे कि इसको कीड़ों से कोई नुकसान नहीं होगा और उत्पादन ज्यादा होगा, मगर पिछले 17 वर्षों से बीटी कपास के उत्पादन में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। फिर भी किसानों को सपने दिखाये जा रहे हैं। कृषि मामलों की संसदीय समिति ने अपनी 37वीं रिपोर्ट में बताया है कि बीटी कॉटन की व्यावसायिक खेती करने में कपास उत्पादकों की माली हालत बजाय सुधरने के बिगड़ गयी। इसमें कीटनाशकों का अधिक उपयोग करना पड़ा। महाराष्ट्र में पिछले दिनों कपास को कीड़े से बचाने की जुगत में किसानों द्वारा अनजाने में मौत को गले लगाने के मामले प्रकाश में आये हैं। इन मौतों की वजह वह कीटनाशक बताया गया है, जिसे उन्होंने फसलों पर कीड़े खत्म करने के लिए छिड़का था। जीएम फसलों की खेती केवल छह देशों- अमेरिका, ब्राजील, कनाडा, चीन, भारत और अर्जेंटीना- में हो रही है। दुनिया में कुछ 18 करोड़ हेक्टेयर में इसकी खेती हो रही है। वर्ष 1951-52 के दौरान देश में मात्र 52 मिलियन टन अनाज का उत्पादन होता था, लेकिन आज बिना जीएम तकनीक के 300 मिलियन टन से अधिक का उत्पादन हुआ है। पहले हम गेहूं, चावल, शक्कर के लिए विदेशी आयात पर निर्भर करते रहे हैं, पर आज हम इनके बड़े निर्यातक हैं। पिछले दो वर्षों से 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त पांच किलो राशन उपलब्ध कराना हमारी कृषि सफलता का प्रमाण है। अधिकतर संगठनों एवं विशेषज्ञों का कहना है कि कमेटी का निर्णय दबाव और जल्दबाजी में लिया गया है और जिस वेरायटी को मंजूरी दी गयी है, वह कम पैदावार वाली है एवं इससे उत्पादित तेल की गुणवत्ता भी कम है। भारतीय सरसों का तीखापन उसका सबसे बड़ा गुण है, जो नयी किस्म से नदारद है। वर्तमान में जीएम सरसों की श्रेणी डीएमएच-11 से भी ज्यादा उपज की चार वेरायटी भारत में पहले से ही मौजूद हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ एपीकल्चर के अनुसार जीएम तरीके से सरसों की खेती की शुरुआत होने पर शहद की खेती के बर्बाद होने की संभावना है। इससे 10 लाख मधुमक्खी पालकों के जीवनयापन पर संकट आ जायेगा। स्मरण रहे, मधुमक्खियों के परागण में सरसों की खेती का अहम योगदान होता है। ज्यादातर जगहों पर चिकित्सकीय गुणों की वजह जीएम मुक्त सरसों के शहद की मांग है। ऐसे में शहद निर्यात पूरी तरह ठप हो जायेगा। कुछ बड़ी कंपनियों का मकसद है दूसरी किस्म का जीएम क्रॉप मॉडिफाई बनाना। जिस फसल पर भी इसका प्रयोग होगा, वहां उस फसल के अलावा सब खत्म हो जायेगा। घातक रसायनों से फसलों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूमि की उर्वरता भी खत्म होती है। सरकार एक तरफ तो ऑर्गेनिक फार्मिंग की बात करती है, दूसरी तरफ ऐसी नीतियां लाकर रसायनों के प्रभाव को बढ़ाती है। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन जीएम फसलों के प्रयोग से पहले भूमि परीक्षण अनिवार्य बनाने की सिफारिश कर चुके हैं। अमेरिका के मात्र एक फीसदी भू-भाग में जीएम मक्के की खेती की गयी थी, जिसने 50 फीसदी गैर जीएम खेती को संक्रमित कर दिया। चीन में भी किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ा था।

सरकार एक तरफ तो ऑर्गेनिक फार्मिंग की बात करती है, दूसरी तरफ ऐसी नीतियां लाकर रसायनों के प्रभाव को बढ़ाती है। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन जीएम फसलों के प्रयोग से पहले भूमि परीक्षण अनिवार्य बनाने की सिफारिश कर चुके हैं।

इमरान खान को समझना मुश्किल, गोली की नियति और सियासी गलियारों में गूंजती आवाजों के मायने

पूर्व प्रधानमंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख की किस्मत थी, कि वह गोली चूक गई, और उनके दाहिने पैर के निचले हिस्से में लगी। यदि वह गोली उनके सिर या फेफड़े में लगी होती, तो आज बदला हुआ पाकिस्तान हमारे सामने होता। उर्दू में एक कहावत है, अगर अल्लाह किसी को बचाना चाहता है, तो उसे मानरे की हिम्मत कौन करेगा? सत्तर साल के इमरान खान अनपे समर्थकों की मदद से एक पैर पर चल कर कंटेनर से एक कार तक पहुंचे और फिर उन्हें उनके ही नबवाए शौकत खानम कैंसर अस्पताल ले जाया गया, जो हमले की जगह से कुछ घंटे की दूरी पर था और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। सत्तर साल। हां, लेकिन वह जबर्दस्त तरीके से तंदुरुस्त हैं, रोज जिम जाते हैं, टहलते हैं, जॉगिंग करते हैं और स्वस्थ भोनज करते हैं। अच्छे स्वास्थ्य के कारण ही वह तेजी से ठीक हो रहे हैं। कुछ निदों बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई और अब वह लाहौर के जनमा पार्क स्थित अनपे घर में हैं।

यही उस अकेली गोली की नियति थी। वह एक गोली पाकिस्तान की नियति बदल सकती थी। लेकिन किस्मत से बड़ा क्या है? यह पूर्व प्रधानमंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख की किस्मत थी, कि वह गोली चूक गई, और उनके दाहिने पैर के निचले हिस्से में लगी। यदि वह गोली उनके सिर या फेफड़े में लगी होती, तो आज बदला हुआ पाकिस्तान हमारे सामने होता। उर्दू में एक कहावत है, अगर अल्लाह किसी को बचाना चाहता है, तो उसे मारने की हिम्मत कौन करेगा? सत्तर साल के इमरान खान अपने समर्थकों की मदद से एक पैर पर चल कर कंटेनर से एक कार तक पहुंचे और फिर उन्हें उनके ही बनवाए शौकत खानम कैंसर अस्पताल ले जाया गया, जो हमले की जगह से कुछ घंटे की दूरी पर था और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। सत्तर साल। हां, लेकिन वह जबर्दस्त तरीके से तंदुरुस्त हैं, रोज जिम जाते हैं, टहलते हैं, जॉगिंग करते हैं और स्वस्थ भोजन करते हैं। अच्छे स्वास्थ्य के कारण ही वह तेजी से ठीक हो रहे हैं। कुछ दिनों बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई और अब वह लाहौर के जमना पार्क स्थित अपने घर में हैं। पूरे दिन आराम करने के बजाय वह अपने नए पुनर्निर्मित पारिवारिक घर में आने वाले आगंतुकों के साथ बैठक करते हैं। वह लगातार अस्पताल वाली नीले रंग की कमीज पहने रहते हैं, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है। लोग मजाक में कह रहे हैं कि वह अस्पताल का बिल चुकाए बिना भाग आए और यहां तक कि अस्पताल की वर्दी भी ले आए! लेकिन इसके विपरीत, इमरान खान के एक बार यह कहने के बाद कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आईएसआई के एक जनरल की नामजदगी वाली उनकी प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है, पूरे मुल्क में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और इस्लामाबाद जाने वाली सभी सड़कें बंद हो गईं। इस्लामाबाद पंजाब और खैबर पख्तुनख्वा, दोनों प्रांतों से जुड़ा है, जहां तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का शासन है। लेकिन इमरान खान बेनजीर भुट्टो नहीं हैं, जिनकी हत्या के बाद पूरा पाकिस्तान जलने लगा था। बड़े शहरों में छोटे-छोटे विरोध प्रदर्शन हुए और अब भी हो रहे हैं, लेकिन कुछ जगहों पर मात्र पंद्रह प्रदर्शनकारी हैं। इसने इमरान खान को बहुत नाराज कर दिया है और उन्होंने घोषणा की है कि दस दिनों में वह पाकिस्तान के सैन्य मुख्यालय वाले शहर रावलपिंडी पहुंचेंगे, जहां शीर्ष सैन्य अधिकारी रहते हैं और इस्लामाबाद तक अपने मार्च का नेतृत्व करेंगे। लेकिन इमरान खान के इस लंबे मार्च और आंदोलन की असली वजह क्या है? इसका जवाब बिल्कुल स्पष्ट है। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि उनका पहला सेवा विस्तार खत्म होने वाला है और वह 28 नवंबर को चले जाएंगे तथा पद पर बने रहने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। इस बीच ऐसी खबरें भी आई थीं कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदा सरकार जनरल बाजवा को एक और सेवा विस्तार देना चाहती है। लेकिन मुझे लगता है कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि इमरान खान द्वारा उन्हें विवादास्पद बनाए जाने के बाद सैन्य मुख्यालय और शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल बाजवा के पद पर बने रहने का समर्थन करने के मूड में नहीं हैं। इमरान खान ऐसे दुर्लभ राजनेता हैं, जो हर रोज अपना बयान बदलते रहते हैं, इसलिए उन्हें समझना मुश्किल है। उन्होंने इतिहास से कुछ भी नहीं सीखा है और वह सोचते हैं कि अगर नए सैन्य प्रमुख की नियुक्ति में उनका दखल रहता है, तो इससे उन्हें फायदा होगा। इतना स्पष्ट है कि वह सबसे वरिष्ठ जनरल के खिलाफ हैं, जिन्हें परंपरा के अनुसार नया प्रमुख होना चाहिए और जो कि जनरल असीम मुनीर हैं। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि जब इमरान खान प्रधानमंत्री बने थे, उस समय जनरल असीम मुनीर आईएसआई के महानिदेशक थे। उन दोनों के बीच कहा-सुनी हो गई थी, जिसके बाद इमरान खान ने उन्हें हटाकर जनरल फैज हमीद को अपना डीजी आईएसआई बना लिया। अफवाहों के मुताबिक, जनरल असीम मुनीर ने इमरान खान के सामने भ्रष्टाचार के कुछ सबूत पेश किए थे, जो प्रधानमंत्री की नाक के नीचे चल रहे थे। इमरान खान और जनरल बाजवा के बीच पहला बड़ा मतभेद तब पैदा हुआ, जब कुछ वर्षों बाद सैन्य मुख्यालय ने जनरल फैज हमीद को एक कोर मुख्यालय की कमान सौंपना चाहा, जो सेनाध्यक्ष के रूप में प्रोन्नत होने के लिए एक आवश्यक आवश्यकता है। इमरान खान ने इस पोस्टिंग का विरोध किया था। पाकिस्तानी राजनेताओं ने इतिहास से यह सबक नहीं सीखा कि भले ही आपके पास सेना प्रमुख नियुक्त करने की शक्ति हो, लेकिन वरिष्ठतम जनरल हमेशा अपने और अपनी संस्था के प्रति ईमानदार रहेगा, न कि प्रधानमंत्री और सरकार के प्रति। केवल ताजा इतिहास ही दर्शाता है कि मैं कितनी सही हूं। जुल्फीकार अली भुट्टो ने कई वरिष्ठ जनरलों को दरकिनार करके जनरल जिया उल हक को सैन्य प्रमुख बनाया था। लेकिन जब समय आया, तो जनरल जिया ने भुट्टो जैसे लोकप्रिय नेता को भी बर्दाश्त नहीं किया और धोखाधड़ी करके लोकप्रिय एवं लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए प्रधानमंत्री को फांसी पर लटका दिया। उसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने जनरल परवेज मुशर्रफ और जनरल बाजवा को चुना, जो नए सैन्य प्रमुख बनने की कतार में खड़े कई जनरलों से जूनियर थे। परवेज मुशर्रफ ने तख्तापलट करके नवाज शरीफ को जेल में डाल दिया, जबकि जनरल बाजवा ने नवाज शरीफ को फिर से बर्खास्त करने के लिए अदालतों का इस्तेमाल किया और उन्हें लंदन निर्वासन में जाना पड़ा। अब इमरान खान ने अचानक अपना विचार बदल लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने भाई और पाकिस्तान मुस्लिम लीग के प्रमुख नवाज शरीफ को देखने के लिए लंदन गए थे। इमरान खान अचानक कहते हैं कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, अगर शहबाज शरीफ नया सेना प्रमुख चुनते हैं। सवाल है कि क्या नए सेना प्रमुख के नाम में कोई बदलाव हुआ है। क्या प्रधानमंत्री ने फैसला कर लिया है कि जनरल असीम मुनीर नए सेना प्रमुख नहीं होंगे? इसका जवाब मिलने में बस कुछ ही दिन बचे हैं, फिर हमें पता चल जाएगा कि पाकिस्तान का नया सेना प्रमुख कौन बनेगा।

नागरिक बोध

जलवायु की जुबानी चिंता

मिस्र के शहर शरम अल-शेख में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप-27) के दौरान कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। जिस सम्मेलन में चर्चा का मुख्य विषयवस्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए धन का इंतजाम है, वहां कुछ सामने आई जानकारियां बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। मसलन, यह कि अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए बने कोष में अपने हिस्से का पूरा चंदा नहीं दिया है। इस कोष का गठन जलवायु परिवर्तन रोकने के उपाय करने में विकासशील देशों की मदद के लिए किया गया था। गैर सरकारी संस्था कार्बन ब्रीफ ने कार्बन उत्सर्जन में विभिन्न देशों के हिस्से और उसके अनुपात में उनकी तरफ से दिए गए धन की तुलना करते हुए अपनी रिपोर्ट तैयार की है। इस रूप में उसने यह बताने की कोशिश की है कि जलवायु संकट का मुकाबला करने के मामले में इन देशों अपनी जिम्मेदारी किस हद तक निभाई है। धनी देशों ने 2020 तक जलवायु कोष में 100 बिलियन डॉलर का योगदान करने का वादा किया था। लेकिन इस समयसीमा के भीतर उन्होंने अपना वादा नहीं निभाया। कार्बन ब्रीफ के मुताबिक अतीत में अमेरिका की उत्सर्जन मात्रा के हिसाब से इस कोष के लिए उसका हिस्सा 40 बिलियन डॉलर बनता था। लेकिन 2020 तक उसने सिर्फ 7.6 बिलियन डॉलर का योगदान किया। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा भी उत्सर्जन में अपने हिस्से की तुलना में सिर्फ एक तिहाई रकम का योगदान किया। ब्रिटेन ने अपने उत्सर्जन हिस्से की तुलना में 1.4 बिलियन डॉलर कम का चंदा दिया है। गौरतलब है कि जलवायु वार्ताओं के आरंभिक दौर में ही यह सहमति बनी थी कि जिन देशों ने कार्बन उत्सर्जन कर वातावरण को जितना नुकसान पहुंचाया है, उसी अनुपात में वे इस संकट का मुकाबला करने के लिए वित्तीय योगदान करेंगे। धनी देश अपनी उच्च कार्बन उत्सर्जन आधारित जीवनशैली पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इसकी कीमत गरीब देश चुका रहे हैं। इसके बावजूद धनी देश अपने हिस्से का चंदा भी नहीं दे रहे हैं। तो आखिर दुनिया जलवायु परिवर्तन से कैसे बचेगी?

देश दुनीया से

आमजन तक पहुंचानी होगी केंद्र की योजनाओं की जानकारी

कोरोना महामारी के प्रकोप को नियंत्रित करने के बाद से सरकार ने एक बार फिर से उन बीमारियों को काबू करने की तरफ ध्यान केंद्रित किया है, जो देश की एक बड़ी आबादी को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों में कैंसर प्रमुख है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स ऐंड रिसर्च (एनसीडीआईआर) की नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम रिपोर्ट-2020 के अनुसार, देश में लगभग 16 लाख कैंसर के मरीज हैं। 2025 तक यह आंकड़ा 12 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। हालांकि समय रहते इसका इलाज संभव है, लेकिन जरा-सी लापरवाही और जागरूकता की कमी पर यह इंसान को मौत के मुंह में धकेल देता है। हालांकि वैश्विक स्तर पर प्रति वर्ष चार फरवरी को विश्व कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जाता है, लेकिन भारत में इसे नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी के जन्मदिन सात नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2022-2024 में कैंसर का थीम 'क्लोज द केयर गैप' रखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कैंसर मौत का दूसरा प्रमुख कारण है। भारत में हर साल लोगों को मुफ्त कैंसर जांच के लिए केंद्र से लेकर नगरपालिका के अस्पतालों तक में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वहां पहुंचकर वे अपनी प्रारंभिक जांच करा सकें। अगर कोई लक्षण पाया जाता है, तो तुरंत जांच कराने की सलाह दी जाती है, ताकि रोगी शीघ्र उपचार करवा कर रोगमुक्त हो सके। कैंसर शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। फेफड़े, प्रोस्टेट, पेट एवं यकृत का कैंसर पुरुषों में सबसे आम है, जबकि स्तन या थायराइड का कैंसर महिलाओं में सबसे आम है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में भी कैंसर रोगियों की संख्या देखी जा सकती है। कुछ माह पहले जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के आयुक्त कार्यालय में कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य आशा वर्करों को कैंसर से जुड़े लक्षणों से परिचित कराना था, ताकि वे ग्रामीण महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर की पहचान कर संबंधित महिला को इलाज के लिए प्रेरित कर सकें। केंद्र सरकार की ओर से कठुआ जिले में टाटा मेमोरियल कैंसर संस्था की शाखा स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इस क्षेत्र के कैंसर मरीजों को इलाज के लिए राज्य से बाहर भटकना न पड़े। जम्मू-कश्मीर में भी कैंसर के मरीजों की संख्या कुछ कम नहीं है। वर्ष 2018 से 2020 तक की रिपोर्ट के अनुसार, 21 हजार से अधिक लोगों की कैंसर से मृत्यु हुई है। यह आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। हालांकि सरकार की ओर से कैंसर पीड़ितों के बेहतर इलाज के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, जिनमें किसी भी कैंसर संस्थान में इलाज के लिए मुफ्त रेल यात्रा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त आयुष्मान योजना के तहत भी कैंसर पीड़ति को इलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण लोग लाभ नहीं उठा पाते हैं। चार वर्ष पूर्व कैंसर के कारण अपने पिता को खो चुके डीडी न्यूज, दिल्ली में कार्यरत शम्स तमन्ना कहते हैं कि शुरुआत में कई लक्षणों को सामान्य बीमारी समझ कर नजर अंदाज करना ही उनके पिता की मृत्यु का कारण बना था। वह कहते हैं कि कैंसर के इलाज के लिए सरकार की ओर से बहुत-सी सुविधाएं हैं। कई गैर सरकारी संस्थाएं भी इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। लेकिन यह एक आम आदमी की जानकारी से बाहर है। ऐसे में सरकार और इन संस्थाओं का कर्तव्य बनता है कि वे वर्ष भर जन जागरूकता अभियान चलाएं और हर सप्ताह स्वास्थ्य शिविरों में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करें। केवल योजनाएं बनाना समाधान नहीं है, बल्कि आम लोगों तक इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना जरूरी है। जागरूकता से ही देश को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से मुक्त कराया जा सकता है। जागरूकता बढ़ाने से ही पोलियो, हैजा और चेचक पर काबू पाया जा सका है।

कैंसर के इलाज के लिए सरकार की ओर से बहुत-सी सुविधाएं हैं। कई गैर सरकारी संस्थाएं भी काम कर रही हैं। लेकिन यह आम आदमी की जानकारी से बाहर है। ऐसे में सरकार और इन संस्थाओं का कर्तव्य है कि वे वर्ष भर जन जागरूकता अभियान चलाएं।

बांग्लादेश के आर्थिक चमत्कार की क्यों गायब हो गई है चमक आईएमएफ 4.5 बिलियन डॉलर का कर्ज देने के लिए सहमत

ढाका।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) बांग्लादेश को 4.5 बिलियन डॉलर का कर्ज देने के लिए सहमत हो गया है। इसके लिए दोनों पक्षों में स्टाफ लेवल (कर्मचारी स्तर का) समझौता हो गया है। लेकिन इसके साथ ही विशेषज्ञों के बीच ये चर्चा छिड़ गई है कि आखिर बांग्लादेश को कर्ज लेने की नौबत क्यों आई अभी कुछ समय पहले तक बांग्लादेश को विकास संबंधी कामयाबी के करिश्मे के रूप में देखा जाता था। इस कहानी ने कैसे कड़वा मोड़ ले लिया, जानकार यह सवाल उठा रहे हैं।

पांच दशक पहले अस्तित्व में आए बांग्लादेश को विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में 'विकास की प्रेरणादायक कहानी' बताया था। उसने कहा था कि वस्त्र उद्योग की कामयाबी ने बांग्लादेश को उस आर्थिक स्थिति में पहुंचाया, जिससे वह करोड़ों को लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर ला सका। खासकर बांग्लादेश के महिला कामगारों की सफलता उल्लेखनीय रही। इस दौरान बांग्लादेश में जीवन प्रत्याशा में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नवजात शिशुओं की मृत्यु के मामलों में 90 प्रतिशत की गिरावट आई।

अभी पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा था कि बांग्लादेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जल्द ही डेनमार्क और सिंगापुर से ज्यादा हो जाएगा। प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में वह पहले ही भारत से आगे निकल चुका है। विश्लेषकों के मुताबिक अपनी इन्हीं सफलताओं के कारण बांग्लादेश दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहा था।

लेकिन अब उसकी ये तमाम कामयाबियां खतरे में हैं। वैश्विक परिस्थितियों की उस पर जोरदार मार पड़ी है। इसी वजह से उसे आईएमएफ के आगे हाथ फैलाना पड़ा। इस तरह श्रीलंका और पाकिस्तान के बाद वह तीसरा दक्षिण एशियाई देश बना है, जिसे आईएमएफ के दरवाजे पर जाना पड़ा है। अमेरिका के नेशनल पब्लिक रेडियो (एनपीआर) ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि 17 करोड़ आबादी वाले इस युवा देश के लिए दुनिया में आती मंदी से खुद को बचाए रखना संभव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की महंगाई के कारण वह भी कई दूसरे देशों की तरह विदेशी मुद्रा की कमी का शिकार हो गया। विदेशों में काम करने वाले बांग्लादेशियों की वापस देश भेजी जाने वाली कमाई में भी भारी गिरावट आई है। उधर वस्त्र निर्यात का बाजार भी मंदा पड़ा है। इन सब कारणों ने कुछ महीनों के अंदर ही बांग्लादेश की कामयाबियों पर पानी फेर दिया है। लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में अर्थशास्त्री फारिया नईम ने एनपीआर से कहा- 'विश्व अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्थिरता के कारण बांग्लादेश में हालात बद से बदतर होते गए हैं।' बांग्लादेश के आर्थिक विशेषज्ञों ने कहा है कि देश के वस्त्र उद्योग पर पहली मार कोरोना महामारी की पड़ी। उस दौरान लॉकडाउन के कारण कम से कम तीन महीने कारखाने बंद रहे। इससे दस लाख लोगों की नौकरी चली गई। आमदनी ना होने के कारण उनके परिजन भुखमरी का शिकार होने लगे।

न्यूज ब्रीफ

नए एक्ट को लेकर अमेरिका के खिलाफ कमर कसने को तैयार यूरोप, ईयू में असंतोष बढ़ने के संकेत

ब्रसेल्स । अमेरिका में बने इन्फ्लेशन रिडक्शन ऐक्ट को लेकर यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने अमेरिका के खिलाफ कमर कस ली है। ईयू ने कहा है कि इस अमेरिकी कानून से यूरोपीय कंपनियों और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। पिछले दिनों अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने ये कानून पारित कराया था। इसके तहत अमेरिका में उद्योग लगाने वाली कंपनियों को 369 बिलियन डॉलर की सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है। उसके बाद से खबरें आई हैं कि खासकर ऊर्जा क्षेत्र की कई कंपनियों ने यूरोप में निवेश की योजना रद्द कर अमेरिका जाने का फैसला किया है। इसको लेकर ईयू में असंतोष बढ़ने के संकेत हैं। ईयू की कार्यकारी संस्था यूरोपियन कमीशन ने अमेरिका में दी जा रही सब्सिडी पर 'गहरी चिंता' जताई है। उसके बाद ईयू की बैठक में इस पर विचार हुआ। अमेरिकी टीवी चैनल से बातचीत में एक ईयू अधिकारी ने कहा- 'बैठक में ईयू के हर सदस्य देश के मंत्री ने चिंता जताई और कहा कि इसका सबसे अच्छा जवाब क्या हो सकता है, उस पर विचार किया जाना चाहिए। 27 देशों के बीच इस पर राजनीतिक सहमति बनी है कि ये कानून यूरोपीय उद्योग के लिए खतरा है। ईयू ने अमेरिकी कानून में शामिल ऐसे नौ बिंदुओं की सूची तैयार की है, जिसे उसने अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के खिलाफ बताया है। इनमें अमेरिका में बनने वाली इलेक्ट्रिक कारों को टैक्स छूट देने का फैसला भी शामिल है।

इमरान पर हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी पीटीआई, वकील के सामने रखेंगे अपना पक्ष

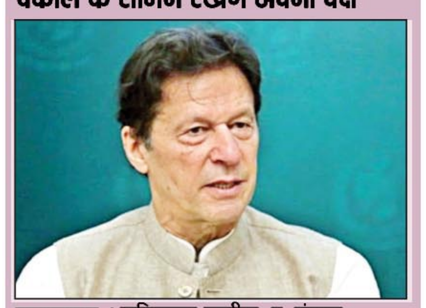

इस्लामाबाद । पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर वजीराबाद में पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की कथित हत्या की कोशिश मामले में एक नई एफआईआर दर्ज करने की मांग करेगी। पीटीआई के केंद्रीय नेता फवाद चौधरी ने कहा कि याचिका सोमवार को एससी पेशावर रजिस्ट्री में दायर की जाएगी। उन्होंने कहा कि याचिका पार्टी के सभी प्रांतीय और राष्ट्रीय सांसदों की ओर से दायर की जाएगी। उन्होंने हमले के एक हफ्ते बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं करने के लिए पीएम शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार पर भी निशाना साधा। पीटीआई नेता फवाद ने पुलिस पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का आरोप लगाया क्योंकि ऐसा करने के लिए वह सरकार के दबाव में थी। पीटीआई के प्रांतीय मंत्री शौकत यूसुफजई ने कहा कि याचिका के द्वारा पार्टी प्रधान न्यायाधीश का ध्यान इमरान खान पर हमले, वरिष्ठ पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या और पीटीआई सीनेटर आजम स्वाती के साथ अमानवीय आचरण की ओर आकर्षित करने की मांग करेगी।

सीमा पर तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच संघर्ष, कोई घायल नहीं

काबुल । अफगानिस्तान के स्पिन बोल्डक जिले के क्षेत्र में एक सीमा चमन-स्पिन बोल्डक क्रॉसिंग पर तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच एक सशस्त्र संघर्ष होने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमांडर ने कहा कि घटना गलतफहमी के कारण हुई, कोई घायल नहीं हुआ। इससे पहले बोल्डक-चमन क्रॉसिंग पर दो पक्षों के बीच एक सीमा संघर्ष में एक पाकिस्तानी सीमा रक्षक की मौत हो गई थी। चमन-स्पिन बोल्डक क्रॉसिंग कंधार शहर, अफगानिस्तान से लगभग 100 किमी दक्षिण-पूर्व और क्वेटा, पाकिस्तान से लगभग 100 किमी उत्तर-पश्चिम में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजा झड़प रविवार तड़के हुई और इसके परिणामस्वरूप क्रॉसिंग को बंद कर दिया गया। रोजाना करोड़ों लोग क्रॉसिंग से गुजरते हैं, जिससे यह प्रमुख व्यापारिक बिंदु बना हुआ है। तालिबान ने पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया, जिससे अमेरिका समर्थित सरकार खत्म हो गई और। बता दें कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना तालिबान के खिलाफ लड़ रही थी।

नामपेन्ह में किशिदा और बाइडन ने की उत्तर कोरिया की निंदा, मोदी-जिनपिंग पहुंच रहे बाली

नामपेन्ह/बाली ।
कंबोडिया की राजधानी नामपेन्ह में आयोजित आसियान सम्मेलन में पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को जापान के पीएम फुमियो किशिदा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने उत्तर कोरिया की लगातार उकसावे की कार्रवाई की निंदा की। उधर, इंडोनेशिया के बाली में जी-20 देशों के नेताओं का जमावड़ा हो रहा है। इसमें भाग लेने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी पहुंच रहे हैं। बाइडन-जिनपिंग की बहुप्रतीक्षित मुलाकात भी यहां होगी।

बाइडन व किशिदा ने अपनी मुलाकात में उत्तर कोरिया के गैर कानूनी ढंग से जनसंहार के शस्त्रों के निर्माण व बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम की आलोचना की। नामपेन्ह में हुई इस मुलाकात में बाइडन ने उत्तर कोरिया के उकसावे के खिलाफ जापान की पूरी मदद का वादा किया।

व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने ताइवान की खाड़ी में भी शांति व स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया। इसके साथ ही किशिदा व बाइडन ने यूक्रेन जंग को लेकर रूस के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की बात भी दोहराई। बाइडन ने परमाणु हमले के खिलाफ जापान की वचनबद्धता की भी तारीफ की। उन्होंने आसियान देशों की भी पूरी मदद का वादा किया।

जी-20 के मौके पर होगी बाइडन-जिनपिंग अहम मुलाकात - बाली में 15-16 नवंबर को हो रही जी-20 शिखर बैठक में भाग लेने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इंडोनेशिया के बाली पहुंच रहे हैं। यहां उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बहुप्रतीक्षित मुलाकात होने वाली है। दोनों नेता ताइवान तनाव, रूस के यूक्रेन पर हमले, उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम जैसे विवादित वह अहम मसलों पर चर्चा करेंगे।

पीएम मोदी बाली में 20 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे - इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इंडोनेशिया के बाली रवाना होंगे। वे 14 से 16 नवंबर तक बाली में रहेंगे। जी-20 शिखर सम्मेलन 15-16 नवंबर को है। करीब 45 घंटे के अपने प्रवास के दौरान पीएम मोदी 20 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

दुनिया के दिग्गज 20 देशों के समूह जी-20 के प्रमुखों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अलावा प्रधानमंत्री इसमें हिस्सा लेने वाले 10 देशों के प्रमुखों से द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। इसमें बहुपक्षीय व द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

जी-20 संगठन का अगला अध्यक्ष भारत - जी-20 संगठन का अगला अध्यक्ष भारत है और इसकी अगली बैठक सितंबर, 2023 में नई दिल्ली में ही होने वाली है। इस नजरिए से भी पीएम मोदी का दौरा अहम माना जा रहा है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि शिखर सम्मेलन तीन सत्रों में होगा और पीएम मोदी इन तीनों सत्रों में दूसरे वैश्विक नेताओं के साथ हिस्सा लेंगे। यह पूछे जाने पर कि पीएम मोदी की मुलाकात किन वैश्विक नेताओं से होगी, इसके जबाव में क्वात्रा ने बताया कि इस बारे में संबंधित देशों के साथ बातचीत की जा रही है और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा - बाली शिखर सम्मेलन के दौरान, पीएम मोदी और अन्य जी-20 नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन समेत कई मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। क्वात्रा ने बताया, शिखर सम्मेलन के दौरान तीन वर्किंग सेशन होंगे, जिसमें प्रधानमंत्री प्रतिभाग करेंगे। इनमें खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे शामिल हैं। वहीं इंडोनेशिया में भारतीय राजदूत मनोज कुमार भारती ने कहा, भले ही प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया का यह दौरा बहुत छोटा हो, लेकिन रणनीतिक रूप से यह दौरा बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है।

भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील की तिकड़ी - विदेश सचिव ने बताया कि भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी-20 सम्मेलन के लिए भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ने नेतृत्वकर्ता तिकड़ी का गठन किया है। उन्होंने कहा, जी-20 के इतिहास में पहली बार तीन विकासशील और उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं एक साथ आई हैं। 85 फीसदी जीडीपी जी-20 में : वर्तमान वैश्विक आर्थिक सहयोग के लिहाज से जी-20 का महत्वपूर्ण स्थान है और अर्थव्यवस्था और विकास के बड़े अंतरराष्ट्रीय मामलों को आकार और मजबूती देने में यह अहम भूमिका निभाता है।

यूक्रेन संघर्ष में शीतकालीन विराम 6 महीने तक रह सकता है, संभावित भारी बर्फबारी और ठंड बनी बड़ी वजह

वाशिंगटन।
रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष में कुछ महीनों का विराम लग सकता है। सर्दियों के कारण यूक्रेन में रूसी सैन्य अभियान में छह महीने तक विराम लग सकता है। नवंबर के अंत में बारिश और नरम मिट्टी यूक्रेनी और रूसी सैनिकों की आवाजाही को धीमा कर देगी। संभावित भारी बर्फबारी और ठंड का मौसम भी युद्ध के मैदान में संचालन गति को धीमा कर सकता है। रूसी सेना यूक्रेनी बुनियादी ढांचे के खिलाफ हमलों पर ध्यान केंद्रित करेगी अमेरिकी रक्षा नीति के उपमंत्री कोलिन कहल ने कहा कि आप पहले से ही देख रहे हैं कि यूक्रेन में खराब मौसम ने संघर्ष को थोड़ा धीमा कर दिया है। वास्तव में यह कीचड़ की वजह से हो रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर आक्रमण करना मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बीच, सैनिकों की आवाजाही में मजबूरन विराम के कारण संघर्ष के एक नए चरण में प्रवेश करने की उम्मीद है। रूसी सेना यूक्रेनी बुनियादी ढांचे के खिलाफ हमलों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इसके बदले यूक्रेनी सेना, रूसी तर्ज पर तोड़फोड़ के हमलों के साथ आगे बढ़ने जा रही है। यूएस सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के उपाध्यक्ष सेठ जोन्स ने इस बात का उल्लेख किया है। अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा कि वाशिंगटन सर्दियों में संघर्ष विराम का महत्वपूर्ण रूप से लाभ उठाकर कीव को हथियारों की आपूर्ति बढ़ा सकता है। रिपोर्ट सामने आने के बाद आई है कि बाइडन प्रशासन निजी तौर पर कीव को रूस के साथ बातचीत करने के लिए तत्परता दिखाने को प्रोत्साहित कर रहा है। बता दें कि यूक्रेन में इस साल फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने के बाद मध्यस्थता शुरू हुई थी। वार्ता का अंतिम दौर 29 मार्च को इस्तांबुल में संपन्न हुआ, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के बावजूद वार्ता रुकी हुई है। अमेरिका नहीं चाहता है कि यूक्रेन रूस के साथ बातचीत शुरू करे, बल्कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कीव को अन्य देशों का समर्थन प्राप्त हो। एक अमेरिकी अधिकारी ने द वाशिंगटन पोस्ट को बताया कि हमारे कुछ सहयोगियों के लिए यूक्रेन की थकान एक वास्तविक चीज है। यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कुछ हिस्सों में चिंताएं बढ़ रही हैं, क्योंकि यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियान की वजह से खाद्य और ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं। इससे पहले सितंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि मॉस्को अभी भी कीव के साथ बातचीत के लिए तैयार है।

तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में धमाका, छह की मौत, महिला ने दिया हमले को अंजाम

इस्तांबुल ।
इस्तांबुल में रविवार का धमाका एक महिला द्वारा किया गया एक आतंकवादी हमला था, तुर्की के उपराष्ट्रपति फुआत ओकटे ने प्रारंभिक आंकड़ों का हवाला देते हुए ये बात कही। यह धमाका रविवार दोपहर पैदल यात्री पर्यटक मार्ग इस्तिकलाल के पास हुआ। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने कहा कि विस्फोट से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। स्पुतनिक ने ओकटे के हवाले से कहा, हम इसे एक आतंकवादी कृत्य मानते हैं, जिसे एक अपराधी द्वारा अंजाम दिया गया है। एक महिला ने बम धमाके को अंजाम दिया। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि घायलों की संख्या 53 से बढ़कर 81 हो गई है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। ओकटे ने वचन दिया कि तुर्की के अधिकारी तुरंत आतंकवादी कृत्य की जांच करेंगे और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाएंगे। एर्दोगन ने कहा कि इस्तांबुल के केंद्र में रविवार को हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई, प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि विस्फोट एक आतंकवादी हमला था। सोशल मीडिया पर कई वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि धमाके की जगह से आग की लपटें निकल रही हैं।

पार्टियों के ऊंचे दावे, पर असल चुनाव नतीजों के लिए करना होगा लंबा इंतजार

काठमांडो ।
नेपाल में आम चुनाव का पूरा नतीजा आते-आते दिसंबर का पहला हफ्ता गुजर जाएगा। इस बीच पार्टियां अपने जीत के दावे बढ़-चढ़ कर कर रही हैं। वैसे जब गृह मंत्री बाल कृष्ण खांड ने ऐसा एक दावा किया, तो खुद सरकारी अधिकारियों ने बिना अपनी पहचान जाहिर किए उसके खिलाफ राय जता दी है।

नेपाल में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा और सातों प्रांतों की असेंबलियों के लिए आम चुनाव हो रहा है। इन सभी सदनों की प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली सीटों पर मतदान 20 नवंबर को होगा। नेपाल में प्रत्यक्ष और आनुपातिक निर्वाचन की मिली-जुली प्रणाली अपनाई गई है। प्रतिनिधि सभा में प्रत्यक्ष निर्वाचन से 165 सदस्य और आनुपातिक विधि से 110 सदस्य चुने जाते हैं। उधर सातों प्रांतीय असेंबलियों में कुल मिला कर 550 सदस्य हैं, जिनमें से 330 का निर्वाचन प्रत्यक्ष ढंग से होता है। इस बार के आम चुनाव एक करोड़ 80 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे।

नेपाल के मुख्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश कुमार थपलिया ने बताया है कि अगले आठ दिसंबर जाकर पूरे नतीजे आ पाएंगे। प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली सीटों का परिणाम आने के बाद पार्टियों को इसमें मिले मत प्रतिशत के आधार पर आनुपातिक सीटों का

आवंटन होता है। नेपाल में यह आवंटन करने की जटिल प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसकी वजह से पूरी चुनावी सूरत साफ होने में दो हफ्तों तक का वक्त लग जाता है।

इस बीच गृह मंत्री बाल कृष्ण खांड ने दावा किया है कि सत्ताधारी गठबंधन के प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली 165 संसदीय सीटों में से 131 में विजयी होने की ठोस संभावना है। खांड ने ये दावा शनिवार को किया। उन्होंने कहा कि प्रांतों की सरकारी एजेंसियों से मिली रिपोर्टों के आधार पर वे यह दावा कर रहे हैं। इन रिपोर्टों के मुताबिक इनमें से सिर्फ 23 संसदीय सीटें ऐसी हैं, जहां सत्ताधारी गठबंधन के उम्मीदवारों को कुछ चुनौती मिल रही है। चुनावी समीकरणों की निगरानी कर रहे एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा है कि खांड ने ये बयान सत्ताधारी गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने के लिए दिया है। नेपाल की सेना, सशस्त्र पुलिस बल और राष्ट्रीय खुफिया विभाग चुनाव के बारे में स्वतंत्र ढंग से आकलन कर रहे हैं। खुफिया के पूर्व प्रमुख गणेश अधिकारी ने प्रधानमंत्री को सौंपती हैं।

क्या तैयार हो गई है रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत की जमीन

कीव ।

क्या खेरसोन इलाके से रूसी फौज की वापसी के बाद अब यूक्रेन मसले का बातचीत के हल निकलने की संभावना बन रही है कूटनीतिक हलकों में ये सवाल काफी चर्चित है। रूस ले कर पश्चिमी रणनीतिक विश्लेषकों तक ने कहा है कि ऐसा होने के संकेत अब मजबूत हुए हैं।

बीते सितंबर में रूस ने यूक्रेन के दोनाबास इलाके में मौजूद दोनेत्स्क और लुहांस्क गणराज्यों को अपने में मिला लिया था। इसके तहत जो क्षेत्र रूस का हिस्सा बना लिए गए, उनमें खेरसोन और जेपोरिझझिया भी शामिल थे। तब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की ने उस रूसी कदम पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी। उन्होंने एक ऐसा आदेश जारी कर दिया था, जिसके तहत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सरकार से किसी प्रकार की वार्ता को अवैध घोषित कर दिया गया। तब जेलेंस्की ने कहा था- यूक्रेन रूस से बातचीत के लिए तैयार होगा, लेकिन वार्ता किसी अन्य रूसी राष्ट्रपति के साथ ही होगी।

एक विश्लेषण के मुताबिक जेलेंसकी के उस आदेश से अमेरिका के लिए असहज स्थिति पैदा हुई। अमेरिका का आकलन है कि पुतिन की सत्ता निकट भविष्य में खत्म होने की कोई संभावना नहीं है। इसलिए पुतिन प्रशासन से बातचीत की संभावना को ठुकरा देना वाजिब नहीं होगा। खास कर उस समय जबकि यूरोप में यूक्रेन को मदद जारी रखने के सवाल पर सब्र टूट रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने तब जेलेंस्की से साफ कहा था कि वे रूस से बातचीत के लिए लगाई शर्त को छोड़ दें और पुतिन प्रशासन से संवाद कायम करने की कोशिश करें। खबरों के अनुसार इसके लिए अमेरिका ने जेलेंस्की पर लगातार दबाव बनाया। इसी सिलसिले में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने यूक्रेन की राजधानी कीव की यात्रा की।

इस बीच ऐसी कई खबरें पश्चिमी मीडिया में आई हैं कि सुलिवान लगातार रूसी राष्ट्रपति के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव और रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव के साथ संपर्क में हैं।

बीते आठ नवंबर को जेलेंस्की के रुख में नाटकीय बदलाव दिखा। उन्होंने कहा कि उनकी शर्तें पूरी की जाएं, तो वे पुतिन प्रशासन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। उनकी नई शर्तों में शामिल हैं- यूक्रेन के इलाके उसे लौटाना, यूक्रेन को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति, हर कथित युद्ध अपराधी को सजा देना और यह गारंटी कि रूस फिर कभी यूक्रेन पर हमला नहीं करेगा। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने मीडिया से कहा- हम यह नहीं कह रहे हैं कि जेलेंस्की तुरंत बातचीत शुरू कर दें। हमारी समझ में रूस की गतिविधियों को देखते हुए अभी इसके लिए उचित समय नहीं है।

लेकिन रेस्पॉन्सिबल स्टेटक्राफ्ट के विश्लेषण में कहा गया है कि जेलेंस्की की शर्तें और अमेरिका का बयान जनमत को शांत करने के लिए हैं। इस विश्लेषण में ध्यान दिलाया गया है कि रूसी फौज खेरसोन से लौट रही है, इस खबर की पहली पुष्टि नौ नवंबर को हुई। इससे जेलेंस्की को अपनी जीत दिखाने का मौका मिलेगा। इससे रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत शुरू होने की संभावना बन सकती है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात में भाजपा की लहर

पार्टी पुराने रिकॉर्ड तोड़कर फिर बनाएगी सरकार : चौधरी

साबरकांठा (हिंस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों का प्रचार कर रहे हैं। सोमवार को केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी साबरकांठा जिले में खेड़ब्रह्मा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अश्विन भाई कोटवाल की नामांकन सभा में सम्मिलित हुए और आमजन को भाजपा के पक्ष में अधिकाधिक मतदान करने के लिए आह्वान किया। नामांकन सभा में राज्यसभा सांसद रमिला बेन बारा, साबरकांठा सांसद दीपसिंह राठौड़ सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। खेडब्रह्मा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी की नामांकन सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की लहर है। ऐसे में इस बार पार्टी पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देगी तथा राज्य में एक बार फिर सरकार बनाएगी। चौधरी ने कहा कि प्रदेश में लंबे समय से भाजपा की सरकार होने के कारण विकास और शांति का माहौल है। इसे बनाए रखने के लिए प्रदेश में डबल इंजन सरकार की जरूरत है, इसलिए एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी के हाथ मजबूत करने

की जरूरत है। गुजरात ने प्रधानमंत्री मोदी की विकासवादी विचारधारा पर लगातार भरोसा करके पूरे देश में मिसाल पेश की है। चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि गुजरात की जागरूक जनता आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के चुनावी झांसों में आने वाली नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह से दिल्ली और पंजाब की जनता को लुभावने वादों के माध्यम से धोखा देने का काम किया है, गुजरात की जनता इस बात को अच्छी तरह से समझती है। आम आदमी पार्टी की वादा करके पलट जाने वाली नीति के कारण गुजरात में आप का खाता भी नहीं खुलेगा। कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरे देश में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है।

नौसेना मैराथन पहुंची सिरसा में भव्य स्वागत

सिरसा (हिंस)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत नौसेना दिवस के उपलक्ष्य में चली आ रही मैराथन सोमवार को सुबह सिरसा पहुंची। गांव पतली डाबड़ में मैराथन के लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां पर प्रशासन की ओर से मैराथन में शामिल धावकों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान जिला खेल अधिकारी शमशेर सिंह, एसएचओ डिंग सुरेश कुमार, एसएचओ ट्रेफिक शमशेर सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने धावकों को फूल माला पहनाकर अभिवादन किया। इस अवसर पर क्रिकेट कोच शंकर सैनी, एथलेटिक कोच प्रियंका, हॉकी कोच सुरेंद्र आदि उपस्थित थे। भारतीय नौसेना के मैराथन धावकों द्वारा मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। इस मैराथन का 30 अक्तूबर को दिल्ली से शुभारंभ हुआ था जोकि हरियाणा, चंडीगढ़ और उसके आसपास के क्षेत्रों से होकर तीन दिसंबर को नौसेना दिवस पर दिल्ली पर जाकर समाप्त होगी। मैराथन की अगुवाई कर रहे लेफ्टिनेंट कमांडर देवदत्त शर्मा ने बातचीत करते हुए बताया कि इस मैराथन में शामिल धावक 1500 किलोमीटर दौड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हर दिन एक पूर्ण मैराथन करीब 42 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी तक दौड़ेंगी।

बच्चों को महान संस्कृति एवं महापुरुषों की जीवनी पढ़ाएं : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। बच्चों एवं युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिए जाएं। इनका शिक्षित होने के साथ ही संस्कारी होना भी आवश्यक है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को देश-प्रदेश की महान संस्कृति, महापुरुषों के आदर्शों, संघर्ष, त्याग, बलिदान एवं समर्पण के बारे में पढ़ाया जाए। गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय बाल अधिकार सप्ताह के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित आजादी और देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाने वाले महापुरुषों की जीवनी पढ़ें। बच्चे देश के स्वर्णिम इतिहास को जानने के साथ संस्कारवान बनें। देश और प्रदेश की महान परम्परा और संस्कृति को अपनाएं तथा देश की प्रगति के लिए अपने आप को समर्पित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ एक संस्कारवान पीढ़ी तैयार करना सरकार और समाज की बड़ी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा बच्चों में साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी बनाई गई है। साथ ही कई योजनाओं के जरिए भी बच्चों का भविष्य संवारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण के लिए कृत-संकल्पित राज्य सरकार का अगला बजट युवाओं एवं विद्यार्थियों को समर्पित होगा। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में बाल हितों के संरक्षण के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। विभाग और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग भी इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश में

कोई भी बच्चा अपने अधिकारों से वंचित न रहे। उन्हें आगे बढ़ने के हर अवसर सुलभ हों। मुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी सुनीता गहलोत के साथ समारोह में चाचा नेहरू बने बच्चों के संग गुब्बारे उड़ाकर बाल सप्ताह का शुभारंभ किया। बच्चों ने गुलाब का फूल भेंट देकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद उन्होंने राज्य स्तरीय बाल अधिकार सप्ताह के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस दौरान बच्चों ने आत्मरक्षा तकनीक का प्रदर्शन और बेटियों की महत्ता को दर्शाते गीत का गायन किया। समारोह के दौरान गहलोत ने बाल हितैषी पंचायत अभियान जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राजनीतिक संरक्षण के बिना नहीं होते पेपर लीक : पूनियां

झुंझुनू (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोलते हुये कहा कि राजस्थान सरकार बहुत कमजोर हो गई है। लगातार परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। सरकार के कार्यकाल में पेपर माफिया हावी हो गए हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ही पेपर लीक माफियाओं का सरगना बता दिया। पूनियां ने कहा कि अब वन रक्षक भर्ती परीक्षा रद्द होना सरकार के मुंह पर तमाचा है और बेरोजगारों के साथ खिलवाड़ है। प्रदेश के युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। कोई भी पेपर राजनीतिक संरक्षण के बिना लीक नहीं होता है। निश्चित रूप से राज्य सरकार का पेपर लीक में हाथ है। उन्होंने कहा- वर्तमान राज्य सरकार गंगा में चाहे कितनी भी डुबकी लगा ले, लेकिन उसके पाप नहीं धुल सकते। वन रक्षक परीक्षा का पेपर लीक होने के कारण परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। इस बात को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मां-बाप बड़े सपनों के साथ अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ाते हैं। उनके बच्चों को सरकारी नौकरी मिल जाए, लेकिन यह सरकार 70 लाख युवाओं को परीक्षा दिलवाती है। एक लाख को नौकरी देने का ढिंढोरा पिटती है, लेकिन 69 लाख युवाओं के अरमानों के बारे में कुछ नहीं सोचती। मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए उन्होने कहा कि सरकार की सफलता के विज्ञापन आ रहे हैं लेकिन अखबार पोल खोल रहे हैं। उन्होंने कहा राजस्थान सरकार युवाओं के साथ बहुत ब ?ा धोखा और अन्याय कर रही है। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने के नाम पर ठगा जा रहा है। राजस्थान में प्रमाणित रूप से नकल और पेपर माफिया पैदा हो गया है। पूनियां ने कहा कि सरकार ने नकल और पेपर माफियाओं को पूरी छूट दे रखी है।

विश्वकर्मा सभा ने जम्मू में किया भाजपा ओबीसी मोर्चा का अभिनंदन

विश्वकर्मा सभा, गुरहा बख्शी नगर जम्मू द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में विश्वकर्मा सभा पदाधिकारियों द्वारा भाजपा ओबीसी मोर्चा का अभिनंदन किया गया। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू कश्मीर इस अवसर के मुख्य अतिथि थे, जबकि सुनील प्रजापति, रमन चलोत्रा (राज्य सचिव ओबीसी मोर्चा), केवल वर्मा (जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जम्मू पश्चिम), अशोक सलगोत्रा (जिला महासचिव ओबीसी मोर्चा जम्मू पश्चिम), विक्की सोमनाथ (उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जम्मू पश्चिम), सुनील मेहरा (जिला सचिव ओबीसी मोर्चा जम्मू पश्चिम), राकेश चालोत्रा (अध्यक्ष विश्वकर्मा सभा बख्शी नगर), जगदीश करगोत्रा (महासचिव विश्वकर्मा सभा), रतन लाल, रमेश लाल, पवन कुमार, संजय चालोत्रा, संजय सागर, विनोद, नीलम वर्मा, ओम प्रकाश, अशोक कुमार और अजय कुमार विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में आयोजकों ने ब्रह्म ज्योत और उनकी टीम का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने माता की चुन्नी व गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। फिर उन्होंने भगवान विश्वकर्मा की पूजा की और राष्ट्र की शांति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। उसके बाद विश्वकर्मा सभा के पदाधिकारियों ने ब्रह्म ज्योत के साथ बैठक की और आरक्षण और ओबीसी प्रमाण पत्र जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की. मौके पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा जम्मू-कश्मीर के बेहतर भविष्य के लिए समर्पित रूप

से काम कर रही है। भाजपा युवाओं के बेहतर भविष्य, बेहतर कल और अधिक समृद्धि के साथ एक नई सुबह का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो समाज के सभी वर्गों के बारे में सोचती है और केवल भाजपा ही हमें हमारे राजनीतिक और आरक्षण का अधिकार दे सकती है। कश्मीर की पीडीपी, एनसी और कांग्रेस जैसी वंशवादी पार्टियां जिन्होंने जम्मू-कश्मीर को लूटा है, अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। कश्मीर में भाजपा को लोगों का भारी समर्थन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार और उसकी कल्याणकारी नीतियों पर कश्मीरी लोगों के भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा जोड़ना जानता है, टोड़ना नहीं, चाहे वह देश हो या समाज और हम सभी जरूरतमंदों के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा समाज के सभी वर्गों के लिए काम कर रहा है और सामाजिक कार्यों का आयोजन कर रहा है और जम्मू कश्मीर में मानवता की सेवा कर रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने ओबीसी में 15 और जातियों को शामिल किया है जो बहुत ही सराहनीय कदम है और कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू कश्मीर में जनसंख्या के अनुसार आरक्षण की मांग कर रहा है क्योंकि उचित आरक्षण हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में अत्यधिक लाभकारी योजनाएं हैं जो सरकार द्वारा केवल जरूरतमंद लोगों के लिए चलाई जा रही हैं और जनता को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

कुष्ट आश्रम के बच्चों के बीच खाद्यान्न सहित कपड़े वितरित

जम्मू। राजन गुप्ता सामाजिक कार्यकर्ता और अध्यक्ष सर्व शिक्त सेना जम्मू कश्मीर ने आज बाल दिवस के अवसर पर कुष्ट आश्रम के लोगों के बीच खाने-पीने की चीजें और ऊनी कपड़े बांटे। इस अवसर पर राजन गुप्ता ने इस दिन को बाल दिवस भी कहा जाता है, क्योंकि यह 14 नवंबर को यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि बच्चे देश की असली ताकत हैं। यह दिन युवा पीढ़ी को शिक्षति करने और पोषण करने के महत्व पर भी जोर देता है। उन्होंने कहा कि अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में रहने वाले हमारे यह बच्चे समाज का हिस्सा हैं और यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम उन्हें हर संभव सहायता देकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाएं। उन्होंने कहा कि अनाथालयों में रहने वाले बच्चे समाज के सबसे अनमोल घटक हैं और जीवन के इस चरण में यह एक और सभी विशेष रूप से युवाओं का प्रमुख कर्तव्य है कि वे इस वर्ग की अत्यधिक देखभाल करें। बाद में राजन गुप्ता ने

आश्रम के प्रबंधन से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जम्मू क्षेत्र के लोगों से अपील की कि वे आगे आएं और ऐसे संगठन को हर संभव समर्थन दें। जो धर्मार्थ घर चला रहे हैं और सभी आवश्यक सहायता प्रदान करके समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उपस्थित अन्य लोगों में साहिल शर्मा, धीरज कुमार और गुलशन संगरा मौजूद थे।

राष्ट्रपति करेंगी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का उद्घाटन

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में 19 नवंबर से 6 दिसंबर तक कुरुक्षेत्र में सरस और शिल्प मेले के साथ अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 का आयोजन किया जाएगा। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29 नवंबर को ब्रह्म सरोवर पर गीता यज्ञ एवं पूजन से मुख्य कार्यक्रमों का विधिवत शुभारम्भ करेंगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29 नवंबर को ही कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय गीता संगोष्ठी का भी शुभारंभ करेंगी।

फोर्टिफाइड आटे से लोगों के जीवन में होगा परिवर्तन : चौटाला

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि फोर्टिफाइड आटा से लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन होगा। डिप्टी सीएम सोमवार को अपने कार्यालय में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा पांच जिलों में गरीब परिवारों की महिलाओं को फोर्टिफाइड आटा देने की पायलट योजना की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री अनूप धानक भी उपस्थित थे। दुष्यंत चौटाला ने पायलट योजना से मिले परिणामों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह पायलट योजना हरियाणा के अलावा गुजरात, पश्चिमी बंगाल व राजस्थान में चालू की गई थी परंतु हरियाणा सरकार के प्रयासों से इसके आशातीत परिणाम आए हैं। डिप्टी सीएम को इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा सहित पूरे भारत के लोगों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की काफी कमी है जिसके कारण प्रमुख तौर पर आयरन की कमी से एनीमिया व फोलेट की कमी के कारण बच्चों में जन्म-दोष हो रहा है। इन्हीं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा हरियाणा, गुजरात, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों में फोर्टिफाइड आटा की पालयट योजना को आरंभ किया गया था। उन्होंने बताया कि हरियाणा के पांच जिलों में इस योजना के तहत नवंबर 2017 में सर्वेक्षण किया गया और मार्च 2018 में आटा फोर्टिफिकेशन कार्यक्रम की शुरुआत की गई जो कि महिलाओं एवं बच्चों को मिड-डे-मिल तथा आंगनबाड़ियों के माध्यम से फोर्टिफाइड आटा वितरित किया गया। यह कार्यक्रम वर्ष 2021 में पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम के तहत महिलाओं के हीमोग्लोबिन, फेरिटिन, लाल रक्त कोशिका फोलेट, सीरम फोलेट और विटामिन बी 12 की जांच की गई। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गरीब परिवारों की महिलाओं को फोर्टिफाइड आटा देने की पायलट योजना की सफलता की सराहना करते हुए हरियाणा में अलग-अलग मंडल स्तर पर और अधिक सैंपल लेकर इसके प्रभावों व महिलाओं के स्वास्थ्य का स्तर जांचने की संभावनाओं का सुझाव दिया।

असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर के लिए पीएचडी जरूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षकों एवं अन्य शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति के लिए संशोधित न्यूनतम योग्यता एवं उच्च शिक्षा में मानकों के संबंध में जारी अधिसूचना के विरोध में हरियाणा गर्वमेंट कालेज टीचर एसोसिएशन ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन के राज्य महासचिव और हरियाणा राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ के संगठन सचिव डॉ. सुनील कुमार ने सोमवार को कहा कि इस अधिसूचना को सरकार ने यूजीसी अधिनियम 2018 पर आधारित बताया है,जबकि यह यूजीसी के वर्ष 2018 के अधिनियम की पूरी तरह अवहेलना करता है।

बालाजी मीडिया फिल्मस प्रा. लिमिटेड ने लांच किया पंजाबी गीत

जम्मू। तरुण शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता शीतल सिंह ने बालाजी मीडिया फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा *नी मरजानिया* शीर्षक के तहत एक नया पंजाबी गीत लांच किया। नी मरजानिया गाने को लकी राजा ने गाया है और गीतकार हैं, संगीत बिग म्यूजिक स्टूडियो ने दिया है, निर्देशन प्रिंस पोंटी ने दिया है, अमनप्रीत कौर द्वारा निर्मित और दिव्यांश बाबा द्वारा सह-निर्मित है। इस अवसर पर बोलते हुए तरुण शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में समारोह के दौरान हर जगह पंजाबी गाने बजाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी जम्मू-कश्मीर के स्थानीय कलाकारों का समर्थन और प्रोत्साहन करना चाहिए ताकि वे भी कर सकें। विकास करें और अपने-अपने उद्योगों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचें क्योंकि यह जम्मू और कश्मीर के प्रत्येक नागरिक को गौरवान्वित करेगा। तरुण शर्मा ने कहा कि नट मंच और भाजयुमो हमेशा जम्मू और कश्मीर के हर कलाकार का समर्थन करने के लिए है। शीतल सिंह ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं को भी धार्मिक

गतिविधियों और अनुष्ठानों में अधिक भाग लेना चाहिए क्योंकि यह उन्हें एक प्रबुद्ध भविष्य की ओर ले जाएगा और उन्हें जीवन में गलत रास्ते पर जाने और ड्रग्स जैसी अवैध गतिविधियों को करने और अपने स्वयं के जीवन को बर्बाद करने से रोकेगा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख अतिथि चरणजीत कौर नेता आप, गणेश सिंगर, नवीन पाल कलाकार और अन्य थे।

RE-INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST

No.AF(S) 318/SOPD/2022-23/11580-84

The Director of Fisheries, Assam, Guwahati re-invites EOI from Architects/ Architectural consultants empanelled under Assam P.W.D (Building) and other reputed Architects/ Architectural consultants registered with Indian Institute of Architects/ Council of Architecture and having extensive experience in the relevant field of work for the following work. The last date of submission of bid at the office of the undersigned is 30th Nov, 2022 up to 12.00 Noon. The bids will be opened on the same day at 12.30 pm where the bidders or their authorized representative may be present.

SL	Name of Work	Approx. land area of the project site	Time of Completion
1	Preparation of DPR for Establishment of State-Of-The-Art Public Aquarium Complex at SrimantaSankardevKalakhetra under SOPD-G, at Guwahati, Kamrup (M) District, Assam.	2092.44Sq.m	30 days

1. The details may be seen and EOI document along with the Terms of Reference (TOR) that has to be downloaded for this consultancy services from the Fishery Deptt. portal **"https://fisheriesdirector.assam.gov.in"**
2. The validity period of the EOI shall be 180 days from the date of submission.
3. The Director of Fisheries, Assam, Guwahati reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reasons whatsoever.
4. The biddermust submit along with the EOI a **"Bid Security Declaration"** addressed to the Director of Fisheries, Assam, Guwahati accepting that if the bidders withdraw or modify their bids during the period of validity, or if they are awarded the contract and they fail to sign the contract, or to submit a performance security deposit before the deadline defined in the request for bids/EOI document, they will be suspended for the period of time specified in the request for bids document from being eligible to submit Bids for contracts with the entity that invited the Bids.

Sd/-
Director of Fisheries
Assam, Guwahati-16.

INVITATION FOR BID

No.AF(S)27/SOPD/2022-23/11585-89

Sealed tenders affixing nonrefundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paisa twenty-five) only are invited by the Directorate of Fisheries, Assam, Guwahati from eligible contractors of appropriate category having currently valid registration from APWD (Bldg./ Road) CPWD or other Govt. Deptt. for the following works for Up-gradation of Meen Bhawan Complex, Guwahati under SOPD, 202-23. The last date of submission of bid at the office of the undersigned is 30thNov, 2022 up to 12.00 Noon. The bids will be opened on the same day at 12.30 pm where the bidders or their authorized representative may be present. The stipulated time of completion is 2 (two) months for each group.

Pack-age	Name of Work	Approximate Value of work (Rs.)	EMD(Rs.)		Tender Fee (Rs.)
			For General	For SC / ST / OBC/ MOBC/ GE	
I	Up-gradation of Meen Bhawan Complex, Guwahati under SOPD, 202-23, Pack-age-I	15,20,100.00	30,400.00	15,200.00	300.00
II	Up-gradation of Meen Bhawan Complex, Guwahati under SOPD, 202-23, Package-II	14,79,900.00	29,600.00	14,800.00	300.00

Intending quotationers may see the details and download the **Bidding document** from the website **"https://fisheriesdirector.assam.gov.in"** of the Deptt. of Fisheries, Assam from 16thNov, 2022 up to 12.00 Noon on 30th Nov, 2022.

Sd/
Director of Fisheries
Assam, Guwah-ati

-- Janasanyog /C/ 13988 /22

बच्चों की पढ़ाई पर भारी खर्च से देगा राहत, इन फंड्स में कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली।

बच्चों को पढ़ाना काफी महंगा हो गया है। लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच बच्चों को विदेश में शिक्षा दिलाना बड़ी चुनौती है क्योंकि इसके लिए काफी पैसे की जरूरत होती है। उनके इस सपने के पूरा करने के लिए ज्यादातर माता-पिता शिक्षा ऋण लेते हैं। वहीं, कई माता-पिता कर्ज लेने से बचते हुए म्यूचुअल फंड का रास्ता अख्तियार करते हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश शुरू कर इस बाल दिवस पर आप बच्चों को बेहतर शिक्षा का तोहफा दे सकते हैं। लंबी अवधि के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए म्यूचुअल फंड्स में अधिक रिटर्न के लिए समझदारी से निवेश करना होगा। बच्चों की शिक्षा एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इसे पूरा करने के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए कई विकल्प हैं। लेकिन, जोखिम उठाने की क्षमता और लक्ष्य अवधि के अनुसार फंड्स का चुनाव करना चाहिए। डायवर्सिफाइड ब्लूचिप इक्विटी फंड्स : ये लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए आदर्श निवेश विकल्प हो सकते हैं। इसमें क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाया जाता है। जोखिम कम होता है। लंबी अवधि के निवेश पर सालाना 12प्रतिशत तक रिटर्न पा सकते हैं। फ्लेक्सीकैप इक्विटी फंड्स : इसके जरिये अपने क्षेत्र की सबसे अच्छी लार्ज, मिड और स्मॉलकैप कंपनियों में निवेश होता है। बाजार पूंजी के लिहाज से इन फंड्स के तहत पैसा लगाया जाता है। लंबी अवधि में सालाना 9प्रतिशत और अधिक रिटर्न मिल सकता है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स : ये हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करते हैं। अगर कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहते हैं तो हाइब्रिड फंड्स में निवेश बेहतर विकल्प है। इसमें निवेश पर 8-12 फीसदी रिटर्न पा सकते हैं। प्रदर्शन रिकॉर्ड : फंड्स चुनते समय कम-से-कम उसका पांच साल का प्रदर्शन देखें। दीर्घकालिक ट्रैक रिकार्ड और भी अच्छा रहता है। इससे संभावित रिटर्न का पता लगाने और बाजार के पिछले चक्रों के दौरान इसमें फेरबदल में मदद मिलती है।

खर्च अनुपात : यह म्यूचुअल फंड के प्रबंधन पर आने वाला खर्च है।फंड इसे निवेशकों से वसूलते हैं। किसी फंड का खर्च अनुपात इसके शुद्ध रिटर्न को प्रभावित करता है।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई से भी आगे निकला बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कर्ज बांटने की दर में 29 फीसदी का इजाफा

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उद्यम
एक परिवार एक बैंक

नई दिल्ली। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ऋण वृद्धि दर के मामले में वित्तीय वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच अव्वल रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तिमाही आंकड़ों के मुताबिक जुलाई से सितंबर तिमाही में बैंक ऑफ महाराष्ट्र का सकल ऋण 28.62 प्रतिशत बढ़कर 1,48,216 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया रहा। इसके लोन की वृद्धि दर 21.54 प्रतिशत रही। उसने जुलाई से सितंबर तिमाही में 7,52,469 करोड़ रुपये के ऋण आवंटित किए। आंकड़ों के अनुसार लिस्ट में तीसरे स्थान पर सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक रहा। इसकी ऋण वृद्धि दर 18.15 प्रतिशत रही और एसबीआई ने जुलाई से सितंबर तिमाही में कुल 25,47,390 करोड़ रुपये के ऋण बांटे।

वीजा ने एफटीएक्स के साथ अपना समझौता रद्द किया, क्रिप्टो एक्सचेंज की बदहाली को बताया कारण

VISA

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े भुगतान प्रोसेसर वीजा ने रविवार को कहा कि वह क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के साथ अपने वैश्विक क्रेडिट कार्ड समझौते को समाप्त कर रहा है। वीजा के एक प्रवक्ता ने मीडिया को बताया, एफटीएक्स की स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है और हम घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। हमने एफटीएक्स के साथ अपने वैश्विक समझौतों को समाप्त कर दिया है और उनके यूएस डेबिट कार्ड कार्यक्रम को उनके जारीकर्ता की ओर से समाप्त किया जा रहा है। अक्टूबर की शुरुआत में एक विस्तारित साझेदारी की घोषणा की थी, जिसमें 40 नए देशों में खाता-डेबिट कार्ड पेश करने की योजना भी शामिल थी।

कंपनियों के लिए ट्विटर का नया फीचर, फेक अकाउंट पर शिकंजा कसेंगे मस्क

वाशिंगटन। एलन मस्क ने जब से ट्विटर का अधिग्रहण किया है, आए दिन कोई न कोई खबर सामने आ रही है। पहले जल्दबाजी में लिए गए फैसले के कारण मस्क को ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस से कदम वापस लेने पड़े। हालांकि, रविवार को उन्होंने संकेत दिए कि अगले सप्ताह तक यह सर्विस वापस आ सकती है। अब मस्क ने ट्विटर के बारे में एक और ताजा अपडेट दिया है। एलन मस्क की ओर से किए गए ट्वीट के मुताबिक, ट्विटर बहुत जल्द माइक्रोब्लॉगिंग साइट का उपयोग करने वाली फर्मों के लिए एक नई सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा, जल्द ही ट्विटर कंपनियों को यह पहचानने में मदद करेगा कि वास्तव में कौन से अन्य ट्विटर अकाउंट उनसे जुड़े हुए हैं। मस्क की ओर से दिया गया लेटेस्ट अपडेट इस बात का संकेत है कि जल्द ही ट्विटर पर फेक खातों पर डंडा चल सकता है। इसके अलावा अपने ताजा ट्वीट में एलन मस्क ने यूजर्स से माफी भी मांगी। उन्होंने लिखा, मैं कई देशों में ट्विटर के सुपर स्लो होने के लिए माफी मांगना चाहता हूं। दरअसल, मस्क के ट्विटर खरीदने से पहले तक ब्लू टिक सिर्फ सेलिब्रिटीज, पत्रकारों, नेताओं आदि को ही मिलता था और ट्विटर इन अकाउंट्स को वेरिफाइड करता था। मस्क के नए नियम के अनुसार अब एक फोन, क्रेडिट कार्ड और हर महीने 8 डॉलर खर्च करने की क्षमता रखने वाला कोई भी शख्स ब्लू टिक हासिल कर सकता है। बता दें कि मस्क के इस फैसले के बाद इसका फायदा उठाते हुए कई उपयोगकर्ताओं ने दूसरे लोगों के नाम पर फर्जी अकाउंट बना लिया और फिर उल्टे-सीधे ट्वीट किए। इसके बाद कंपनी ने ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस को वापस ले लिया। मस्क को तमाम बदलाव के बीच कंपनी के दिवालिया होने की चिंता सता रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कर्मचारियों के साथ हुई मीटिंग में एलन मस्क ने कहा है।

थोक महंगाई दर में गिरावट ; घटकर 8.39 फीसदी हुई, अक्तूबर महीने के आंकड़े जारी

नई दिल्ली।

अक्टूबर महीने में थोक महंगाई दर में गिरावट देखने को मिली। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, होलसेल प्राइस-बेस्ड इन्फ्लेशन 8.39प्रतिशत पर आ गई है। इससे पहले सितंबर में ये 10.70प्रतिशत, अगस्त में 12.41प्रतिशत और जुलाई में 13.93प्रतिशत पर थी। पिछले साल अक्टूबर 2021 में 13.83प्रतिशत रही थी।

18 महीने बाद सिंगल डिजिट में थोक महंगाई

लगातार 18 महीनों तक डबल डिजिट में बने रहने के बाद अब 19वें महीने में सिंगल डिजिट में आई है। इतना ही नहीं मार्च 2021 के बाद से पहली बार सबसे कम हुई है। मार्च 2021 में 7.89प्रतिशत पर थी। को कमोडिटी की कीमतों में गिरावट से मदद मिली है।

अक्टूबर में फूड इन्फ्लेशन 6.48प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो सितंबर में 8.08प्रतिशत था। सब्जियों की महंगाई 39.66प्रतिशत से घटकर 17.61प्रतिशत हो गई है। आलू की महंगाई 49.79प्रतिशत से घटकर 44.97प्रतिशत पर आ गई है। अंडे, मीट और मछली की महंगाई 3.63प्रतिशत से बढ़कर 3.97प्रतिशत हो गई है। प्याज की महंगाई -20.96प्रतिशत से घटकर -30.02प्रतिशत पर आ गई है।

फ्यूल और पावर इंडेक्स, पेट्रोलियम और डीजल जैसे आइटम शामिल हैं, इनकी महंगाई 32.61प्रतिशत से घटकर 23.17प्रतिशत हो गई है।

आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहना चिंता का विषय होता है। ये ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर को प्रभावित करती है। यदि थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक उच्च रहता है, तो प्रड्यूसर इसे कंज्यूमर्स को पास कर देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कर सकती है, क्योंकि उसे भी सैलरी देना होता है। ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

महंगाई कैसे मापी जाती है

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। ये कीमतें थोक में किए गए सौदों से जुड़ी होती हैं। दोनों तरह की महंगाई को मापने के लिए अलग-अलग आइटम को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23प्रतिशत होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86प्रतिशत, हाउसिंग की 10.07प्रतिशत, कपड़े की 6.53प्रतिशत और फ्यूल सहित अन्य आइटम की भी भागीदारी होती है।

सिंगापुर टेक कर्मचारियों की छंटनी भारतीयों को कैसे प्रभावित कर रही है

सिंगापुर।

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने घोषणा की है कि वह लगभग 11,000 कर्मचारियों या अपने वैश्विक कर्मचारियों के 13 फीसदी की छंटनी करने जा रही है। इस छंटनी से भारतीय कर्मचारियों पर भी बुरा असर पड़ा है। मीडिया रिपोर्टों ने अनुमान लगाया कि अनुमानित प्रति 1,000 कर्मचारियों में से 100 पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा है। जिनमें से अधिकांश सॉफ्टवेयर इंजीनियरों सहित तकनीकी कर्मचारी हैं। साल 2021 के सिंगापुर मिनिस्ट्री ऑफ मैनपॉवर के आंकड़ों के आधार पर, 177,100 रोजगार पास धारकों में से लगभग एक चौथाई या लगभग 45,000 भारत से हैं। रोजगार पास धारक उच्चतम योग्य विदेशी पेशेवर हैं और वे प्रति माह कम से कम 2.96 लाख रुपये अर्जित करते हैं। इनमें से कई न केवल मेटा की छंटनी बल्कि तकनीकी क्षेत्र में होने वाली अन्य परेशानियों से भी प्रभावित हैं।

फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के शेयरो में इस वर्ष अब तक 73 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। कंपनी के शेयर वर्ष 2016 के अपने न्यूनतम स्तर से भी नीचे पहुंचकर एसएंडपी 500 इंडेक्स के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों की सूची में शामिल हो गए हैं। जिसके बाद से तेजी से छंटनी की प्रक्रिया की जा रही है। इतना ही नहीं 2004 में शुरू हुई कंपनी के 18 सालों के इतिहास में ये सबसे बड़ी छंटनी हैं। कंपनी की खस्ता माली हालत और खराब तिमाही नतीजों के चलते ये फैसला लिया गया है। इसके बाद ट्विटर ने भी घाटे की बात कही है औक कई कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अमेजन में काम करने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर जेमी जांग ने लिंक्डइन पर लिखा कि उन्हें कंपनी से फायर कर दिया गया है। इसके अलावा, एक पूर्व कर्मचारी के एक पोस्ट में यह भी कहा गया था कि पूरी रोबोटिक्स टीम को पिंक स्पिल दी गई थी।

सिंगापुर मिनिस्ट्री ऑफ मैनपावर के आंकड़ों के आधार पर, 177,100 रोजगार पास धारकों में से लगभग एक चौथाई या लगभग 45,000 भारत से हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि विदेश में आए 1.77 लाख कर्मचारियों में एक चौथाई भारतीय कर्मचारी हैं। छंटनी के बाद इन्हें दूसरी जॉब पाने में दिक्कत आएगी। इसके अलावा नए पेशेवर जो सिंगापुर या अन्य देशों में जाकर जॉब करना चाहते हैं उन्हें निराश होना पड़ सकता है।

कीस्टोन रियलटर्स का आईपीओ खुलेगा

मुंबई।

मुंबई की रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियलटर्स का आईपीओ सोमवार को खुलेगा। कंपनी की योजना आईपीओ के जरिये 635 करोड़ रुपए जुटाने की है। आईपीओ के तहत 560 करोड़ रुपए के नये शेयर जारी किये जायेंगे और इसके प्रमोटर 75 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे। आईपीओ के लिये प्राइस बैंड 514-541 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। इसका सब्सक्रिप्शन 14 नवंबर को खुलेगा और 16 नवंबर को बंद होगा।

बता दें कि कीस्टोन रियल्टर्स पहले ही एंकर निवेशकों से 190 करोड़ रुपए जुटा चुकी है। रुस्तमजी ब्रांड के तहत संपत्तियों की बिक्री करने वाली कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बोमन रुस्तम ईरानी ने कहा, मैं आईपीओ को लेकर सकारात्मक हूं, जनता हमारी उपलब्धियों को समझेगी और लंबे समय तक हम शानदार रिटर्न देंगे। वर्ष 1995 में स्थापित कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स के पास मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर) में 32 पूर्ण परियोजनाएं, 12 निर्माणाधीन परियोजनाएं और 19 आगामी परियोजनाएं हैं।

शिव नादर देश के सबसे बड़े दानवीर, देश के टॉप 10 में जेरोधा के संस्थापक कामथ बंधु भी

नई दिल्ली।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर दान देने वाले भारतीय अरबपतियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, विप्रो के अजीम प्रेमजी इस सूची में दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। जेरोधा के सह-संस्थापक नितिन कामथ और निखिल कामथ देश के सबसे अमीर उद्यमियों में से एक होने के अलावा देश के शीर्ष 10 व्यक्ति दानवीरों की सूची में भी शामिल हो गए हैं। एडेलगिव हुरुन परोपकार सूची 2022 के अनुसार उनकी ओर से किया गया दान पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 22 में 308 प्रतिशत बढ़कर 100 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिससे वे भारत में नौवें सबसे बड़े व्यक्तिगत दानवीर बन गए हैं। हुरुन इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों भाइयों ने अपनी संपत्ति का एक चौथाई हिस्सा परोपकार के लिए दान कर दिया है, उनकी अगले तीन वर्षों में और 750 करोड़ रुपये वापस देने की योजना है। इसके अलावा 36 वर्षीय निखिल कामथ सूची में सबसे कम उम्र के परोपकारी व्यक्ति के रूप में शामिल हैं। कामथ ब्रदर्स के दान का प्राथमिक कारण आपदा राहत है। वे जिन अन्य सामाजिक कार्यों का समर्थन करते हैं उनमें पर्यावरण और स्थिरता शामिल हैं। हुरुन इंडिया ने कहा कि पर्यावरण और स्थिरता के लिए उन्होने वित्त वर्ष 22 में 46 प्रतिशत वृद्धि के साथ 193 करोड़ रुपये दान में दिए हैं। एडेलगिव हुरुन इंडिया परोपकार सूची-2022 के मुताबिक, शिव नाडर ने वित्त वर्ष 2022 में 1,161 करोड़ रुपये का दान दिया। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन 3 करोड़ रुपये दान किए। पिछले दो साल से इस सूची में शीर्ष पर रहने वाले अजीम प्रेमजी ने 2021-22 में 484 करोड़ रुपये दान किए। मुकेश अंबानी 411 करोड़ रुपये दान करने के साथ सूची में तीसरे और कुमार मंगलम बिड़ला 242 करोड़ के साथ चौथे स्थान पर हैं। माइंडट्री के सुब्रतो बागची और एनएस पार्थसारथी पांचवें स्थान पर हैं। दोनों पहली बार शीर्ष-10 में पहुंचे हैं।

नए निवेशकों के लिए बेहतर है निफ्टी 50 ईटीएफ, शेयर बाजार में पहली बार निवेश की पूरी जानकारी

नई दिल्ली।

अगर आप इक्विटी में नए हैं और सीधे शेयरों के साथ निवेश की शुरुआत करना चाहते हैं, तो सही शेयर में निवेश का निर्णय लेना आसान नहीं है। इससे पहले आपको कंपनी की वित्तीय स्थिति, उसकी कारोबारी संभावनाओं, मूल्यांकन, उद्योग की गतिशीलता, बाजार की स्थितियों आदि को समझने की जरूरत है। यहीं पर निफ्टी 50 ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) सामने आता है।

ईटीएफ एक विशिष्ट इंडेक्स को ट्रैक करता है। इससे एक्सचेंजों पर स्टॉक की तरह कारोबार किया जाता है, लेकिन इसे म्यूचुअल फंड हाउस द्वारा ऑफर किया जाता है। आप बाजार समय के दौरान एक्सचेंजों से ईटीएफ की यूनिट्स खरीद और बेच सकते हैं। इस संबंध में निफ्टी 50 ईटीएफ पहली बार स्टॉक निवेशकों के लिए और सामान्य रूप से अपनी इक्विटी यात्रा शुरू करने वालों के लिए एक शुरुआती प्वॉइंट में से एक है।

50 ब्लूचिप शेयरों के विविधीकरण में निवेश

निफ्टी 50 इंडेक्स में बाजार पूंजीकरण में सबसे बड़ी भारतीय कंपनियां शामिल हैं। इसलिए, निफ्टी 50 ईटीएफ निवेशक के लिए शेयरों और सेक्टर्स में उम्दा विविधीकरण प्रदान करता है।

एक विविध पोर्टफोलियो निवेशक के लिए जोखिम को कम करता है, जो कि स्टॉक में निवेश करने के मामले में नहीं होता है। ईटीएफ में निवेश करने के लिए डीमैट खाते की जरूरत पड़ती है। जिनके पास डीमैट खाता नहीं है वे निफ्टी 50 इंडेक्स फंड में निवेश कर सकते हैं।

आप चाहें तो इसमें एसआईपी के जरिये भी निवेश कर सकते हैं। ऐसा करने से आप बाजार के सभी स्तरों पर खरीदारी कर सकेंगे और इससे निवेश की लागत औसत होती जाएगी। अगर आप निवेशक हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार की संभावना में विश्वास करते हैं तो निफ्टी 50 ईटीएफ निवेश के लिए बेहतर आइडिया है। आपके निवेश पर इसमें सबसे कम खर्च या चार्ज लगता है। चिंतन हरिया, प्रोडक्ट डेवलपमेंट प्रमुख, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी

ईटीएफ में निवेश की लागत बहुत कम है

निफ्टी 50 ईटीएफ में निवेश सस्ता पड़ता है। चूंकि ईटीएफ निफ्टी 50 इंडेक्स को निष्क्रिय रूप से ट्रैक करता है और इंडेक्स घटकों में सीमित या कोई मंथन नहीं होता है, इसलिए लागत कम होती है। खर्च का अनुपात या दूसरे शब्दों में, जो फंड चार्ज करते हैं, वह सिर्फ 2 से 5 आधार अंक (0.02-0.05प्रतिशत) है। इक्विटी और स्टॉक में एक नौसिखिया निवेशक के रूप में आपको कुछ कंपनियों के शेयरों की कीमतें काफी महंगी लग सकती हैं।

निफ्टी बास्केट के भीतर ऐसे स्टॉक हैं जो 15,000 रुपये से 30,000 रुपये प्रति शेयर के बीच कहीं भी ट्रेड करते हैं। नए निवेशकों के लिए, विशेष रूप से उनके करियर के शुरुआती चरण में सीमित मासिक या समय-समय पर यह राशि बहुत बड़ी और पहुंच से बाहर हो सकती है।

जोखिम की क्षमता कम होती है

निफ्टी 50 ईटीएफ में निवेश करके अधिक जोखिम उठाए बिना वर्षों तक बाजार की गतिशीलता को समझना शुरू कर सकते हैं। साथ ही बाजारों को चलाने वाले विभिन्न कारकों से खुद से परिचय कराते हैं। जोखिम लेने की क्षमता, लक्ष्य, समय सीमा और निवेश करने योग्य सरप्लस के आधार पर छोटे और मिडकैप शेयरों या म्यूचुअल फंड का पता लगा सकते हैं।

ऐसे निवेशकों के लिए निफ्टी 50 ईटीएफ बहुत कम राशि में भी एक्सपोजर देगा। ईटीएफ की एक यूनिट को आप कुछ सौ रुपये में खरीद सकते हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी 50 ईटीएफ एनएसई पर 185 रुपये की कीमत पर ट्रेड करता है। आप 500-1000 रुपये तक का निवेश कर सकते हैं और एक्सचेंज से निफ्टी 50 ईटीएफ यूनिट्स खरीद सकते हैं।

अजय देवगन की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत करेगी

-बाक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत की उम्मीद

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 2' का जबसे ट्रेलर आया है तब से ही लोग इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेड को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत करेगी। 'दृश्यम 2' को लेकर ताजा खबर ये है कि फिल्म की सेंसर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सूत्र ने बताया, 'दृश्यम 2 को यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) की एग्जामिन कमेटी ने फिल्म में कुछ भी कांट-छांट की जरूरत महसूस नहीं की है। फिल्म में कोई भी सीन हिंसा या परेशान करने वाला नहीं है इसलिए, उन्होंने फिल्म को जीरो कट्स के साथ पास करने का फैसला किया। खबर है कि गुरुवार, 10 नवंबर को 'दृश्यम 2' के निमार्ताओं को सेंसर सर्टिफिकेट

दिया गया था। सेंसर सर्टिफिकेट पर फिल्म की लंबाई 142 मिनट है। दूसरे शब्दों में, दृश्यम 2 का रन टाइम 2 घंटे 22 मिनट का है। दिलचस्प बात यह है कि पहला पार्ट 162 मिनट लंबा था, जो कि सीक्वल से 20 मिनट बड़ा है। दृश्यम 2 18 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म में अजय देवगन के अलावा, तब्बू, अक्षय खन्ना, श्रिया सरन, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव भी हैं। जहां पहले भाग का निर्देशन दिवंगत निशिकांत कामत ने किया था, वहीं सीक्वल का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है। फल्म की एडवांस बुकिंग 2 अक्टूबर को ही शुरू कर दी गई थी जिसके बाद अब तक 10,000 टिकट बिक गए हैं।यह भी ध्यान देने की बात है कि ओरीजिनल मलयालम वर्जन, जिसे दृश्यम 2 भी कहा जाता है, की लंबाई 2 घंटे 33 मिनट थी, यानी हिंदी रीमेक से 9 मिनट अधिक। इसे फरवरी 2021 में सीधे अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था।

करियर के एक मुक्तिदायक चरण में हूं: सनी देओल

-एक्टर ने कहा-छवि को जीवित रखने के संघर्ष से कोई सरोकार नहीं

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रर सनी देओल का कहना है कि वह अपने करियर के एक मुक्तिदायक चरण में हैं क्योंकि उन्हें अब अपनी छवि को जीवित रखने के संघर्ष से कोई सरोकार नहीं है। सनी देओल कुछ माह पूर्व आर बाल्की के निर्देशन में बनी फिल्म चुप में पहली बार बतौर चरित्र अभिनेता परदे पर नजर आए। सनी देओल ने कहा कि ओटीटी के आगमन के साथ, वह अब एक पटकथा की ताकत और गहराई के आधार पर निर्णय ले सकते हैं। एक साक्षात्कार में, सनी ने डिजिटल स्पेस के बारे में बात की और बताया कि वह अपने करियर के मौजूदा दौर से कैसे प्यार कर रहे हैं। आप उन पात्रों को निभा सकते हैं जिन्हें आपने कभी नहीं निभाया है। आप इन पात्रों के जरिये अपने एक कलाकार के रूप में स्वयं को खुश कर सकते हैं। अपने साक्षात्कार में उन्होंने अपने भविष्य के प्रयासों के बारे में भी बताया, यह खुलासा करते हुए कि कई परियोजनाएं पहले से ही चल रही हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उल्लेख किया कि डिजिटल प्रारूप के लिए काम में कुछ दिलचस्प है। अभिनेता ने जोर देकर कहा कि एक ही चीज को बार-बार परोसने

के बजाय, दर्शकों को अलग-अलग सामग्री प्रदान करनी चाहिए।सनी देओल की गदर 2, बाप और अपने 2 आने वाले समय में प्रदर्शित होने वाली हैं। इनमें से बाप नामक फिल्म पहले परदे पर आएगी जो कि हॉलीवुड फिल्म द एक्सपेंडेबल्स पर एक भारतीय स्पिन है। इस फिल्म के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्म की अवधारणा पसंद है क्योंकि यह अद्वितीय है। उन्होंने यह भी कहा कि अपने 2 में सभी देओल पुरुष हैं और उनका पूरा परिवार इसमें है और यही इसे खास बनाता है। सनी ने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि यह एक अभिनेता के रूप में उड़ान भरने का समय है और कहा, मेरे पास जो कुछ भी है उसके लिए मैं आभारी हूं, और मैं कई नए अनुभवों की प्रतीक्षा कर रहा हूं। गदर 2 के बारे में बात करते हुए, सनी ने कहा, हमने गदर 2 को तभी शुरू किया जब हमें यकीन था कि विरासत को आगे बढ़ाने के लिए हमारे पास कुछ आशाजनक है।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'लॉस्ट' का प्रीमियर

-बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने किया है फिल्म में काम

मुंबई (ईएमएस)। भारत के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम की आगामी फिल्म 'लॉस्ट' का प्रीमियर एशियन प्रीमियर गाला के लिए होगा। फिल्म के निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने कहा कि "मुझे खुशी है कि फिल्म को विभिन्न फिल्म समारोहों में इस तरह के जबरदस्त स्वागत के लिए खोला गया और मैं अब आईएफएफआई जैसे प्रतिष्ठित मंच पर फिल्म के भव्य प्रीमियर के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं।" सच्ची घटनाओं से प्रेरित, 'लॉस्ट' एक उत्साही युवा महिला क्राइम रिपोर्टर की कहानी है जो एक युवा थिएटर एक्टिविस्ट के अचानक गायब होने के पीछे की सच्चाई की अथक खोज में है। दिलचस्प नाटक में एक शक्तिशाली कलाकार है - यामी के साथ, फिल्म में पंकज कपूर, राहुल

खन्ना और नील भूपालम, पिया वाजपेयी और तुषार पांडे सहित युवा प्रतिभाओं का एक समूह प्रमुख भूमिकाओं में होगा।

जी स्टूडियोज के सीबीओ, शारिक पटेल ने कहा, ""लॉस्ट" निश्चित रूप से एक अनूठी फिल्म है, एक थ्रिलर की आड़ में मानवता की कहानी है। हम त्योहार में इसके स्वागत और फिर भारत में इसकी नाटकीय रिलीज के लिए तत्पर हैं।" कहानी श्यामल सेनगुप्ता और अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा लिखी गई है, पटकथा श्यामल सेनगुप्ता द्वारा लिखी गई है और संवाद रितेश शाह द्वारा लिखे गए हैं। फोटोग्राफी के निदेशक अविक मुखोपाध्याय हैं। संगीत शांतनु मोइत्रा द्वारा रचित है, और गीत स्वानंद किरकिरे द्वारा लिखे गए हैं। 'लॉस्ट' का निर्माण जी स्टूडियो, शरीन मंत्री केडिया, किशोर अरोड़ा, सैम और इंद्राणी मुखर्जी ने किया है। नमः पिक्च र्स के निमार्ता शारीन मंत्री केडिया ने कहा - "आईएफएफआई वास्तव में 'लॉस्ट' को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच है।

श्रुति ने विदेश यात्रा के फायदे-नुकसान बताए

एथेंस में अपनी अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'द आई' की शूटिंग कर रही श्रुति हासन ने कहा कि विदेशों में लंबे शेड्यूल के लिए शूटिंग करने के अपने फायदे तो हैं ही, साथ ही एक नुकसान भी है। अपने घर और प्रियजनों को याद करना। श्रुति निश्चित रूप से इसकी पुष्टि कर सकती है। अभिनेत्री, जो इस समय ग्रीस में दूर है, ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम कहानी पोस्ट की जिसमें वह घर से दूर होने वाली सभी चीजों के बारे में याद करती है। उन्होंने कुछ नाम रखने के लिए अपने साथी संतनु हजारिका, उनकी अद्भुत पेंटिंग, उनकी बिल्ली और उनके बिस्तर की तस्वीरें पोस्ट कीं है। जब उन्होंने

उन सभी चीजों के बारे में पोस्ट किया जो उन्हें याद आती हैं, श्रुति ने यह उल्लेख करने के लिए जल्दी किया कि वह जिस जीवन का नेतृत्व कर रही है, उसके लिए वह बहुत आभारी है। उन्होंने लिखा, "और फिर भी, मैं यात्रा करने, कला बनाने, प्यारे लोगों से मिलने और चमक और प्यार से भरा जीवन जीने में सक्षम होने के लिए बहुत आभारी हूं"।

'स्त्री 2' का सीक्वल बनाने की कर रहे प्लानिंग

-श्रद्धा कपूर-राजकुमार राव ने भी कंफर्म किया

मुबंई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म स्त्री 2 को लेकर बड़ा खुलासा किया और बताया कि यह फिल्म कब दर्शकों के सामने आएगी। बता दें कि स्त्री फिल्म साल 2018 में दर्शकों के सामने आई थी। फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव लीड रोल में थे। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपर हिट साबित हुई थी। फिल्म की सफलता के बाद से ही फिल्म मेकर्स इसका सीक्वल स्त्री 2 बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि फिल्म को लेकर लंबे समय से कोई नया अपडेट सामने नहीं आया था, लेकिन अब राजकुमार रॉव ने अपनी इस फिल्म के लेकर जो कहा है उसे जानने के बाद फैंस जरूर खुश हो जाएंगे। राजकुमार राव ने अपनी आने वाली हॉरर फिल्म स्त्री 2 को लेकर बातें की। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, मुझे

लगता है कि फिल्म मेकर्स को यह निर्णय लेना होगा। स्त्री 2 की पुष्टि करते हुए, राजकुमार ने कहा,उम्मीद है कि स्त्री 2 जल्द ही फ्लोर पर आएगी और हां निश्चित रूप से इस हॉरर यूनिवर्स के बनने की संभावना है। यह रोमांचक होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह जल्द ही स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करेंगे? इस राजकुमार बस यही कहा कि उन्हें उम्मीद है ऐसा जल्द ही होगा। आपको बता दें कि हाल के बीते कुछ दिनों में श्रद्धा कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर डांस ट्रैक ठुमकेश्वरी का एक बीटीएस वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि वह जल्द ही स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करेंगी। बता दें कि राजकुमार राव अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म मोनिका ओ माय डार्लिंग को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर इस फिल्म में हुमा कुरैशी और राधिका आप्टे भी लीड रोल में है। बता दें कि यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। फिल्म रिलीज से पहले राजकुमार इसके प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। वह फिल्म के प्रमोशन के बहाने अपनी आने वाली फिल्म

फिल्म 'भेड़िया' को लेकर चर्चा में वरुण

-जॉन अब्राहम के साथ भी कर चुके हैं मुलाकात

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपनी फिल्म भेड़िया को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही वरुण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर ड्रू मैकइंटायर के साथ एक फोटो शेयर किया। यह देखने के बाद वरुण के फैंस को लग रहा है कि वरुण किसी प्रोजेक्ट के सिलसिले में मैकइंटायर से मिले हैं। वहीं, इससे पहले मैकइंटायर बॉलीवुड के बॉडी बिल्डर एक्टर जॉन अब्राहम के साथ भी मुलाकात कर चुके हैं। क्राउन ज्वेल 2022 में मैकइंटायर ने जीत हासिल की थी। इसके बाद से उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ गई है। वरुण ने जो फोटो शेयर किया है, उसमें वे मैकइंटायर के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इस फोटो के साथ उन्होंने लिखा, यह

शख्स काफी बड़ा है लेकिन काफी अच्छा है।

वरुण के साथ ही मैकइंटायर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर वरुण के साथ एक फोटो शेयर किया है। इस फोटो में वे वरुण के साथ बातचीत करते दिख रहे हैं। इसके साथ मैकइंटायर ने कैप्शन में लिखा, वरुण धवन बॉलीवुड के बड़े स्टार हैं और रेसलिंग के बड़े फैन हैं। हमने कई घंटों तक बिजनेस को लेकर बातचीत की। मैं शो में आने का तुम्हारा इंतजार नहीं कर पा रहा हूं भले यह इंडिया में हो या यूएस में। मैकइंटायर के इस कैप्शन से साफ जाहिर है वे वरुण के साथ जल्द किसी प्रोजेक्ट पर जुड़ रहे हैं। इससे पहले मैकइंटायर ने जॉन अब्राहम के साथ भी अपना एक फोटो शेयर किया था। इसके साथ उन्होंने कैप्शन दिया था, बिग थिंग इज कमिंग।

फिर से माता-पिता बन गए गुरमीत और देबिना

छोटे परदे के कलाकार कपल गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी फिर से माता-पिता बन गए हैं। दोनों ने बीते दिनों अपनी दूसरी बेटी का स्वागत किया है। साल 2011 में शादी करने वाली देबिना और गुरमीत ने अप्रैल 2022 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने प्री-प्रेग्नेंसी शूट की एक तस्वीर शेयर की, जिस पर 'इट्स ए गर्ल' लिखा हुआ है। फोटो साझा करते हुए एक्टर ने लिखा, "दुनिया में हमारी बच्ची का स्वागत है। हम फिर से माता-पिता बनने के लिए उत्साहित हैं, हम समय पर कुछ गोपनीयता की सराहना करते हैं क्योंकि हमारा बच्चा समय से पहले दुनिया में आ गया है। एक निरंतर प्यार को आशीर्वाद देते रहें।" दोनों पहले से ही लियाना नाम की एक बेटी के माता-पिता हैं, जिसका उन्होंने इस साल की शुरूआत में स्वागत किया था। अगस्त में उसके आने के ठीक चार महीने बाद उन्होंने घोषणा की कि वे फिर से माता-पिता बनने जा रहे हैं।

रणदीप की क्राइम ड्रामा सीरीज 'कैट' 9 को होगी जारी

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा की आगामी क्राइम ड्रामा सीरीज 'कैट' शीर्षक से 9 दिसंबर को विशाल नेटफिक्स स्ट्रीमिंग पर प्रीमियर के लिए तैयार है। सीरीज एक्सट्रैक्शन के बाद रणदीप के नेटफिक्स के साथ दूसरे सहयोग को चिह्नित करती है, जो 2020 में रिलीज हुई थी। सीरीज के निमार्ता और श्रोता बलविंदर सिंह जंजुआ है। जेली बीन एंटरटेनमेंट के सहयोग से मूवी टनल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, 'कैट' 9 दिसंबर, 2022 को रिलीज होगी। रणदीप हुड्डा के साथ, श्रृंखला में सुविंदर विक्की, हसलीन कौर, गीता अग्रवाल, दक्ष

अजीत सिंह, सुखविंदर चहल, केपी सिंह, काव्या थापर, दानिश सूद और प्रमोद पत्थल सहित अन्य शामिल है। रणदीप और नेटफ्लिक्स ने घोषणा करने के लिए अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया। 'कैट' गुरनाम सिंह की कहानी है, जो अपने भाई की जान बचाने की कोशिश में अपने काले अतीत का सामना करने के लिए मजबूर होता है।

सूडोकु नवताल- 6252

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6251 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6999

आ	घा	त	ह	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	त	ता	यी	तें	शा	ई
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढ	र	ला	ना
आ	कु	अ	ल	बे	ला	क	ई	रि	श	लौ
स	मा	श	आ	तं	क	स	अ	ग	वी	ट
री	रं	दा	चु	व	लि	आ	वा	ग	म	न
आ	गा	ल	के	गा	आ	म	र	कौ	या	ले
ग	बा	आ	रा	म	क	रो	प्रे	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	ग्य	शा	जू	द
न	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	आ	स	मा	न	हो	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल में 'आ' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आराम,आगमन,आईना,आसमान,आघात,आरोग्य,आवागमन,आमादा,आततायी,आतंक

शब्दजाल - 6998 का हल

ना	हु	मे	रि	ना	ट	क	ल	च	ट	र्जी
ज	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
नी	पी	ना	यि	का	ग	बा	द	ह	प	ल
न	ग	ए	ना	मु	म	कि	न	ह	लि	ना
व	र	ना	ग	रि	क	ला	कि	यो	प	मा
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	कू
न	ना	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	ल
क	रि	का	र	य	र	ना	का	म	वि	रे
र	या	बा	बि	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ल	व	ना	का	रा	टि	ल
बां	स	ना	रा	य	ण	ले	स	सु	रा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5952

	6		1		3	4
2	33		34		30	
3	5	4		7		2
	36		32		23	6
7		5		3		
	36		34	4	31	
1		3		5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5951 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	33	1	36	6	27	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

12.88 करोड़

6.44 करोड़

वर्ल्ड कप विजेता इंग्लैंड को मिले 13 करोड़ रुपए : पाकिस्तान के खाते में 6.5 करोड़ आए

नई दिल्ली ।
इंग्लैंड क्रिकेट इतिहास का पहला डबल वर्ल्ड चैंपियन बन गया है। रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में उसने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इंग्लैंड ने 2010 के बाद दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। वनडे वर्ल्ड कप का खिताब भी इंग्लिश टीम के पास ही है। यह पहली बार है जब किसी टीम के पास एक साथ वनडे और टी-20 दोनों का वर्ल्ड टाइटल है। बहरहाल, वर्ल्ड कप विनर इंग्लैंड को ट्रॉफी के साथ 13 करोड़ रुपए प्राइज मनी भी मिली। रनर अप पाकिस्तान को करीब 6 करोड़ 44 लाख रुपए मिले। आईसीसी ने इस साल वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही प्राइज मनी का ऐलान कर दिया था। इसमें विजेता टीम से लेकर क्वालीफाइंग राउंड में बाहर हुई टीम तक, सभी को प्राइज मनी दी गई है। सभी का टोटल किया जाए तो आईसीसी ने टूर्नामेंट में कुल 45 करोड़ 68 लाख रुपए बतौर प्राइज मनी दिए हैं।

क्वालिफाइंग स्टेज से सेमीफाइनल तक - सेमीफाइनल में पहुंचने पर, सुपर-12 से बाहर होने पर और क्वालीफाइंग राउंड में जीतने और बाहर होने पर भी प्राइज मनी थी। नीचे दिए ग्राफिक्स में आप देख सकते हैं कि किस स्टेज में टीमों को कितना पैसा मिला है।

टीम इंडिया को मिले लगभग 4 करोड़ 25 लाख रुपए - वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को 4 करोड़ 25 लाख रुपए मिले है। दरअसल, टीम इंडिया सेमी में हारी थी। इसके लिए उसे 3.22 करोड़ रुपए मिले। इसके अलावा सुपर 12 में 5 में से 4 मैच जीतने के लिए भी उसे प्राइज मनी दी गई है। कुल मिलाकर यह अमाउंट करीब 4 करोड़ 25 लाख रुपए है। इंग्लैंड ने 2010 में टी-20 वर्ल्ड कप और 2019 में वनडे वर्ल्ड कप जीता। यह इंग्लैंड का दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप है। वेस्टइंडीज के बाद इंग्लैंड दूसरी ऐसी टीम है जिसने 2 टी-20 वर्ल्ड कप जीते हैं।भारत के स्टार बैटर विराट कोहली ने इस टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 6 मैच में 296 रन बनाए। गेंदबाजी की बात करें तो श्रीलंका के वानेंदु हसरंगा ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लिए। उन्होंने कुल 8 मैच में 15 विकेट झटके। इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर सैम करन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए।

न्यूज ब्रीफ

पीवी सिंधु ने विश्व टूर फाइनल्स से अपना नाम लिया वापस, चोट के कारण नहीं लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली । भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु सीजन के अंतिम टूर्नामेंट बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में नहीं खेलेंगी। उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। सिंधु ने बाएं टखने में चोट के कारण टूर्नामेंट नहीं खेलने का फैसला किया है। सिंधु को यह चोट अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान लगी थी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता इस चोट से अभी पूरी तरह उभरी नहीं हैं। सिंधु 2018 में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में चैंपियन बनी थीं। यह टूर्नामेंट चीन के ग्वांगझू में 14 दिसंबर से खेला जाएगा। सिंधु के पिता पीवी रमन्ना ने चोट के बारे में विस्तार से बताया। सिंधु के चिकित्सकों ने उन्हें अभी कुछ दिन और आराम करने के लिए कहा है। इससे वह अगले सीजन के लिए पूरी तरह फिट हो जाएंगे। पीवी रमन्ना ने आगे कहा, सिंधु ने सभी पहलुओं पर विचार किया। इसके अलावा ग्वांगझू में अभी कई तरह के प्रतिबंध भी लगे हुए हैं। सिंधु ने नए सीजन को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला लिया है। उन्होंने दो हफ्ते पहले अभ्यास शुरू कर दिया था। वह जनवरी तक पूरी तरह फिट हो जाएंगी। इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए सिंधु ने भारतीय बैडमिंटन संघ को पत्र भेजकर अपने फैसले के बारे में बताया। सिंधु के हटने के बाद अब सिर्फ एचएस प्रणय इस टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

छह साल की स्केटर सहज अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाएगी अपनी प्रतिभा, रोजाना कई घंटे करती है अभ्यास

लुधियाना । शहर की छह साल की बच्ची सहज खन्ना छोटी उम्र में ही रोलर स्केटिंग में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। रिंक पर उसकी तेजी और बैलेंस देखकर हर कोई दंग रह जाता है। पहली कक्षा की छात्रा सहज ने मोहाली में आयोजित पंजाब रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता है। इसके साथ ही उसका चयन दिसंबर में बेंगलूरू में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की नेशनल रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता के लिए भी कर लिया गया है। पंजाब रोलर स्केटिंग में सहज ने थ्री लैप (400 मीटर) में स्वर्ण और टू लैप (600 मीटर) में रजत पदक जीतने का गौरव हासिल किया है। सहज का रूझान रोलर स्केटिंग की ओर देख माता-पिता ने उसे प्रेरित किया। बाल भारती स्कूल की पहली कक्षा की छात्रा सहज ने केवल साढ़े चार साल की उम्र में ही स्केट्स पहन लिए थे। कोच नगेंद्र नेगी ने उसकी प्रतिभा को पहचाना और तराशा। वह रोजाना कई घंटे कोच की देखरेख में नियमित अभ्यास करती है। जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन कर पदक जीत चुकी है। इसके बाद सहज चयन जिला टीम में हुआ और फिर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए। यही नहीं इंटरनेशनल बुक आफ रिकार्ड के लिए देशभर में एक समय पर एक साथ 1895 स्केटर्स ने हिस्सा लिया था। सहज उसमें भी शामिल हुई थी। अमृत इंडो कैनेडियन अकादमी की साइना ने फिर बनाया वर्ल्ड रिकार्ड लुधियाना : अमृत इंडो कैनेडियन अकादमी लादियां खुर्द की साइना चोपड़ा ने टेनिस रैली स्ट्रोक की अधिकतम संख्या खेलने का एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है।

बंगाल के गौरव ने मारी बाजी, बिहार की नीलंजना को राष्ट्रीय तैराकी में दूसरा स्थान

पटना। बिहार तैराकी संघ की ओर से 13वीं राष्ट्रीय तक्षशिला ओपन वाटर लंबी दूरी तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 13 किलोमीटर दूरी की यह प्रतियोगिता दीघा स्थित शिवा घाट से पटना ला कालेज घाट तक कराई गई। प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल के तैराकों का जलवा रहा। प्रतियोगिता में प. बंगाल के गौरव कावेरी एक घंटा 12 मिनट 29 सेकेंड बालक वर्ग में पहले, शोभिक दास एक घंटा 12 मिनट 50 सेकेंड दूसरे और बिक्रम दत्ता एक घंटा 19 मिनट 32 सेकेंड ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, बालिका वर्ग में पृथा देवनाथ पश्चिम बंगाल एक घंटा 16 मिनट 51 सेकेंड पहले, नीलंजना सील, बिहार- एक घंटा 17 मिनट 47 सेकेंड दूसरे और ऋचा शर्मा, पश्चिम बंगाल एक घंटा 19 मिनट 32 सेकेंड तीसरे स्थान पर रही।

विश्व कप में बायर्न के सबसे ज्यादा खिलाड़ी, दूसरे पर बार्सिलोना

नई दिल्ली ।
कतर में 20 नवंबर से फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट विश्व कप का आगाज होने वाला है। 28 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 32 टीमें हिस्सा लेंगी। कतर के अलग-अलग आठ मैदानों पर यह टूर्नामेंट आयोजित होगा। विश्व कप के कारण दुनिया के अधिकांश फुटबॉल लीग रुक गए हैं। यूरोप के टॉप-5 लीगों ने मैचों का आयोजन रोक दिया है। अब 25 दिसंबर से मुकाबले खेले जाएंगे। यूरोप के टॉप-5 लीग के अधिकांश खिलाड़ी विश्व कप में ले रहे हैं। यूरोप में इस बात के लिए भी होड़ लगी रहती है कि किस क्लब के कितने खिलाड़ी विश्व कप में जा रहे हैं। इस बार जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख के सर्वाधिक खिलाड़ी कतर जा रहे हैं। दूसरे स्थान पर बार्सिलोना है। आइए उन शीर्ष-5 टीमों के बारे में जानते हैं जिनके सबसे ज्यादा खिलाड़ी विश्व कप में उतरेंगे।

1. बायर्न म्यूनिख

क्लब: बायर्न म्यूनिख, **देश:** जर्मनी, **लीग:** बुंदेसलिगा

विश्व कप में कितने खिलाड़ी ले रहे भाग: 17 - बायर्न म्यूनिख का यह सीजन अब तक शानदार रहा है। वह चैंपियंस लीग में अपने ग्रुप में शीर्ष पर रही। उसने बार्सिलोना को दो बार हराया। वहीं, बुंदेसलिगा में टीम पहले स्थान पर है। वह कतर में विश्व कप में सबसे ज्यादा 17 खिलाड़ी भेजने वाला क्लब है। फीफा विश्व कप में जाने वाले क्लब के खिलाड़ी: एरिक मैक्सिम-मोटिंग (कैमरून), किंग्सले कोमान (फ्रांस), मैथिस डी लिग्ट (नीदरलैंड), लियोन गोरेत्ज्का (जर्मनी), सर्ज ग्नब्री (जर्मनी), लुकास हर्नांडेज (फ्रांस), जोशुआ किमिच (जर्मनी), सादियो माने (सेनेगल), नूस्सैर मजरौई (मोरक्को), मैनुअल नुएर (जर्मनी), थॉमस मूलर (जर्मनी), जमाल मुसियाला (जर्मनी), बेंजामिन पावर्ड (फ्रांस), लेरॉय साने (जर्मनी), जोसिप स्टेनिसिक (क्रोएशिया), दयोट उपमेकानो (फ्रांस), अल्फांसो डेविस (कनाडा)।

2. बार्सिलोना

क्लब: बार्सिलोना, **देश:** स्पेन, **लीग:** ला लिगा

विश्व कप में कितने खिलाड़ी ले रहे भाग: 16 -

ला लिगा में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना की टीम के 16 खिलाड़ी विश्व कप में हिस्सा लेंगे। क्लब को युवा खिलाड़ियों की फैक्ट्री कहा जाता है। चैंपियंस लीग में टीम का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा था। वह ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने के कारण यूरोपा लीग में चली गई है। वहां वर्ल्ड कप के बाद उसका मुकाबला प्लेऑफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड से होगा। फीफा विश्व कप में जाने वाले क्लब के खिलाड़ी: एरिक गार्सिया, जोर्डी अल्बा, पेड्री, गावी, सर्जियो बुसकेट्स, अंसु फाती और फेरान टोरेस (सभी स्पेन), जूल्स कौंडे और ओस्मान डेम्बेले (फ्रांस), फ्रेन्की डी जोंग और मेम्फिस डिपाय (नीदरलैंड), राफिन्हा (ब्राजील), रोनाल्ड अराउखो (उरुग्वे) , मार्क टेर स्टेगन (जर्मनी), रॉबर्ट लेवांडोव्स्की (पोलैंड)।

3. मैनचेस्टर सिटी

क्लब: मैनचेस्टर सिटी, **देश:** इंग्लैंड , **लीग:** प्रीमियर लीग

विश्व कप में कितने खिलाड़ी ले रहे भाग: 15 - मैनचेस्टर सिटी की टीम अभी प्रीमियर लीग में शीर्ष पर नहीं है। वह आर्सेनल से पांच अंक पीछे है। सिटी इस समय दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है, जिसमें गोल करने वाले तूफानी खिलाड़ी एर्लिंग हालैंद भी खेलते हैं। हालांकि, नॉर्वे इस बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया, इस कारण हालैंद कतर में नहीं दिखेंगे। इसके बावजूद सिटी के 15 खिलाड़ी विश्व कप में दिखेंगे। फीफा विश्व कप में जाने वाले क्लब के खिलाड़ी: मैनुअल अकांजी (स्विट्जरलैंड), एडरसन (ब्राजील), केविन डी ब्रुइन (बेल्जियम), इल्के गुंडोअन (जर्मनी), जॉन स्टोन्स, काइल वॉकर, कैल्विन फिलिप्स, फिल फोदेन, जैक ग्रीलिश (सभी इंग्लैंड), जोआओ कैंसिलो, रूबेन डियाज, बर्नार्डो सिल्वा (सभी पुर्तगाल), नाथन एके (नीदरलैंड), एमरिक लैपोर्ट और रोड्री (दोनों स्पेन)।

4.मैनचेस्टर यूनाइटेड

क्लब: मैनचेस्टर यूनाइटेड, **देश:** इंग्लैंड, **लीग:** प्रीमियर लीग

विश्व कप में कितने खिलाड़ी ले रहे भाग: 14 - प्रीमियर लीग की सफल टीमों में से एक मैनचेस्टर यूनाइटेड ने भले ही लंबे समय से कोई खिताब नहीं जीता है, लेकिन इस क्लब के लिए खेलने की चाहत सबको होती है। यूनाइटेड की फैंस की संख्या करोड़ों में हैं। उसके 14 खिलाड़ी इस बार विश्व कप में दिखेंगे। इनमें एलेक्स टेल्स मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी तो हैं, लेकिन वह लोन पर स्पेन के क्लब सेविला के लिए इस सीजन में खेल रहे हैं। फीफा विश्व कप में जाने वाले क्लब के खिलाड़ी: एंटनी, कासेमिरो, फ्रेड और एलेक्स टेल्स (सभी ब्राजील), क्रिश्चियन एरिक्सन (डेनमार्क), राफेल वरान (फ्रांस), हैरी मैग्वायर, ल्यूक शॉ, मार्कस रैशफोर्ड (सभी इंग्लैंड), डिएगो डालोट, ब्रूनो फर्नांडेस, क्रिस्टियानो रोनाल्डो (सभी पुर्तगाल), फेसुंडो पेलिस्ट्री (उरुग्वे), टायरेल मलासिया (नीदरलैंड)।

5. रियल मैड्रिड

क्लब: रियल मैड्रिड, **देश:** स्पेन, **लीग:** ला लिगा

विश्व कप में कितने खिलाड़ी ले रहे भाग: 13 - पिछले सीजन में चैंपियंस लीग जीतने वाली रियल मैड्रिड की टीम को सबसे खतरनाक क्लब माना जाता है। यह हारते हुए मैच को अपने पक्ष में करने में माहिर है। पिछले साल क्लब ने चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट जर्मेन, चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी को बाहर किया था। उसके बाद फाइनल में लिवरपूर को रौंद दिया था। फिलहाल रियल मैड्रिड की टीम ला लिगा में दूसरे स्थान पर है। उसके 14 खिलाड़ी विश्व कप में दिखेंगे। फीफा विश्व कप में जाने वाले खिलाड़ी: थिबॉट कोर्तुवा (बेल्जियम), एडर मिलिटाओ (ब्राजील), दानी कार्वाहल (स्पेन), एंटोनियो रुडिगर (जर्मनी), ऑरेलियन टचौमेनी (फ्रांस), फेड्रिको वेलवर्दे (उरुग्वे), लुका मौद्रिच (क्रोएशिया), विनीसियस जूनियर (ब्राजील), रोड्रिगो (ब्राजील), करीम बेंजेमा (फ्रांस), ईडन हेजार्ड (बेल्जियम), मार्को असेंसियो (स्पेन), एडुआर्डो कामाविंगा (फ्रांस)।

विजय हजारे ट्रॉफी में 5वीं डबल सेंचुरी

समर्थ व्यास ने मणिपुर के खिलाफ 131 गेंदों पर बनाए 200 रन, सौराष्ट्र 282 रन से जीती

नई दिल्ली ।
सौराष्ट्र के समर्थ व्यास विजय हजारे ट्रॉफी में डबल सेंचुरी बनाने वाले 5वें बल्लेबाज बन गए हैं। दिल्ली में एलीट ग्रुप ए के खेले जा रहे लीग में मणिपुर के खिलाफ उन्होंने 131 गेंदों पर 200 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 20 चौके और 2 छक्के भी जड़े।

समर्थ व्यास से पहले विजय हजारे ट्रॉफी में 4 अन्य बल्लेबाज दोहरा शतक लगा चुके हैं।सबसे पहले उत्तारखंड के लिए 2018 में कर्णवीर कौशल ने डबल सेंचुरी लगाई थी। वहीं, संजू सैमसन ने गोवा के खिलाफ 2019 में डबल सेंचुरी जड़ी थी। उसी साल यशस्वी जायसवाल ने भी ये कमाल किया था। वहीं, 2021 में पृथ्वी शॉ ने इस उपलब्धि को हासिल किया था।

सौराष्ट्र ने मणिपुर को 282 रन से हराया

मणिपुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सौराष्ट्र ने 4 विकेट के नुकसान पर 397 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी मणिपुर ने 10 विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए।

सौराष्ट्र के लिए ओपनिंग करते हुए समर्थ व्यास ने हार्विक देसाई के साथ पहले विकेट के लिए 281 करने की साझेदारी की। देसाई ने 107 गेंदों

का सामान कर 100 रन बनाए। इसके अलावा चेतश्वर पुजा ने 40 गेंदों पर 48 रन और जैक्सन ने 17 गेंदों पर 20 बनाए। मणिपुर की ओर से रेस सिंह, विश्वजीत ने 1-1 विकेट लिए।

समर्थ व्यास सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के टॉप स्कोरर

समर्थ व्यास सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 7 पारियों में 52 की औसत से 314 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 177.40 रहा। उनका बेस्ट स्कोर नागालैंड के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी थी। वे टूर्नामेंट में पांचवें टॉप स्कोरर रहे।

चंडीगढ़ के खिलाफ बनाए 61 रन

समर्थ व्यास ने विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में बेहतरीन शुरुआत की है। पहले मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ उन्होंने 64 गेंद पर 61 रन बनाए थे। वहीं दूसरे मैच में 200 रन बनाए।

खेल छात्रों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए जरूरी: प्रो.एचके चौधरी

पालमपुर।
चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में वार्षिक इंटर कालेज खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर मुख्यअतिथि के रूप में मौजूद रहे कुलपति प्रोफेसर एचके चौधरी ने कहा कि खेल छात्रों के व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रो. चौधरी ने कहा, खेल शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में मदद करते हैं क्योंकि वे सहनशक्ति, टीम भावना, भाईचारे, मित्रता, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं।

खेलों को आनंद और खेल भावना के साथ खेलना जरूरी

उन्होंने प्रतिभागियों से खेलों को आनंद और खेल भावना के साथ खेलने को कहा। कुलपति ने बताया कि

खेल परिसर के विकास के लिए भारत सरकार को एक मेगा प्रोजेक्ट सौंपा गया है, जिससे विश्वविद्यालय बड़े पैमाने पर इस तरह के आयोजन कर सकेगा। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि छात्र कल्याण संगठन तीन साल बाद खेलों का आयोजन कर पाया है। महामारी के कारण पहले खेलों का आयोजन नहीं किया जा सका था। उन्होंने आने वाले समय में संस्था को अंतर विश्वविद्यालय खेल, एथलेटिक मीट और युवा महोत्सव आयोजित करने का निर्देश दिया। इससे पहले कुलपति ने खिलाड़ियों द्वारा उद्घाटन परेड का निरीक्षण किया और उन्हें सभी चार घटक महाविद्यालयों के दल से परिचित कराया गया। छात्र कल्याण अधिकारी डा डेजी बसंदराय ने बताया कि बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, बालीबाल, बास्केटबाल फुटबाल, पावर और भारोत्तोलन जैसे आठ खेलों में लगभग 480 लड़के और लड़कियां भाग ले रहे हैं।

आईसीसी की प्लेइंग-11 में विराट और सूर्या : टीम ऑफ द टूर्नामेंट में इंग्लैंड के 4, भारत-पाक के दो खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली ।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में विराट और सूर्यकुमार यादव को भी जगह मिली है। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद अपने प्लेइंग इलेवन की घोषणा की है। इसमें रविवार को पाकिस्तान को हराकर खिताब पर कब्जा करने वाली इंग्लैंड टीम के 4 सदस्यों को शामिल किया है। इंग्लैंड ने रविवार को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से मात दी। इंग्लैंड ने दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। इसके अलावा इंग्लैंड क्रिकेट इतिहास का पहला डबल वर्ल्ड चैंपियन है। इंग्लैंड के नाम इस समय वनडे वर्ल्ड कप खिताब भी है। पहली बार किसी टीम के पास एक साथ वनडे और टी-20 दोनों का वर्ल्ड टाइटल है।

आईसीसी के टीम ऑफ द टूर्नामेंट में इंग्लैंड और भारत के अलावा कई देशों के खिलाड़ियों को जगह मिली है। फाइनल में हारने वाली पाकिस्तान टीम के भी दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। साथ ही जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के एक-एक खिलाड़ी को इस टीम में जगह मिली है।

विराट को नंबर-3 और सूर्या को नंबर-4 पर - इस टीम में सलामी बल्लेबाजों के रूप में इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स और जोस बटलर को जगह मिली है। एलेक्स ने 6 मैचों में 42.40 की औसत से 212 रन बनाए, जबकि जोस बटलर ने 6 मैचों में 45 की ओसत से 225 रन बनाए। वे टूर्नामेंट के चौथे टॉप स्कोरर हैं। नंबर 3 के लिए भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली को जगह दी गई है। कोहली इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 296 रन बनाए हैं। जिनमें 4 हाफ सेंचुरी भी शामिल हैं। कोहली ने 96 की औसत से रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 137 का रहा। वहीं सूर्याकुमार को चौथे नंबर पर शामिल किया गया है। सूर्या टूर्नामेंट के तीसरे टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 59.75 की औसत से 239 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 189.68 रहा। अपनी पारी में सूर्या ने 3 हाफ सेंचुरी भी जड़ी हैं। पांचवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स हैं। बतौर ऑलराउंडर जिम्बाब्वे के सिकंदर राजा और पाकिस्तान के लेग स्पिनर शादाब खान को आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में रखा गया है।

पेसर के तौर पर शाहीन शाह अफरीदी और सैम करन - पेसर्स के तौर पर इंग्लैंड के बॉलिंग ऑलराउंडर सैम करेन और पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी को शामिल किया गया है। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे सैम करेन को आठवें और शाहीन शाह अफरीदी को 11 वें नंबर पर शामिल किया गया है। इसके अलावा 9वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के पेसर एनरिक नोर्त्या, 10वें नंबर पर इंग्लैंड के मार्क वुड को जगह दी गई है। टीम में 12 वें खिलाड़ी के तौर पर भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को जगह मिली है।

शोएब बोले-इंडिया में वर्ल्ड कप उठाएंगे

भारत का नाम ले हार का दर्द दबाया, शमी ने दिखाया था आईना

कराची।
सोशल मीडिया पर इंडियन पेसर मो. शमी से ट्रोल होने के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर ने वीडियो ट्वीट किया है। इस वीडयो में पूर्व पाकिस्तानी पेसर शोएब अपनी टीम का हौसला बढ़ाते दिख रहे हैं। उन्होंने आखिर में कहा- भारत में वर्ल्ड कप उठाएंगे। शोएब अख्तर पिछले कुछ दिनों से अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। सेमीफाइनल में पाकिस्तान की हार के बाद उन्होंने टूटा हुआ दिल पोस्ट किया था। इस पर मो. शमी ने तंज कसा था- माफ करना भाई, ये कर्म है। लड़ाई यहीं नहीं थमी। हर्षा भोगले ने अपने ट्वीट में पाकिस्तानी बॉलरों की तारीफ की तो शोएब ने शमी की तरफ इशारा करते हुए कहा- इसके कहते हैं समझदारी भरा ट्वीट। शोएब अख्तर ने कहा, पाकिस्तान वर्ल्ड कप हार गया है। लेकिन, पाकिस्तानी टीम ने महान काम किया। आप कहीं नहीं थे, लेकिन आप ने पूरे टूर्नामेंट में कमाल की गेंदबाजी की और पाकिस्तान को फाइनल में पहुंचाया। लक भी था।

पाकिस्तान अच्छा खेलकर फाइनल में पहुंचा। कोई बात नहीं, टर्निंग पॉइंट शाहीन शाह का अनफिट होना रहा। हमें यहां से सिर नहीं गिराना। जैसे स्टोक्स ने चार छक्के खा लिए थे 2016 में और इंग्लैंड को हरवा दिया था। आज 2022 में उसे उससे मुक्ति मिल गई और उसने वर्ल्ड कप जिता दिया। मैं दुखी हूं...निराश भी। कोई बात नहीं मैं आपके साथ खड़ा हूं। हम इंडिया में वर्ल्ड कप जीतेंगे।

शोएब ने भारत पर ताना मारा - इंग्लैंड से हारने के बाद टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गई थी। इसके बाद अख्तर ने कहा था, भारत के लिए ये शर्मनाक हार है। इंडिया ने बहुत गंदा खेला है और हारना डिजर्व करता था। भारत फाइनल में पहुंचना डिजर्व नहीं करता था। इंडिया बहुत गंदे तरीके से हारा है।2. भारतीय गेंदबाजी को औसत दर्जे का बताया था शोएब ने भारतीय पेसर्स को औसत बताते हुए कहा था, भारत की गेंदबाजी की पोल खुल गई। ये कंडीशन तेज गेंदबाज हैं और इंडिया के पास कोई एक्सप्रेस तेज गेंदबाज नहीं है।

हर्षा भोगले ने तारीफ की तो शोएब ने शमी को टारगेट किया - हर्षा भोगले ने पाकिस्तान टीम की गेंदबाज की तारीफ की तो इसके जरिए शोएब ने फिर शमी पर तंज कसा। उन्होंने हर्षा का ट्वीट शेयर कर लिखा- इसे कहते हैं समझदारी भरा ट्वीट।

शोएब-शमी की बहस में अफरीदी भी कूदे - आप रिटायर भी हो गए हो, तब भी आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। फिर आप तो अभी टीम के लिए खेल रहे हो। आपको इन सब चीजों से बचना चाहिए। हम क्रिकेटर्स एक रोल मॉडल की तरह हैं। हमें यह सब खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए न कि नफरत बढ़ाने की। अगर हम ही ऐसा करेंगे तो आम आदमी से हम क्या उम्मीद रख सकते हैं। स्पोर्ट्स से हमारे रिश्ते बेहतर हो सकते हैं। इनके साथ हम खेलना चाहते हैं। इन्हें पाकिस्तान में देखना चाहते हैं। इन्हें ये सब चीजें नहीं करनी चाहिए।

इरफान पठान से भी हुआ था शोएब का विवाद - भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर और कमेंटेटर इरफान पठान ने बुधवार को एक ट्वीट किया था। न्यूजीलैंड को टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हराकर पाकिस्तान ने फाइनल में जगह बना ली। इसके बाद पठान ने लिखा था, पड़ोसियों जीत आती-जाती रहती है लेकिन सम्मान आपके बस की बात नहीं है।

इस पर जवाब देते हुए अख्तर ने कमेंट किया- अरे क्या हो गया ब्रो किसी ने कुछ कहा है तो मुझे बता। मैं डाटूंगा, प्रॉमिस। इरफान पठान ने भी मजाकिया लहजे में इस ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, 'हाहा, थोड़ी बदतमीजी स्टेडियम में और उसका रिएक्शन।

भारतीय स्पेस स्टार्टअप खेत और खनन से समुद्र समेत हर क्षेत्र में

स्टार्टअप स्पेस इकोनॉमी के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने लांच पेलोड सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग थ्रस्टर रॉकेट इंजन और ग्रीन फ्यूल के साथ सैटेलाइट डाटा एनालिटिक्स में भी अच्छा काम किया है। इनका फायदा कृषि इंश्योरेंस फिशरीज जलवायु लॉजिस्टिक्स जैसे सामाजिक क्षेत्रों में मिल रहा है।

धरती से अब तक लगभग साढ़े पांच हजार सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे गए हैं। इनके साथ अंतरिक्ष में मलबे के करीब 10 लाख टुकड़े भी हैं। एक टुकड़ा भी किसी सैटेलाइट से टकराया तो सिर्फ सैटेलाइट भेजने पर आने वाले करोड़ों रुपए के खर्च का नुकसान नहीं होगा, बल्कि उस सैटेलाइट के जरिए मिलने वाली सेवाएं भी अचानक रुक जाएंगी। संभव है कि हम मोबाइल फोन पर बात न कर सकें, व्हाट्सएप पर चैट न कर सकें। कम्युनिकेशन से लेकर मौसम और कृषि क्षेत्र में भविष्यवाणी तक हर क्षेत्र में सैटेलाइट के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए अनुमान है कि अगले 10 वर्षों में और 50,000 सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। तब उनके मलबे से टकराने का खतरा भी बहुत ज्यादा होगा। लेकिन दिगांतरा नाम के एक भारतीय स्टार्टअप ने अंतरिक्ष में मलबों की लोकेशन बताने वाला सेंसर डेवलप किया है। इससे पहले ही पता चल जाएगा कि किसी सैटेलाइट को कहां रखना सुरक्षित होगा। सामान्य बोलचाल में *रॉकेट साइंस* शब्दों का इस्तेमाल मुश्किल कामों के लिए होता है, लेकिन भारतीय स्टार्टअप्स ने रॉकेट साइंस को भी जैसे आसान बना दिया है। अंतरिक्ष से जुड़े लगभग हर डोमेन में ये काम कर रहे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में सबसे मुश्किल काम रॉकेट लांच करना होता है। लेकिन सिर्फ चार साल पुरानी (2018 में स्थापित) हैदराबाद की स्काईरूट जल्दी ही अपना रॉकेट लांच करने वाली है। सॉलिड फ्यूल वाला यह *विक्रम-एस* रॉकेट 3 सैटेलाइट लेकर जाएगा। इसे 15 नवंबर को लांच किया जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण टालना पड़ा। विक्रम सीरीज में और भी रॉकेट लांच करने की योजना है। आईआईटी चेन्नई में इनक्यूबेट हुई अग्निकुल ने पिछले दिनों 3डी प्रिंटेड इंजन का स्टैटिक ट्रायल थुंबा स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में किया है। दुनिया में पहली बार 3डी प्रिंटेड इंजन का ट्रायल हुआ है। इस टेक्नोलॉजी पर आधारित रॉकेट अगले साल लांच होने की संभावना है। 2012 में स्थापित भारत के पहले स्पेस स्टार्टअप ध्रुव स्पेस ने 30 जून को पीएसएलवी 3 (पीएसएलवी) रॉकेट पर आपने सैटेलाइट डिप्लॉयर का परीक्षण किया। अब पीएसएलवी 4 में वह इसी महीने के अंत तक दो सैटेलाइट लांच करने वाली है। स्टार्टअप बिलाट्रिक्स रॉकेट के लिए ग्रीन फ्यूल बना रही है। जब सैटेलाइट अंतरिक्ष में जाता है तो उस पर नियंत्रण के लिए बैटरी का इस्तेमाल होता है। बिलाट्रिक्स ऐसी बैटरी बना रही है जो हल्की होगी और लंबे समय तक चलेगी। सरकार ने 2020 में स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला, उसके बाद इसमें स्टार्टअप काफी तेजी से बढ़े। आज देश में सौ से ज्यादा स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इंडियन स्पेस एसोसिएशन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) एके भट्ट जागरण प्राइम से कहते हैं कि अमेरिका में जब स्पेस को निजी क्षेत्र के लिए खोला गया तो कई बड़ी कंपनियां आईं। इसका फायदा यह हुआ कि जो काम पहले नासा जैसी संस्थाएं करती थीं, वह प्राइवेट कंपनियां भी करने लगीं। भारतीय स्टार्टअप्स की खास बात यह है कि इन्हें स्थापित करने वाले 25 से 30 साल की औसत उम्र के युवा हैं। शुरू में अंतरिक्ष सेक्टर सिर्फ रणनीतिक यानी रक्षा के लिए था। तब अमेरिका और रूस के बीच काफी प्रतिस्पर्धा थी। लेकिन भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के अग्रणी वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई ने शुरू में ही कहा था कि हमारे लिए अंतरिक्ष का मतलब आम आदमी का फायदा है। साराभाई के उस सपने को इसरो (आईएसआरओ) के बाद स्टार्टअप भी साकार करने में जुटे हैं। सैटकॉम इंडस्ट्री एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अनिल प्रकाश कहते हैं, भारतीय स्पेस स्टार्टअप्स के पास प्रोफेशनल विशेषज्ञता है, उम्दा विचार हैं और वे उत्साह से लबरेज हैं। वे स्पेस इकोनॉमी के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने लांच, पेलोड, सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग, थ्रस्टर, रॉकेट इंजन और ग्रीन फ्यूल के साथ सैटेलाइट डाटा एनालिटिक्स में भी अच्छा काम किया है। इनका फायदा कृषि, इंश्योरेंस, फिशरीज, जलवायु, लॉजिस्टिक्स जैसे सामाजिक क्षेत्रों में मिल रहा है। दिगांतरा के सह-संस्थापक राहुल रावत कहते हैं कि अंतरिक्ष में मौजूद हर चीज की हम मैपिंग करेंगे। इससे सैटेलाइट भेजने वाले को मालूम होगा कि कहां खतरा है। या कोई सैटेलाइट किसी मलबे से टकराने वाला है तो पहले ही पता चल जाएगा और सैटेलाइट को वहां से हटाया जा सकता है। राहुल ने 2018 में जर्मनी में एक कांफ्रेंस में हिस्सा लिया था। वहां नासा और इसरो जैसी अनेक बड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि थे। उन सबने अंतरिक्ष में जमा हो रहे मलबे के खतरे के बारे में बात की। तभी राहुल के दिमाग में इसका समाधान तलाशने का विचार किया। राहुल के अनुसार अंतरिक्ष में मौजूद 10 लाख मलबे के टुकड़ों में से सिर्फ 34-36 हजार के बारे में ही आंकड़े उपलब्ध हैं। वे कहते हैं कि आज अगर कोई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजता है तो वह सिर्फ उन 36000 ऑब्जेक्ट के बारे में सोच सकता है कि उनसे कैसे बचना है। बाकी ऑब्जेक्ट की जानकारी ही नहीं है तो हम बचाव कैसे कर सकते हैं। उन्होंने तनवीर अहमद और अनिरुद्ध शर्मा के साथ दिगांतरा की स्थापना की। दिगांतरा ने इसी साल एक सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है। वह अंतरिक्ष में रेडिएशन पकड़ने के लिए है। राहुल के अनुसार उस सेंसर के जरिए हम बता सकते हैं कि किस ऑर्बिट में रेडिएशन ज्यादा है और किस ऑर्बिट में कम। अगर अंतरिक्ष में कुछ ऐसा बड़ा घटित होने वाला है जिससे बड़े पैमाने पर रेडिएशन हो, तो पहले से अनुमान लगाकर सैटेलाइट को बचाया जा सकता है। भारत के पहले स्पेस स्टार्टअप ध्रुव स्पेस के हेड ऑफ स्ट्रैटजी क्रांति चंद कहते हैं कि सैटेलाइट आज हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। इसरो की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए हमने उसे आम लोगों के लिए ज्यादा उपयोगी बनाया। सैटेलाइट ज्यादा होने पर लोगों के लिए सुविधाएं भी बढ़ेंगी। चाहे वह मौसम की बात हो या खेती की, अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों के आने से बड़ा बदलाव आएगा। हम भारत के साथ दूसरे देशों के लिए भी सैटेलाइट निर्माण कर सकते हैं। ध्रुव स्पेस सैटेलाइट बनाने के साथ लांच और ग्राउंड सर्विस उपलब्ध कराती है। क्रांति के अनुसार, हम सैटेलाइट बनाने से लेकर उससे मिलने वाले डाटा तक पूरी सर्विस देते हैं। ले. जनरल भट्ट ने कुछ और उपयोगी स्टार्टअप्स के बारे में बताया। *पिक्सल* कुछ सैटेलाइट अगले साल और उसके बाद 36 छोटी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजने वाली है। रिमोट सेंसिंग में इसकी काबिलियत सबसे उच्च क्वालिटी की है। इसकी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल डिजास्टर मैनेजमेंट, खदानों और ऑयल रिग्स की मॉनिटरिंग जैसे क्षेत्र में किया जा सकता है। एक और स्टार्टअप *तथ्य* कृषि क्षेत्र में मदद कर रहा है। वह बताता है कि मिट्टी कैसी है, उसमें नमी कितनी है, मौसम के हिसाब से फसल कब लगाई जानी चाहिए। बैंक और बीमा कंपनियां इसका काफी इस्तेमाल कर रही हैं। पहले बैंक मैनुअली मॉनिटरिंग करते थे। अब इस कंपनी के जरिए उन्हें पता चल जाता है कि किसी खास इलाके में फसल लगाई गई है या नहीं, या फिर कितना नुकसान हुआ है। इसी तरह मछुआरों को यह बताकर मदद की जा सकती है कि समुद्र में कहां पर ज्यादा मछलियां हैं। अनिल प्रकाश के मुताबिक परिस्थितियां काफी तेजी से बदल रही हैं। अग्निकुल और अनंत टेक्नोलॉजी जैसी कंपनियां अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं के साथ बाजार के सारे नियम तोड़ रही हैं। उन्होंने बताया कि अनंत टेक्नोलॉजी ने भारत की पहली प्राइवेट स्पेसक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी तैयार की जहां एक साथ चार बड़े स्पेसक्राफ्ट असेंबल, इंटीग्रेट और टेस्ट किए जा सकते हैं। अग्निकुल कॉसमॉस ने चेन्नई में भारत की पहली प्राइवेट रॉकेट इंजन फैक्ट्री खोली है। आगे यह हर सप्ताह दो रॉकेट इंजन बना सकती है। इसी तरह स्काईरूट कॉमर्शियल सैटेलाइट के लिए लांच व्हीकल बना रही है। भारत में कुछ समय पहले तक निजी क्षेत्र इसरो के लिए सिर्फ सप्लायर का काम करता था, पहली बार ये कंपनियां स्वतंत्र रूप से काम कर रही हैं। ले. जनरल भट्ट के अनुसार हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और एलएंडटी मिलकर पीएसएलवी बनाएंगी। कॉन्ट्रैक्ट के तहत दो से तीन साल में उन्हें पांच रॉकेट बनाने हैं। एयरटेल की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली वनवेब पहले दूसरे देशों से अपने सैटेलाइट लांच करती थी, लेकिन पिछले महीने उसने भारत से अपने 36 सैटेलाइट लांच किए और जल्दी ही और 36 सैटेलाइट लांच करने वाली है। यह संभव हो सका है कम खर्च के कारण। इसरो तो पहले ही अमेरिका और यूरोप की तुलना में बहुत कम खर्च पर रॉकेट लांच करता रहा है। ले. जनरल भट्ट के अनुसार स्पेसएक्स ने अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को काफी कम कर दिया है। वर्ष 1970 से 2000 तक प्रति किलो पेलोड अंतरिक्ष में भेजने का औसत खर्च 18,500 डॉलर था। स्पेसएक्स के फालकन 9 रॉकेट ने इसे घटाकर 2,720 डॉलर प्रति किलोग्राम कर दिया है। भारतीय स्टार्टअप्स को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इसरो से मदद मिल रही है, इसलिए उनकी लागत भी कम है। उनके सामने घरेलू बाजार तो है ही, दुनिया के उन देशों का बाजार भी खुला है जिनके पास अंतरिक्ष में आगे बढ़ने लायक संसाधन नहीं हैं। सैटकॉम इंडस्ट्री एसोसिएशन के अनुसार 2020 में ग्लोबल स्पेस मार्केट 447 अरब डॉलर का था और उसमें भारत की हिस्सेदारी 11 अरब डॉलर यानी सिर्फ 2.4त्न थी। 2047 तक ग्लोबल मार्केट 1.5 लाख करोड़ डॉलर का होगा और भारत उसमें 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना चाहता है। ले. जनरल भट्ट कहते हैं कि स्पेस इकोनामी में रॉकेट और सैटेलाइट का हिस्सा 6 से 7 प्रतिशत ही है। बड़ा पैसा एप्लीकेशन, ग्राउंड स्टेशन और डीटीएच जैसे क्षेत्र में है। एप्लीकेशन डेवलप करने में भारत अग्रणी बन सकता है क्योंकि यहां आईटी सेक्टर काफी विकसित है। स्पेसएक्स के रॉकेट का इस्तेमाल नासा भी कर रहा है। भारत में इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ ने घरेलू स्टार्टअप्स से पिछले दिनों कहा था कि संभव है आगे चलकर हम आपको सैटेलाइट बनाने का ऑर्डर दें। इसे संकेत बताते हुए ले. जनरल भट्ट कहते हैं कि प्राइवेट इंडस्ट्री में वह काबिलियत है। दिगांतरा के राहुल कहते हैं कि तीन-चार सालों में स्पेसटेक स्टार्टअप के लिए अच्छे अवसर पैदा हुए हैं। आज स्पेस के हर डोमेन में निजी कंपनियां काम कर रही हैं। चाहे वह लांचिंग हो, सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग हो, पेलोड हो, रिमोट सेंसिंग हो। हर डोमेन में कोई न कोई कंपनी मौजूद है। ये स्टार्टअप आने वाले दिनों में अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत को काफी आगे लेकर जाएंगे। ध्रुव स्पेस के क्रांति कहते हैं कि हम आज भी विदेशी कंपनियों पर निर्भर हैं। इसरो ने हमारी प्रमुख समस्याओं का समाधान किया, सभी समस्याओं का नहीं। जैसे कम्युनिकेशन और इमेजरी के लिए हम अंतर्राष्ट्रीय सैटेलाइट का इस्तेमाल करते हैं। राज्य सरकारें दूसरे देशों से इमेजरी खरीदने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करती हैं। इससे अवसरों का पता चलता है। क्रांति के अनुसार अभी भारत के 55 से 60 सैटेलाइट ऑपरेशनल हैं। तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन के 450 सैटेलाइट हैं। अमेरिका के 1500 सैटेलाइट सरकारी और तीन हजार से ज्यादा निजी कंपनियों के हैं। भारत जैसे विशाल देश के लिए अनेक सैटेलाइट की जरूरत है। यह सैटेलाइट कंपनियों के लिए प्रमुख बाजार होगा। भारत में निर्माण लागत बहुत कम आती है, इसलिए अगले 10 वर्षों में जो 50 हजार सैटेलाइट छोड़े जाएंगे उनमें से भारत को कम से कम 5000 सैटेलाइट का निर्माण करना चाहिए। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि सरकार पॉलिसी लेकर आए और सैटेलाइट निर्यात को प्रमोट करे- इससे पहले कि लिथुआनिया और क्रोएशिया जैसे पूर्वी यूरोप के देश इसमें लीड ले लें। ध्रुव स्पेस 26 नवंबर को अगला सैटेलाइट लांच करने वाली है। अनिल प्रकाश कहते हैं, भारत उन चुनिंदा देशों में है जहां महामारी के मुश्किल दिनों में भी लोगों ने अंत्रप्रेन्योरशिप दिखाया। माइक्रो सैटेलाइट, एडवांस रॉकेट प्रोपल्शन, लांच व्हीकल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डीप इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में वे नई टेक्नोलॉजी और बिजनेस मॉडल लेकर आए। जिन देशों ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अभी तक कदम नहीं बढ़ाया है, भारत उन्हें अमेरिका या यूरोप की तुलना में काफी सस्ती दर पर सैटेलाइट लांच करने की सुविधा दे सकता है। खासकर छोटे सैटेलाइट बनाने और उसे लांच करने, दोनों की लागत भारत में बहुत कम आती है। अनिल प्रकाश के मुताबिक सरकार को इस क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए अलग रणनीति बनानी चाहिए। सरकार इसरो के जरिए मदद जारी रखे तो निजी क्षेत्र सैटेलाइट निर्माण, लांच, ग्राउंड सेगमेंट और इक्विपमेंट में विदेशी बाजारों के लिए अपने आप को तैयार कर सकता है। भारतीय स्टार्टअप्स के सामने सबसे बड़ी समस्या फंडिंग की है। अनिल प्रकाश कहते हैं, पश्चिमी देशों में निवेशक और सरकारें भारत की तुलना में ज्यादा जोखिम लेने को तैयार हैं। फाइनेंस की सुविधा बढ़ने पर भारतीय स्टार्टअप भी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं और ग्लोबल मार्केट में प्रवेश कर सकते हैं। हालांकि फाइनेंस की दिक्कत के बावजूद उन्होंने काफी अच्छी प्रगति की है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**